फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 198 प्रभात जयपुर, रविवार 18 फरवरी, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

THE DISCO DANCER?

His audience accepted him for what he was, never mind his atrocious dress sense and the obvious *Uttam Kumar* hangover.

THE ART OF *KAVAD* MAKING

Can Passive Exposure Speed Up Learning? The study gives additional insight into the possible brain mechanisms

ताजेवाला हैंड वर्क्स से राजस्थान के तीन जिलों को यमुना जल देने के लिए त्रिपक्षीय एम.ओ.यू. शनिवार को केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की मौजूदगी में हुआ।

वरुण गांधी का प्र.मंत्री मोदी पर सीधा हमला

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 फरवरी। भाजपा सांसद वरुण गांधी (43) ने प्रधानमंत्री मोदी पर शनिवार को सीधा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि देश में एक करोड़ सरकारी नौकरियां होने के बावजूद

- **अपने निर्वाचन क्षेत्र, पीलीभीत में एक सभा को सम्बोधित करते हुए वरुण ने कहा, एक करोड़ सरकारी पद रिक्त हैं, फिर बेरोजगारों को नौकरी क्यों नहीं दी जा रही है।**

नौकरियां नहीं दी जा रही हैं। इस समय वरुण के चचेरे भाई राहुल की भारत जोड़ो यात्रा उत्तर प्रदेश से गुजर रही है।

अपने लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र पीलीभीत में एक सार्वजनिक रैली में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस के कमलनाथ भाजपा में शामिल हो रहे है?

देशभर के राजनैतिक हलकों में दिनभर यही चर्चा चली, खुद कमलनाथ ने भी इन अफवाहों से इन्कार नहीं किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 फरवरी। मोदी-शाह दोनों के द्वारा नियंत्रित व निर्देशित चुनाव प्रबंधन मशीनरी के बारे में खबर है कि वह मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को भाजपा में शामिल कराने पर कार्य कर रही है। ताकि आम मतदाताओं में यह धारणा बन जाए कि कांग्रेस पार्टी खत्म हो रही है और अगर देश की सबसे पुरानी पार्टी को वोट दिया तो वह बेकार जाएगा।

कमलनाथ को रिझाने के लिए हर संभव तरीका काम में लिया जा रहा है, जो कि भाजपा की मुख्य रणनीति का प्रमुख हिस्सा है। इसमें भाजपा विपक्षी नेताओं को सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल कर उन्हें डराती है या फिर उन्हें

- **मध्यप्रदेश में कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, शनिवार को अपने पुत्र के साथ दिल्ली पहुंचे। कमलनाथ ने पत्रकारों के सवाल के जवाब में कहा कि, भाजपा में जाऊंगा तो आपको अवश्य बताऊंगा।**
- **कमलनाथ के पुत्र नकुल नाथ, जो मध्यप्रदेश में कांग्रेस के विधायक हैं, ने अवश्य कांग्रेस छोड़ने के संकेत दिये। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउन्ट से ''कांग्रेस'' शब्द हटा लिया।**

पार्टी में आने पर पद देने का लालच देती है जिसका कुछ समय पहले ही महाराष्ट्र में सफल प्रयोग देखा गया था। जब वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अशोक चव्हाण और मिलिंद देवडा को कांग्रेस छोड़कर क्रमशः भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल करवाया गया था।

कमलनाथ भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच आज नई दिल्ली आए और पत्रकारों के पूछने पर बताया कि अगर ऐसा हुआ तो सबसे पहले मीडिया को बताएंगे। यह भी तय है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ताजेवाला हैड से चूरू, सीकर, झुंझुनूं सहित कई जिलों को यमुना जल मिलेगा

केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय-हरियाणा-राजस्थान के बीच हुआ त्रिपक्षीय समझौता

नई दिल्ली/जयपुर, 17 फरवरी (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की उपस्थिति में शनिवार को नई दिल्ली में एक त्रिपक्षीय समझौता पत्र (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर हुए। इस योजना के मूर्त रूप लेने के बाद अंडरग्राउंड पाइप लाइन के जरिये राजस्थान के चुरू, सीकर और झुंझुनूं सहित अन्य जिलों को ताजेवाला हैड-वर्क्स से यमुना नदी का पानी मिल सकेगा। इससे बारिश में व्यर्थ बह जाने वाले जल का भी समुचित उपयोग हो सकेगा। इस डी.पी.आर. की प्रक्रिया और पूर्णता के लिए चार महीने का समय तय किया गया है। सेंट्रल वॉटर कमीशन और अपर यमुना रिवर बोर्ड की भी इसमें भागीदारी रही।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा, भूमिगत पाइप लाइनों से राजस्थान को उसके हिस्से का पूरा पानी मिलेगा।**
- **राजस्थान और हरियाणा संयुक्त रूप से चार महीने में तैयार करेंगे प्रोजेक्ट की डी.पी.आर.।**

एम.ओ.यू. के बाद, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, प्रोजेक्ट में भूमिगत पाइप लाइनों के माध्यम से यमुना नदी का पानी राज्य के तीन जिलों, सीकर, चूरू और झुंझुनूं को उपलब्ध कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना दोनों राज्यों के लिए हितकारी साबित होगी। इस समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि, पूर्ववर्ती सरकार द्वारा ध्यान न दिए जाने के कारण यह योजना काफी समय से लंबित थी। इसके धरातल पर उतरने के बाद राजस्थान को उसके हिस्से का पूरा पानी मिलेगा और शेखावाटी क्षेत्र के तीन जिलों की पेयजल समस्या का समाधान हो सकेगा। उन्होंने राजस्थान के हित में इस एम.ओ.यू. के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री एवं जलशक्ति मंत्री का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल की यात्रा वाराणसी पहुँची

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 फरवरी। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को उनकी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के 35 वें दिन वाराणसी में दो हिन्दुस्तान के बारे में बात की -एक करोड़पतियों का और दूसरा गरीबों का।

उन्होंने नोटबंदी के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि छोटे व्यापारियों को

- **राहुल ने मीडिया पर निशाना साधा और कहा, न्यूज़ चैनल अडानी अम्बानी के हैं, उन्हें कहा जाता है कि, 24 घंटे मोदी को दिखाओ, बीच-बीच में अमिताभ बच्चन और एश्वर्या का नृत्य दिखाओ।**

नोटबंदी व जी.एस.टी. से कोई लाभ नहीं मिला उलटे उन्हें इसके कारण परेशानी झेलनी पड़ी है, परंतु मीडिया में उनकी तकलीफ के बारे में कोई जिक्र नहीं हुआ। उन्होंने मीडिया चैनल वाले लोगों का उल्लेख किया और विशेष रुप से कहा कि या तो ये अडाणी के हैं या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'2256 मामलों में नोटिस जारी क्यों नहीं हुए?'

हाईकोर्ट ने ऐसे मामलों पर नाराज़गी जताई, जिनमें रजिस्ट्री द्वारा सही तरीके से ''नोटिस'' जारी नहीं किए गए थे

-यादवेंद्र शर्मा -

जयपुर,17 फरवरी। राजस्थान हाईकोर्ट में ऐसे मामले, जिनमें मुख्य तौर पर सभी पक्षकार पार्टियों को रजिस्ट्री द्वारा सही तरह से नोटिस जारी नही किए जा रहे हैं और इस वजह से मामले अदालतों के समक्ष बार-बार गैर-न्यायिक कार्यवाही के लिए, सूचीबद्ध हो रहे हैं, इस मुददे पर न्यायाधीश समीर जैन की अदालत ने संज्ञान लेते हुए इन मामलों के सही निस्तारण के लिए महाअधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है। यह समिति अपनी रिपोर्ट छः हफ्तों में पेश करेगी और इस समिति के सुझावों के अनुसार ही अदालत आदेश पारित करेगी।

- **हाईकोर्ट में बार एसोसिएशन के कई सदस्यों ने यह शिकायत दर्ज की, कि हर रोज ऐसे कई मामले अदालत के समक्ष सूचीबद्ध किए जाते हैं, जिनमें रजिस्ट्री द्वारा सही तरीके से नोटिस जारी नहीं होते। ऐसे मामलों में, सही नोटिस जारी करवाने के लिए बार-बार सुनवाई से केवल अदालत का वक्त बर्बाद होता है।**
- **बार के सदस्यों का कहना था कि, नोटिस जारी करने और छोटी-मोटी त्रुटियों को दूर करने का दायित्व नियमानुसार केवल रजिस्ट्री का है। बार के सदस्यों ने इस संबंध में दिल्ली हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में चल रही प्रथा का भी उदाहरण दिया और कहा कि, यही प्रथा राजस्थान में भी लागू की जानी चाहिए।**

दरअसल न्यायाधीश समीर जैन की अदालत के समक्ष 13 फरवरी को ऐसे दो मामले सामने आए जिनमे पक्षकार पार्टियों को नोटिस जारी नही किए गए थे। इनमें से एक मामला तो वर्ष 2015 में दायर किया गया था और लगभग नौ साल बाद भी हाई कोर्ट की रजिस्ट्री द्वारा मामले में नोटिस सही पार्टी को जारी नही किए गए थे और यह मामला ''ऑडर्स '' की श्रेणी में बार-बार सूचिबद्ध किया जा रहा था।

इन दोनों मामलों पर बहस के दौरान हाई कोर्ट बार के कुछ सदस्यों के द्वारा अदालत को कहा गया कि एसे मामले, जिनमें नोटिस ही जारी नही हुए हैं और तकनीकी त्रुटियों के कारण अदालत के समक्ष गैर-न्यायिक कार्यवाही (जैसे सही नोटिस जारी करने) के लिए बार-बार सूचीबद्ध होते हैं, इससे केवल अदालतों का समय जाया होता है। बार के इन सदस्यों की तरफ से यह कहा गया कि याचिकाओं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दुर्वचन पशुओं तक को अप्रिय होते हैं। –बुद्ध

लोकतंत्र की कसौटी पर चुनावी बांड का आकलन

लोकतंत्र की सार्वभौमिक पहचान में कई प्रमुख सिद्धांत शामिल हैं, जिनमें बोलने, सभा करने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे व्यक्तिगत मानवाधिकारों की सुरक्षा शामिल है; कानून का शासन, कानून के समक्ष सबकीसमानता, पारदर्शी और उत्तरदाई शासन; नियमित, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव जहां नागरिकों को वोट देने और अपने प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है; निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में नागरिकों की भागीदारी; स्वतंत्र न्यायपालिका; अल्पसंख्यक अधिकारों की सुरक्षा; प्रेस व पत्रकारिता की स्वतंत्रता; और शक्ति के संकेंद्रणव दुरुपयोग रोकने के लिए नियंत्रण और संतुलन की प्रणाली भी शामिल है। ये मूलभूत सिद्धांत सामूहिक रूप से एक मजबूत और जीवंत लोकतांत्रिक समाज की नींव बनाते हैं। सामूहिक रूप से इन्हें आप लोकतंत्र की कसौटी कह सकते हैं जिसका प्रयोग कर आप किसी भी व्यवस्था के कार्यों के लोकतांत्रिक होने या न होने की जांच-पडताल कर सकते हैं।

आइये, इन सार्वभौमिक लोकतांत्रिक सिद्धांतों की कसौटी पर भारत में इलेक्टोरल बांड की खरीद और प्राप्तकर्ताओं के सन्दर्भ में एक विश्लेषण करते हैं। यह एक आम बात है कि भ्रष्टाचार को रोकने और लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखने के उद्देश्य से राजनीतिक चंदे का पारदर्शी संचालन होना चाहिए। चुनावी चंदे के बारे में नागरिकों को जानने का अधिकार है और लोगों को यह जानकारी देकर राजनीतिक दलों को उत्तरदाई ठहराया जा सकता है। इससे नागरिक समुचित निर्णय ले सकते हैं। फिर भी, यहाँ यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि इस मुद्दे के संबंध में उपलब्ध विधान और उसकी कानूनी वैधता आदि का वर्तमान में न्यायालय में आकलन किया जा रहा है जिसके फलस्वरूप यह विषय एक बार पुन: देश में गंभीर चर्चा में आ गया है।

लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रकाश में भारत में चुनावी बांड की उत्पत्ति और प्राप्तकर्ताओं की जानकारी का खुलासा नागरिकों को किया जाये या नहीं इस के नैतिक और कानूनी निहितार्थों के संबंध में विविध व्याख्याएं और दृष्टिकोण मौजूद हैं। सारांश में इन्हें देखना समीचीन रहेगा।

नैतिक दृष्टिकोण से पारदर्शिता और जवाबदेही लोकतंत्र के मूलभूत स्तंभ हैं। नागरिकों को राजनीतिक फंडिंग स्त्रोतों का खुलासा और पूर्ण जानकारी प्राप्त करना लोगों का मौलिक अधिकार है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इससे चुनावी प्रक्रिया की अखंडता की रक्षा होती है और भ्रष्ट प्रथाओं या अनुचित प्रभाव की घटना को रोकने में मदद मिलती है। चुनावी बांड की उत्पत्ति और प्राप्तकर्ताओं का खुलासा करके पारदर्शिता बढ़ाई जा सकती है। इससे मतदाता निर्णय लेने और राजनीतिक दलों को उनके मौद्रिक लेनदेन के लिए जिम्मेदार ठहराने में सक्षम हों सकेंगे।

कानूनी दृष्टिकोण से चुनावी बांड की उत्पत्ति और प्राप्तकर्ताओं का खुलासा एक जटिल कानूनी स्थिति वाला एक विवादास्पद मुद्दा है। चुनावी बांड के कार्यान्वयन के पीछे प्राथमिक उद्देश्य दाताओं की गोपनीयता की रक्षा करना और उन पर निर्देशित किसी भी संभावित प्रतिकूल प्रतिक्रिया या पूर्वाग्रह को रोकना था। फिर भी, विरोधियों का तर्क है कि पारदर्शिता की यह अनुपस्थिति क्विड प्रो क्वो (यानी, कुछ के लिए कुछ) सहित राजनीतिक संगठनों के वित्तीय लेनदेन की जांच करने की व्यक्तियों की क्षमता को बाधित करके लोकतांत्रिक सिद्धांतों को नष्ट कर देती है।

उदाहरण के लिए, एक कॉर्पोरेट समूह, अनुकूल नीति परिवर्तन की अन्दर ही अन्दर मांग करते हुए, चुनावी बांड के माध्यम से एक राजनीतिक दल को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय ले सकता है। बदले में, पार्टी ऐसी नीतियां पेश करती है जो उसकॉर्पोरेट घराने के हितों के अनुरूप होती हैं। यह अदला-बदली की स्थिति वाली व्यवस्था राजनीति में धन के प्रभाव और लोकतांत्रिक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं के साथ समझौते की आशंका के बारे में चिंताउत्पन्न करती है। यह लोकतंत्र के लिए सतत चुनौती है। संबंधित कॉर्पोरेट घराने द्वारा प्रदान की गई फंडिंग तथाउनके पक्ष में नीतिगत बदलाव एक दुष्चक्र पैदा कर सकने में सक्षम हैं। विशेष कॉर्पोरेट घराना अनुकूल नीतियों के कारण अधिक कमाई करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सत्ता में उसी मित्रवत राजनीतिक दल को पुन: अतिरिक्त चंदा मिलता है। यह दुष्प्रभाव के दुष्चक्र को बनाये रखता है और संभावित रूप से प्रतिनिधित्व की विविधता को सीमित करता है और चुनावों में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को रोककर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित करता है।

कुछ ऐसे कॉरपोरेट घराने जो मुनाफा नहीं कमा रहे हैं किन्तु चुनावी बांड के माध्यम से धन क्यों मुहैया कराते हैं? रोचक बात यह है कि ऐसे कुछ कॉरपोरेट घरानों के उदाहरण हैं, जिन्होंने नीति निर्माताओं तक प्रभाव और पहुंच प्राप्त करने के लिए चुनावी बांड के माध्यम से धन मुहैया कराया है, और करा सकते हैं, भले ही वे वर्तमान में घाटे में चल रहे हों। स्वाभाविक है कि उनका लक्ष्य,सत्ता में एक राजनीतिक दल का समर्थन करके अपने पक्ष में नीतियों को आकार देना, नियामक लाभ सुरक्षित करना और अपने दीर्घकालिक हितों की रक्षा करना है। यह रणनीतिक निवेश उन्हें एक अनुकूल कारोबारी माहौल बनाए रखने और उनकी वर्तमान लाभप्रदता की परवाह किए बिना, उनके लाभ के लिए निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को संभावित रूप से प्रभावित करने में सक्षम बनाता है।

प्रारंभिक विश्लेषण भी चुनावी बांड की शुरूआत को प्रतिगामी उपाय ही बताते हैं क्योंकि यह चुनावी फंडिंग की पारदर्शिता को मूलभूत रूप से बदल देता है। बांड के खरीदार और प्राप्तकर्ता की पहचान को नागरिकों और समाज से छिपाकर सत्तारूढ़ पार्टी क्या अनुचित लाभ दे रही है या नहीं, यह ज्ञात नहीं हो पाता।

यह स्थिति एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठाती है: इस प्रकार का चंदा की प्रक्रिया लोकतंत्र से कैसे समझौता करती है? यह प्रक्रियादलों के मध्य असमानता बढ़ाती है और समान प्रतिनिधित्व के सिद्धांत को कमजोर करके लोकतंत्र से समझौता करती है। जब कॉर्पोरेट घराने सत्ता में मौजूद किसी राजनीतिक दल को अनुपातहीन रूप से बड़ी धनराशि मुहैया कराते हैं, तो इससे सत्ता और प्रभावित केवल कुछ राजनीतिक संस्थाओं के हाथों में केंद्रित हो जाती है निरंतर केन्द्रित रह सकती है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को विकृत कर सकता है, क्योंकि नीतियां और निर्णय जनता के व्यापक हितों के बजाय इन निगमों के हितों से प्रभावित हो सकते हैं। यह एक ऐसी सरकार की धारणा को ख़त्म कर सकता है जो लोगों के हितों की सेवा करती है। इसके बजाय वित्तीय समर्थन वाले लोगों के एजेंडे को प्राथमिकता मिलाने लगती है। ऐसी स्थिति समस्त नागरिकों के लिए निष्पक्ष और समान प्रतिनिधित्व के लोकतांत्रिक आदर्श को कमज़ोर करता है।

हालाँकि चुनावी बांड पर बहुत अधिक शोध नहीं हुआ है, लेकिन कुछ शोधपत्रों ने कंपनी के मूल्य और परिचालन प्रदर्शन पर भारतीय उद्यमों की राजनीतिक निकटता और नकदी-धारण व्यवहार के प्रभाव का पता लगाया है। उदाहरण के लिए 2009 और 2019 के बीच भारत में तीन आम चुनावों के दौरान सूचीबद्ध भारतीय कंपनियों के लिए राजनीतिक दान और राजनीतिक संबंधों के एक बड़े डेटाबेस के विश्लेषण से पता चला कि राजनीतिक रूप से जुड़ी कंपनियों ने कम जुड़े या नहीं जुड़े समकक्षों से बेहतर प्रदर्शन किया। इसके अलावा, राजनीतिक रसूख और उच्च नकदी शेष वाली भारतीय कंपनियों का अंतत: प्रीमियम पर मूल्यांकन होता पाया गया है। विभिन्न कारकों को ध्यान में रखने के बाद किये गए सांख्यिकीय विश्लेषण में भीये निष्कर्ष स्थिर, मजबूत और विश्वसनीय बने रहते हैं। जैसा कि अब सर्वविदित है, वित्त विधेयक 2017 में संशोधन ने चुनावी बांड का विधान प्रस्तुत किया था।इन प्रावधान ने बड़े दान के माध्यम से बड़े उद्योग-धंधों और सरकारों के बीच संबंधों को बढ़ाया है (देखें के. गांगुली इत्यादि, इमर्जिंगमार्केट्स फाइनेंस एंड ट्रेड, 59(10): 3241-3265, 2023).

एक अन्य अध्ययन से पता चलताहै कि चुनावी बांड वस्तुत: कॉर्पोरेट घरानों के लिए अपने राजनीतिक चंदे को छुपाना आसान बनाते हैं, क्योंकि वे यह नहीं बताते कि चंदा किस राजनीतिक दल के लिए है। कंपनियां नई चुनावी बांड योजना की ओर आकर्षित हो रही हैं, जो इस शोध के निष्कर्षों के अनुसार मनीलॉन्ड्रिंग की आशंका को बढ़ा देती है। हालाँकि मामला अब अदालत में है, तथापि पूर्व में त्वरित निर्णय देने की विफलता के कारण यह प्रश्न तो उठता है कि क्या न्यायपालिका ने संविधान के अंतिम मध्यस्थ और रक्षक के रूप में अपनी ज़िम्मेदारी से खुद को मुक्त कर लिया था? खैर, जो भी हो, शोध यह सिद्ध करती है कि चुनावी बांड के माध्यम से सत्तारूढ़ दल को अनुचित लाभ मिलता है। गोपनीयता और गुमनाम लेनदेन लोकतंत्र में जवाबदेही को कमजोर करते हैं और इस प्रकार, चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता को भी दुर्बल करती है। संक्षेप में, इलेक्टोरल बांड के प्रावधान ने देश में लोकतंत्र की स्थिति को और कमज़ोर किया है, क्योंकि इस व्यवस्था में यह तथ्य स्पष्ट नहीं हो पाता कि ऐसे चंदे के परिणामस्वरूप जो कॉर्पोरेट घरानों द्वारा मतदाताओं को अंधेरे में रखकर पार्टी फण्ड में दिया गया है, के कारण चंदा-प्राप्त सत्तारूढ़ दल द्वाराउन कॉर्पोरेट घरानों को किस प्रकार की नीति बनाकर या देश के कौन से संसाधनों तक कॉर्पोरेट की पहुँच सुनिश्चित कर समर्थन प्रदान किया गया है (देखें, डी. आनंद, जर्नल ऑफ लिबर्टी एंड इंटरनेशनल अफेयर्स 9(1):89-100, 2023)।

प्रारंभिक विश्लेषण भी चुनावी बांड की शुरूआत को प्रतिगामी उपाय ही बताते हैं क्योंकि यह चुनावी फंडिंग की पारदर्शिता को मूलभूत रूप से बदल देता है। बांड के खरीदार और प्राप्तकर्ता की पहचान को नागरिकों और समाज से छिपाकर सत्तारूढ़ पार्टी क्या अनुचित लाभ दे रही है या नहीं, यह ज्ञात नहीं हो पाता। शोध में यह भी चिंता प्रकट की गई है की यह व्यवस्था चुनाव आयोग की निरीक्षण और नियंत्रण की भूमिका भी कमजोर करती है (के.के. जसवाल, इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 54(21):32-36, 2019)। इससे भी आगे, ठोस एम्पीरिकल शोध भी यह स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करती है कि सत्तारूढ दल चुनावी अभियान में ऐसे धन का अभूतपूर्व स्तर परव्यय करने में सक्षम पाया गया जो कि फंडिंग की अपारदर्शिता के माध्यम से उनके पास आया था जो चुनावी बांड के माध्यम से लोगों के लिए जान सकने की क्षमता से बाहर कर दिया गया था (देखें, जी. वर्नियर्स, सी. जाफ़रलॉट, कंटेम्परेरीसाउथ एशिया, 28(2): 155-177, 2020)।

चुनावी बांड का खुलासा न करना वर्तमान में न्यायिक चुनौतियों का विषय रहा है, और अब तक यह मुद्दा अनसुलझा बना हुआ है। लोकतांत्रिक राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता का महत्व यह स्पष्ट करता है कि गैरकानूनी गतिविधियों को छुपाना ही औचित्य नहीं बन जाना चाहिए। स्वतंत्र और पारदर्शी चुनावों की गारंटी में निजता के अधिकार और व्यापक जनहित के बीच संतुलन बनाने के महत्व से इनकार नहीं किया जा सकता है।

अब अंतिम प्रश्न आता है। हम देश के लोकतंत्र को बचाते हुए चुनावी बांड के माध्यम से कॉर्पोरेट फंडिंग कैसे जारी रख सकते हैं? कॉर्पोरेट फंडिंग और लोकतंत्र की सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने के लिए पारदर्शिता हेतु मजबूत उपाय करना महत्वपूर्ण है। चुनावी बांड से जुड़ी समस्त जानकारी का पूर्ण और स्पष्ट प्रकटीकरण आवश्यक होने से लागू करना चाहिए; जानकारी तक रियल-टाइम में सार्वजनिक पहुंच सुनिश्चित करना और चुनावी प्रचार अभियान के समय खर्च व वित्तीय नियमों को मजबूत करना आदि जवाबदेही बनाए रखने और अनुचित प्रभाव को रोकने में सहायक हो सकता है। इसके अतिरिक्त, जमीनी स्तर पर भागीदारी को बढ़ावा देना, छोटे दानदाताओं को प्रोत्साहित करना और राजनीतिक परिदृश्य की विविधता को बढ़ावा देना लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को अक्षुण्ण रखते हुए कॉर्पोरेट फंडिंग से जुड़े संभावित जोखिमों को कम करने में मदद कर सकता है।

संक्षेप में, भारत में चुनावी बांड कहां से आते हैं और किसे दिए जाते हैं, इसे सार्वजनिक करने के नैतिक और कानूनी प्रभावों पर अलग-अलग राय मौजूद हैं। हालाँकि, लोकतांत्रिक समाज के लिए चुनावी प्रक्रिया की अखंडता की रक्षा में खुलेपन, जिम्मेदारी और जनता के हित के सिद्धांतों को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इस प्रकार, लोकतंत्र के सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत सिद्धांतों की कसौटी पर परखा गया यह निष्कर्ष भारत में चुनावी बांड के बारे में प्रत्येक नागरिक के जानने के अधिकार के पक्ष में है। अत: इलेक्टोरल बांड के बारे में पूर्ण और निर्बाध पारदर्शिता लाना अनिवार्य तथा लोकतंत्र के हित में है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)

परीक्षा में नकल-रोचक संस्मरण

अशोक कुमार

हर परीक्षा केन्द्र के बाहर बड़े बड़े व मोटे मोटे अक्षरों में छपे हुए इश्तहार लगाये जाते हैं जिन पर लिखा होता है– परीक्षा में नकल करना पाप व एक सामाजिक बुराई है! लेकिन 'रघुपति रीत सदा चली आई..' की भान्ति नकल की रीत भी बरसों से चली आ रही है। यह न रूकी है और न इसके रूकने की कोई संभावना है।

बिहार में नकल की चर्चा तो लंबे समय से होती रही है। लेकिन क्या आपको पता है कि एग्जाम में नकल का क्या इतिहास है? ये कब और कहां शुरू हुई। बच्चों के लिए एग्जाम की शुरुआत कब हुई?

परीक्षा प्रणाली की दुनिया में शुरुआत सन् 605 में चीन के सुई साम्राज्य में हुई। चीन के क्विंग साम्राज्य ने सन् 1300 में इसे खत्म कर दिया। बाद में फिर इसे लागू किया गया।

– ब्रिटेन में महारानी की सिविल सेवा के अधिकारियों की परीक्षा के जरिए चयन की शुरुआत 1806 में हुई।

नकल से संबंधित एक बहुत ही रोचक घटना मेरे साथ कानपुर में घटी! यह बात 2012 के वर्ष की है! मैं उस समय छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में कुलपति था! वार्षिक परीक्षा विभिन्न केंद्रों पर आयोजित थी और परीक्षा नकल विहीन हो इसके लिए विश्वविद्यालय ने विभिन्न समितियों, उडान दस्तों का गठन किया था! एक दिन प्रात: काल की परीक्षा में मुझे एक परीक्षा केंद्र से एक उडन दस्ते के अध्यक्ष का टेलीफोन आया और उन्होंने मुझे बताया एक केंद्र में सामूहिक नकल हो रही है और उन्होंने छात्रों को नकल करते हुए पकड लिया है इस कारण से केंद्राध्यक्ष ने उन को धमकी दे दी है कि अब वह केंद्र के बाहर नहीं जा सकते और उनसे यह आग्रह कर रहे हैं कि इस घटना की कोई भी सूचना विश्वविद्यालय प्रशासन को न दी जाए! मुझे बहुत ही अफसोस लगा, दुख हुआ, आश्चर्य भी हुआ! मैंने तुरंत उडन दस्ते के अध्यक्ष महोदय को टेलीफोन पर कहा कि आप वही रहिए चिंता मत करिए मैं स्वयं उस केंद्र का निरीक्षण करने आ रहा हूं इतना कहकर मैं उस केंद्र पर यथा समय पहुंच गया! वहां पर मैंने स्वयं देखा कि छात्र बडे खुले दिल से नकल कर रहे थे! मैंने तुरंत केंद्राध्यक्ष को परीक्षा रोकने को कहा और उसके बाद मैंने उनसे और छात्रों से एक घोषणा करी कि कल से इस केंद्र पर कोई भी परीक्षा नहीं कराई जाएगी और आप सबको आज शाम तक एक नया केंद्र भी घोषित कर दिया जाएगा! यह कहकर मैं उडन दस्ते के सदस्यों के साथ कानपुर विश्वविद्यालय वापस आ गया! शाम का समय होगा एक बहुत ही रसूखदार व्यक्ति ने मेरे कमरे में प्रवेश किया और प्रवेश करने के साथ ही साथ उन्होंने यह कहना भी शुरू कर दिया कि कुलपति जी आपने मेरे केंद्र में कैसे प्रवेश किया, आपने कैसे कह दिया कि कल से मेरे विद्यालय के केंद्र में कोई परीक्षा नहीं होगी आप नहीं जानते मैं तत्कालीन मुख्यमंत्री जी का बहुत ही घनिष्ट मित्र हूँ! उन्होने कहा :–

मेरी तत्कालीन मुख्यमंत्री जी से दूरभाष से बात हो गई है और मैंने आपकी शिकायत उनसे कर दी है उन्होंने मुझसे स्वयं कहा है कि मैं कुलपति जी के पास जाऊं और उनको पूरी बात से अवगत करा दूँ और यदि वह ना माने तो उन्होंने मुझे आश्वासन दिया है कि वह आप के खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे! मैंने उनकी तरफ देखा, मैं मुस्कुराया और मैंने उनसे कहा कि मुझे मालूम है कि आप के तत्कालीन मुख्यमंत्री जी से बहुत घनिष्ट संबंध है इसीलिए मैंने स्वयं परीक्षा केंद्र से वापस आने के बाद माननीय मुख्यमंत्री जी से दूरभाष पर बात करी और उनको पूरी बात की जानकारी दी! उन्होंने मुझको यह निर्देश दिया है कि मैं कुलपति के नाते पूरी ईमानदारी से और नियमानुसार कार्य करूं और जिस किसी भी केंद्र पर नकल पाई जाए उस केंद्र को तुरंत परीक्षा केंद्र से वंचित कर दिया जाए! मेरे इतना कहने के बाद वह सज्जन बहुत मधुर भाषा में मुझसे बोलने लगे :– अच्छा आपकी भाई साहब से बात हो गई है, बडी अच्छी बात है, मेरा आपसे निवेदन है कि मेरे केंद्र के बारे में पुन: विचार करें और छात्रों का हित का अवश्य ध्यान दें! मैंने उनसे कहा कि देखिए कल तो उन छात्रों की परीक्षा उस केंद्र पर नहीं हो सकती लेकिन आप यदि मुझे लिखित रूप से आश्वासन दें कि आपके परीक्षा केंद्र में कोई भी नकल नहीं होगी और यदि हुई तो उस परीक्षा केंद्र को ही ना वंचित कर दिया जाए बल्कि आपके महाविद्यालय की संबद्धता भी विश्वविद्यालय रद्द कर देगा! यदि आश्वासन लिखित रूप से आपके पास से मिल जाएगा तो आप के केंद्र में पुन: परीक्षा प्रारंभ कर दी जाएगी !उन सज्जन ने बहुत मुझे धन्यवाद दिया और वह मेरे कक्ष से बाहर चले गए! इस पूरे प्रकरण की वास्तविकता यह है जो मैं जानता हूं, जो मैं समझता हूं :– ना तो उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री से कोई दूरभाष से बात करी थी और मैंने भी माननीय मुख्यमंत्री जी से कोई दूरभाष से बात नहीं करी थी! वास्तव में मेरे पास माननीय मुख्यमंत्री जी का कोई व्यक्तिगत दूरभाष का नंबर भी नहीं था!

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर विश्वविद्यालय व गोरखपुर विश्वविद्यालय (उत्तरप्रदेश)

कवि नंद चतुर्वेदी की जन्म शताब्दी पर विख्यात लघु पत्रिका "साम्य" का लोकार्पण

- **नंद बाबू केवल कवि ही नहीं कविता के सक्रिय कार्यकर्ता भी थे : ओम निश्चल**
- **विस्मृति के इस दौर में साम्य का यह अंक सचमुच उत्साहवर्धक घटना है : अजय कुमार**

नई दिल्ली। नंद चतुर्वेदी बड़े अंत:करण वाले मनुष्य और कवि थे। वे उन कवियों में से थे जो सबको साथ लेकर चले। अच्छा है कि अब हिंदी कविता आलोचना की दृष्टि बदली है और हमारी भाषा के बड़े कवि के रूप में उनकी प्रतिष्ठा हो रही है। सुपरिचित आलोचक ओम निश्चल ने कवि नंद चतुर्वेदी की जन्म शताब्दी के अवसर पर विख्यात लघु पत्रिका साम्य का लोकार्पण करते हुए कहा कि नंद बाबू केवल कवि ही नहीं कविता के सक्रिय कार्यकर्ता भी थे।

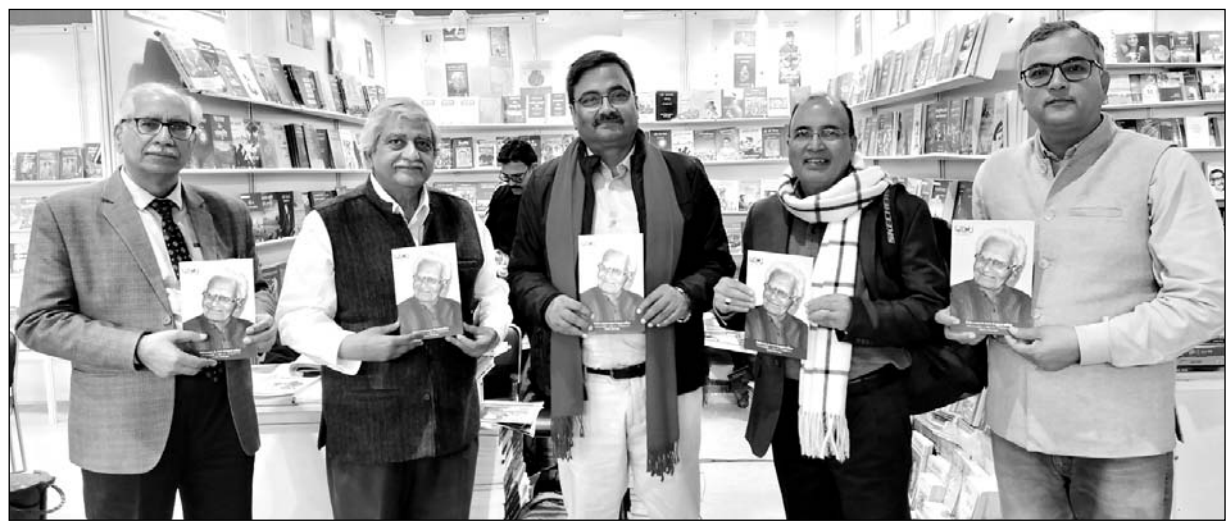

नई दिल्ली में विश्व पुस्तक मेले में लघु पत्रिका साम्य का लोकार्पण हुआ। इस दौरान सुपरिचित आलोचक ओम निश्चल, प्रो. हितेंद्र पटेल, माधव हाड़ा, अतुल कुमार आदि मौजूद रहे।

विश्व पुस्तक मेले में गार्गी प्रकाशन के स्टाल पर आयोजित लोकार्पण में निश्चल ने कहा कि अपने सादगी भरे शिल्प में भी नंद बाबू ने हमारी विडम्बनाओं को देखा-परखा। उद्भावना के सम्पादक अजय कुमार ने कहा कि विस्मृति के इस दौर में साम्य का यह अंक सचमुच उत्साहवर्धक घटना है। उन्होंने हाल में आए उद्भावना के अंक में प्रकाशित नंद चतुर्वेदी की कविताओं का जिक्र भी किया।

जाने माने आलोचक प्रो. हितेंद्र पटेल ने नंद चतुर्वेदी की कविताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बाज़ार का दौर है और इस दौर में हमें अपनी स्मृतियों को बचाए रखने की चुनौती है। साम्य के इस विशेषांक का प्रकाशन बाज़ारवादी समय में कविता और संस्कृति का प्रतिकार है।

उदयपुर से आए आलोचक माधव हाड़ा ने कहा कि मैं नंद बाबू का स्नेहभाजन रहा हूँ और उन्हें याद करना मेरे लिए प्रीतिकर अनुभव है। हाड़ा ने कहा कि नॉस्टेल्जिया का जैसा रचनात्मक उपयोग नंद बाबू ने अपनी कविताओं में किया है वैसा हिंदी के किसी दूसरे समकालीन कवि के यहाँ नहीं मिलता। उनकी कविता के कई आयाम है और वे हर बार अपना मुहावरा तोड़कर नया स्वर बनाते हैं। नंद बाबू की कविता शरीर को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि देह के लिए जैसा राग और स्वीकृति नंद बाबू के मन में है वह भी कम कवियों में देखने को मिलता है।

गार्गी प्रकाशन के अतुल कुमार ने बताया कि ख़राब स्वास्थ्य के बावजूद साम्य के कंजकों का प्रकाशन सम्पादक विजय गुप्त की निष्ठा और समर्पण को दर्शाता है। संयोजन कर रहे युवा आलोचक पल्लव ने नंद चतुर्वेदी के गद्य लेखन को भी महत्त्वपूर्ण बताते हुए कहा कि पिछली सदी के अनेक भुला दिए दिए लोग नंद बाबू की गद्य कृतियों में सुरक्षित हैं।

नापासर स्टेट हाइवे 20बी के लिए सड़क निर्माण के दौरान सैकड़ों पेड़ कटेंगे

पेड़ों को काटने का नापासर कस्बावासी विरोध कर रहे हैं, कई विकल्प भी सुझाए

- **हाइवे के बीकानेर से जसरासर के बीच ही करीब 300 पेड़ काटे जाने हैं**
- **'सड़क प्रोजेक्ट में बीकानेर से जसरासर तक करीब 275 पेड़ काटने की संभावना है'**

बीकानेर, (निसं)। यहां नापासर स्टेट हाइवे 20बी के लिए सड़क निर्माण के दौरान सैकड़ों पेड़ों की बली ली जाएगी। हाइवे के बीकानेर से जसरासर के बीच ही करीब 300 पेड़ काटे जाने हैं। इनमें नीम के वह पेड़ भी चपेट में आ रहे हैं, जो लोगों को हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के प्रेरणास्त्रोत्र रहे हैं। पेड़ों को काटने का नापासर कस्बावासी जबरदस्त विरोध कर रहे हैं। उन्होंने पेड़ों को बिना काटे सड़क निर्माण के विकल्प भी सुझाए हैं। हालांकि, उन्हें इस बात की निराशा है कि संबंधित अधिकारी और विभाग उनकी बात सुन नहीं रहे हैं। स्टेट हाइवे के लिए नापासर रेलवे फाटक से चुंगी चौकी तक सड़क निर्माण के लिए राजीव गांधी स्टेडियम की दीवार के पास खड़े नीम के बड़े पेड काटने शुरू कर दिए गए हैं। ठेकेदार ने कुछ पेड़ों पर आरी चलाई, तो खबर तेजी से फैली।

सूचना मिलने पर नापासर के मोहनलाल ओम नारायण लखानी ट्रस्ट के ट्रस्टी कन्हैयालाल लखाणी व कस्बेवासी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पेड़ काटने का विरोध किया। हालांकि, ठेकेदार ने सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के लिए पेड़ों को काटने की अनुमति लेने से संबंधित कागजात भी दिखाए। कस्बावासियों ने अधिकारियों को पेड़ों के इतिहास से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि गाढ़ वाला से नापासर के बीच 25 साल पहले 500 से अधिक नीम के पौधे लखानी ट्रस्ट की ओर से लगाए गए हैं। यह संस्था तीन दशक से पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक भी कर रही है और खुद काम कर रही है। पंक्तिबद्ध लगे नीम के यह हरे-भरे पेड़ राहगीरों को पौधे लगाने के लिए प्रेरित भी कर रहे हैं। इन पेड़ों की छांव और इनका पंक्तिबद्ध खूबसूरत स्वरूप इलाके में हरियाली के लिए लोगों को प्रेरित भी करता है।

लखानी ट्रस्ट के वयोवृद्ध पर्यावरण प्रेमी ओम नारायण लखाणी ने बताया कि ट्रस्ट नापासर में विभिन्न प्रकार के पौधे निशुल्क वितरित भी करती है। जहां तक बात इन नीम के पेड़ों की है, तो इन्हें 25 साल से बच्चों की तरह पाल रहे हैं। बिना कस्बावासी और संस्था से बात किए अचानक पेड़ों पर आरी चलानी शुरू कर दी गई, जो गलत है।

पीडब्ल्यूडी एक्सईएन रघुवीरदान बीठू ने बताया कि सड़क प्रोजेक्ट में बीकानेर से जसरासर तक करीब 275 पेड़ काटने की संभावना है। इन पेड़ों की एवज में विभाग 9250 पौधे इसी सड़क मार्ग पर लगाएगा। बिना कारण एक भी पेड़ नहीं काटा जाएगा।

राशिफल रविवार 18 फरवरी, 2024

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2080, रोहिणी नक्षत्र प्रात: 9:23 तक, वैधृति योग दिन 12:39 तक, कौलव करण प्रात: 8:16 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 9:54 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मकर, बुध-मकर, गुरू-मेष, शुक्र-मकर, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज गुप्त नवरात्रा समाप्त होंगे। आज महानन्दा नवमी, श्री हरि जयन्ती, रोहिणी व्रत, वैधृति पूण्य है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 8:29 से 9:53 तक, लाभ-अमृत 9:53 से 12:41 तक, शुभ 2:05 से 3:28 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 7:05, सूर्यास्त 6:16

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मकर
परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कुंभ
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मित्रों के साथ बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

डबल इंजन सरकार का संकल्प

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

मोदी की गारंटी हो रही साकार

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

"मजबूत विकास परियोजनाएं अर्थव्यवस्था की धुरी हैं। विकसित राजस्थान के निर्माण के लिए गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक बेहतर रोड कनेक्टिविटी स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार संकल्पित है।"

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री राजस्थान

आधुनिक सड़कों के निर्माण से राजस्थान अब प्रगति के पथ पर

जनता की सुगम राह के लिए ₹1500 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान

विकास को दी गति

₹5000 करोड़
की लागत से जयपुर में
92 किमी रिंग रोड का निर्माण

₹2000 करोड़
की लागत से **1000** किमी
स्टेट हाईवे का सुदृढ़ीकरण

₹1000 करोड़
की लागत से पुलों और सड़कों
का उन्नयन

2 लाख 45 हजार किमी से अधिक लम्बाई का सड़क नेटवर्क दे रहा राजस्थान के विकास को गति

आपणो अग्रणी राजस्थान

सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

ई.डी.को मेघराज सिंह के ठिकानों से 37.16 लाख कैश मिला

ई.डी. ने 14 फरवरी को जयपुर, अजमेर व उदयपुर सहित करीब पचास जगह मेघराज एंड कंपनी के ठिकानों पर छापे मारे थे

जयपुर। होटल और बजरी कारोबारी मेघराज सिंह के जयपुर और उदयपुर सहित 50 ठिकानों पर हुए ईडी के सर्च में डिजिटल सबूत, मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क और 37.16 लाख कैश मिला है। हालांकि तीन दिन चली इस कार्रवाई में मेघराज सिंह से ईडी का संपर्क नहीं हो पाया। मेघराज के संभावित ठिकानों पर दबिश दी गई, लेकिन वह नहीं मिला।

ईडी ने बताया 14 तारीख को जयपुर, अजमेर और नागौर में विभिन्न स्थानों पर मेघराज सिंह एंड कंपनी के ठिकानों पर रेड मारी गई थी। राजस्थान पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की गई। इसमें आरोप लगाया गया कि मेघराज सिंह

- **सर्च में डिजिटल सबूत, मोबाइल फोन, हार्ड डिस्क, लैपटॉप और दस्तावेज मिले है।**

कृषि भूमि, श्मशान भूमि और गौचर भूमि पर अवैध खनन में शामिल है। वहीं अवैध स्टॉक बनाए रखने के लिए मेघराज सिंह एंड कंपनी द्वारा कांटे पर हर बार एक ही डंपर या ट्रेलर खड़ा कर फर्जीवाड़ा किया जा रहा है। इसके अलावा बजरी ले जाने वाले ट्रकों व ट्रेलरों से अवैध टोल वसूली में शामिल है। मेघराज सिंह के ठिकानों पर सर्च के दौरान ईडी को 37.16 लाख रुपए नकद और विभिन्न आपत्तिजनक सामान मिला है। डिजिटल सबूत, मोबाइल, लैपटॉप दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

वहीं, ईडी ने एमआरएस ग्रुप के सभी बैंक खाते सील कर दिए हैं। इससे कम्पनी किसी भी प्रकार का ट्रांजैक्शन नहीं कर सकेगी। 200 फीट के पास जयपुर ऑफिस में ईडी को सर्च के दौरान लॉकर से 5 लाख रुपए मिले हैं। वहीं, नागौर से 30 लाख रुपए नगद मिले। अन्य जगह से 2.16 लाख रुपए मिले। दोनों कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों पैसों की जानकारी नहीं होने की बात कही। ईडी ने पैसा सीज कर दिया। कुछ कार्यालय और घरों पर रेड के दौरान खान विभाग से जुड़ी फाइल भी मिली हैं। 24 से अधिक डिजिटल सबूत को भी सीज किया गया है। यह वह इलेक्ट्रॉनिक उपकरण हैं। जिन्हें ईडी की साइबर टीम मौके पर क्रेक नहीं कर पाई। इन उपकरणों पर मुख्यालय में काम किया जाएगा।

ईडी के पास इनपुट हैं कि ग्रुप का बड़ा पैसा विदेश में जमीन पर इन्वेस्ट किया हुआ है। ईडी के सूत्रों की माने तो सोमवार तक टीमें जब्त दस्तावेजों पर काम कर लेगी। इसके बाद ईडी की ओर से मेघराज सिंह और उनके एसोशिएट पार्टनर को मुख्यालय पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है। इस दौरान अगर मेघराज सिंह ईडी मुख्लाय में पेश नहीं हुआ। ईडी एक्शन करने की तैयारी में है।

लवेंद्र सिंह करेंगे प्रतिनिधित्व

जयपुर, (का.प्र.)। जयपुर के लवेन्द्र सिंह शेखावत 1 से 7 मार्च तक रूस में होने वाले वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल 2024 में सम्मिलित होकर भारत व राजस्थान का मान बढ़ाएंगे। रूस सरकार द्वारा सोची में वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल 2024 का आयोजन करने जा रहा है जो कि प्रत्येक 5 वर्ष में एक बार आयोजित होता है, जिसमें 190 देश के चुने हुए युवाओं को सम्मिलित किया जाता है। जहां लवेंद्र सिंह अपने आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक, युवा उद्यम इत्यादिक मुद्दों पर अपने विचार, संस्कृति का आदान-प्रदान करते हैं।

पूर्व में भी वर्ष 2018 से 2019 में भारत सरकार के अंतरराष्ट्रीय यूथ डेलीगेट एवं मॉडल यूनाइटेड नेशन में सम्मिलित होकर बैंकॉक, दुबई, इजिप्ट, इंडोनेशिया इत्यादि में पर्यावरण संरक्षण व बदलती जलवायु परिवर्तन पर अपनी बात रख चुके हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने इस दौरान अधिकारियों के साथ बैठक कर राजस्थान में कोयले की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने और ऊर्जा की आपूर्ति बढ़ाने के लिए संयुक्त उपक्रम के माध्यम से सोलर तथा थर्मल पावर प्लांट विकसित करने पर चर्चा की। आने वाले गर्मी के मौसम में बिजली की मांग में संभावित वृद्धि को देखते हुए आगे भी पर्याप्त कोयला मिलता रहे, इस बारे में आज शनिवार को हुई बैठक में चर्चा की गई।

बाल सुधार गृह का गार्ड और व्यापारी गिरफ्तार

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की सूचना पर ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने बाल सुधार गृह से फरार हुए लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य एक नाबालिग और उसके गिरोह के अन्य सदस्यों को पैसे देकर आर्थिक सहायता एवं बाहर से अन्य

- **एजीटीएफ की सूचना पर ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस की कार्रवाई**
- **आर्थिक सहायता व बाहर से सामान उपलब्ध कराया करते थे दोनों**

सामान उपलब्ध कराने के आरोप में बाल सुधार गृह के एक गार्ड और व्यापारी को गिरफ्तार किया है।

क्राइम ब्रांच एसपी करण शर्मा ने बताया कि 11 फरवरी को जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में स्थित बाल सुधार गृह की जाली तोड़ 22 बाल अपचारी फरार हो गए थे। इनमें एक लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है। वह जयपुर के जवाहर

नगर क्षेत्र के जी-क्लब फायरिंग मामले में भी शामिल था। उसने बाल सुधार गृह में भी अलग से अपना 4-5 बाल अपचारियों का गिरोह बना रखा है।

एसपी शर्मा ने बताया कि एसजीटीएफ को जानकारी मिली कि बाल सुधार गृह का गार्ड व व्यापारी उन्हें पैसे देकर और बाहर से सामान लाकर देते थे। सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशा राम चौधरी के सुपरविजन एवं इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा कमल सिंह एवं कांस्टेबल भूपेंद्र शर्मा व देवेंद्र सिंह की टीम गठित की गई।

टीम ने शनिवार को एसएचओ ट्रांसपोर्ट नगर को सूचना दी। जिस पर उन्होंने टीम के साथ बाल सुधार गृह के बाहर दुकान लगाने वाले आरोपी महेश चन्द जाट निवासी देवली खुर्द मारोठ नागौर एवं गार्ड मनोज मीणा निवासी खानिया बन्धा पुराना घाट गेट चेक पोस्ट ट्रांसपोर्ट नगर को गिरफ्तार कर लिया।

एसपी शर्मा ने बताया कि इस संपूर्ण कार्रवाई में इंस्पेक्टर राम सिंह का कुशल नेतृत्व रहा। हेड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा व कमल डागर की विशेष भूमिका एवं हेड कांस्टेबल रामावतार की तकनीकी भूमिका रही। कांस्टेबल भूपेंद्र शर्मा व देवेंद्र सिंह टीम में शामिल थे। गिरफ्तारी में एसएचओ ट्रांसपोर्ट नगर जुल्फिकार एवं कांस्टेबल धर्मेंद्र व कैलाश शामिल थे।

दो और बाल अपचारी पकड़े

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित बाल सुधार गृह की खिड़की काटकर भागे तेईस बालअपचारियों में से शनिवार को दो बाल अपचारियों को और पकड़ लिया गया है। शुक्रवार को दो और गुरुवार को पुलिस ने तीन बाल अपचारियों को पकड़ा था। अब तक पकड़े गए बाल अपचारियों की संख्या 14 हो चुकी है।

अब लॉरेंस गैंग के शूटर सहित करीब नौ लोग पुलिस की पकड़ से दूर है। ट्रांसपोर्ट नगर थानाधिकारी जुल्फीकार ने बताया कि शनिवार को प्रतापनगर से दो बाल अपचारियों को दबोचा है। इन बाल अपचारियों को पूछताछ के बाद बाल सुधार गृह भिजवा दिया गया है।

नियुक्ति नहीं देने पर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती-2022 में भूतपूर्व सैनिक का चयन होने के बाद भी उसे नियुक्ति नहीं देने और चयन निरस्त करने पर शिक्षा सचिव, प्रारंभिक शिक्षा निदेशक और कर्मचारी चयन बोर्ड से जवाब मांगा है। अदालत ने एक पद याचिकाकर्ता के लिए रिक्त रखने को कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश रामेश्वर जाट की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

इंडसइंड बैंक पर लगाया नौ हजार रुपए का हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-प्रथम ने वाहन लोन चुकता होने के बाद भी उसकी एनओसी जारी नहीं करने को सेवादोष माना है। इसके साथ ही आयोग ने इंडसइंड बैंक पर 9 हजार रुपए हर्जाना लगाते हुए निर्देश दिए हैं कि परिवादी के दोनों ट्रकों की एनओसी जारी की जाए। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि जब परिवादी ने वाहनों का पूरा लोन चुका दिया है तो बैंक को यह अधिकार नहीं है कि वह उसके वाहनों की एनओसी जारी नहीं करे। बैंक का ऐसा करना सेवादोष की श्रेणी में आता है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. सूबे सिंह यादव व सदस्य नीलम शर्मा ने यह आदेश हजारीलाल सैनी के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया की उसने विपक्षी बैंक से वर्ष 2010 में टाटा एलपीटी वाहन के लिए 17.66 लाख रुपए का लोन लिया था। उसने इस वाहन की लोन राशि 30 जून 2014 तक चुका दी और उस पर कोई राशि बकाया नहीं रही। वहीं एक अन्य ट्रक के लिए भी परिवादी ने बैंक से 2009 में 14.65 लाख रुपए का लोन लिया था और उसका भुगतान भी कर दिया दिया। इसके बाद उसका लोन खाता भी 27 सितंबर 2013 को बंद हो गया। इसके बावजूद भी विपक्षी बैंक ने परिवादी के वाहनों की एनओसी जारी नहीं की। इसे उपभोक्ता आयोग में चुनौती देते हुए परिवादी ने दोनों वाहनों की एनओसी जारी करने का आग्रह किया। जिस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने बैंक पर हर्जाना लगाते हुए बैंक को दोनों वाहनों की एनओसी जारी करने के आदेश दिए हैं।

छह लाख के लोन के 11 लाख वसूलने के बाद भी 18 लाख बकाया

जयपुर। महानगर के अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट ने 6 लाख रुपए का लोन देकर 11 लाख रुपए की वसूली करने के बाद 18 लाख रुपए बकाया निकालने और धोखाधड़ी करने के मामले

- **अदालत ने एडलवेस एसेट रिकन्सट्रक्शन कंपनी व उसके कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए**

में एडलवेस एसेट रिकन्सट्रक्शन कंपनी व उसके कर्मचारी के खिलाफ झोटवाड़ा थाना पुलिस को मामला दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने यह आदेश मुन्ना मनीहार के परिवाद पर दिए।

परिवाद में अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि परिवादी ने वर्ष 2006 में जीई मनी फाइनेंस कंपनी से 9.83 फीसदी ब्याज दर से छह लाख रुपए की राशि का होम लोन लिया था। जिसे 156 माह में ब्याज सहित लौटाना था। यह कंपनी अब इडलवेस एसेट कंपनी के स्वामित्व के अधीन आती है। परिवादी ने अब तक कुल दी जाने वाली 14.17 लाख रुपए में से 11 लाख रुपए से अधिक का भुगतान कर दिया है। इसके बावजूद भी कंपनी के कर्मचारी 18 लाख रुपए और बकाया बताकर उसे जमा कराने के लिए प्रताड़ित कर रहे हैं। कंपनी के कर्मचारियों ने दस्तावेजों में हेराफेरी कर किस्त की अवधि को बढ़ाकर 270 माह कर दिया।

राजस्थान पर्यटकों की पहली पसंद है और प्रत्येक पर्यटक हमारा अतिथि है : गायत्री राठौड़

जयपुर, (का.सं.)। प्रमुख शासन सचिव,पर्यटन गायत्री राठौड़ का कहना है कि पर्यटन का सिरमौर राजस्थान पर्यटकों की पहली पसंद है। यहां आने वाला प्रत्येक पर्यटक हमारा अतिथि है।

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की मंशा अनुसार हमारा प्रयास है कि राज्य में आने वाला प्रत्येक पर्यटक यहां यादगार पल बिताकर जाए। इसी भावना के अनुरूप प्रदेश में पर्यटकों व विशेषकर महिला पर्यटकों के साथ सम्मानजनक व संवेदनशील व्यवहार करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया है। जागरूकता अभियान शुक्रवार को भी जारी रहा जिसमें जयपुर समेत जोधपुर, जैसलमेर, उदयपुर, बीकानेर, अजमेर,

- **आमेर में लपकागिरी करते पाए जाने पर हुई कार्यवाही, दो लाइसेंस जब्त किये**

भरतपुर सहित प्रमुख जिलों के पर्यटन स्थलों पर दुकानदारों, पर्यटक गाइड्स और आमजन को पर्यटकों से संवेदनशील व्यवहार करने का संदेश दिया गया।

राठौड़ ने बताया कि अभियान के दौरान पर्यटकों को फीडबैक फॉर्म देकर उनकी समस्याओं को जानकर उसे पर कार्यवाही भी की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह फीडबैक फॉर्म ऑफलाइन होने के साथ ही ऑनलाइन भी है। इस फीडबैक फॉर्म में एक क्यूआर कोड है जिसे स्कैन करने पर एक गूगल फॉर्म खुलेगा, जिस पर पर्यटक अपनी शिकायतों के साथ साथ सुझाव दे सकते हैं। पर्यटकों द्वारा इस फीडबैक फॉर्म के जरिए पर्यटन स्थलों पर उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता का फीडबैक भी दिया जा सकता है। निदेशक पर्यटन विभाग डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को उपनिदेशक पर्यटन सहायता बल नारायण कुमार बाजिया के नेतृत्व में आमेर में लपकागिरी करते हुए महबूब खान नाम के एक व्यक्ति को पड़कर कार्यवाही के लिए आमेर पुलिस थाने को सुपुर्द किया गया है। उन्होंने बताया कि आमेर किला मार्च पर पर्यटक गाइड को चेक करने पर पर्यटक गाइड रतनलाल सैनी के पर्यटक गाइड सम्बंधी लाइसेंस की अवधि मार्च 2023 में समाप्त होना पाया गया। इसके साथ ही उसे अवैध रूप से पर्यटक गाइड का काम करते हुए पकड़ा गया, जिसे कार्यवाही के लिए आमेर पुलिस थाने को सुपुर्द किया गया। आमेर गांधी चौक पर पर्यटक गाइड चरणलाल बुनकर और अभिषेक सिंह शेखावत को आम सड़क पर पर्यटक वाहनों को रुकवाने तथा जबरदस्ती पर्यटक गाइड करते पाए जाने पर दोनों गाइड के लाइसेंस जब्त किए गए। इसी प्रकार जल महल पर दो नाबालिग बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाना चाह रहे थे, उनको उपनिदेशक पर्यटन सहायता बल की ओर से समझाया गया तथा बिना अनुमति के ड्रोन ना उड़ाने के लिए पाबंद किया।

यमुना जल समझौते पर आभार जताया

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने राजस्थान और हरियाणा के मध्य यमुना जल को लेकर हुए समझौते के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर का आभार जताया है। जोशी ने कहा कि प्रदेश में भाजपा की डबल इंजन सरकार मोदी गारंटी के साथ जनहित में अनेक ऐतिहासिक निर्णय ले रही है। पूर्ववर्ती सरकार द्वारा ध्यान नही दिए जाने के कारण यह योजना इतने लम्बे समय तक लंबित रही। अब केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत की अध्यक्षता में हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल की बैठक में समझौता होने के बाद हरियाणा बरसात के दिनों में यमुना का अतिरिक्त पानी राजस्थान को देगा।

नम्बर मिलाइए
9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भाजपा राष्ट्रीय परिषद की बैठक को प्रधानमंत्री आज संबोधित करेंगे : राजीव प्रताप रूडी

जयपुर/नई दिल्ली, (का.सं.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद की बैठक शनिवार से राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में आरंभ हो गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पार्टी के चुनावी अभियान की व्यापक रूपरेखा पेश करेंगे। बैठक में सारण के सांसद सह भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव प्रताप रुडी, जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह, जिला सह प्रभारी, विस्तारक दिलीप कुमार के साथ अन्य पार्टी पदाधिकारी भी शामिल हुए।

राष्ट्रीय परिषद की इस बैठक में केंद्रीय मंत्री, पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री, राज्यों के मंत्री, राष्ट्रीय और राज्य में पार्टी के पदाधिकारी समेत सांसद और विधायकों सहित लगभग 12000 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस संदर्भ में सांसद रुडी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए 370 और उसकी अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के लिए 400 से ज्यादा सीट पर जीत की बात कही है। इस बैठक में इस बैठक में पार्टी कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री लिए प्रेरित करेंगे और साथ ही इसकी रुपरेखा भी प्रस्तुत की जायेगी।

भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय राष्ट्रीय परिषद की बैठक शनिवार से राजधानी दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में शुरू हुई। बैठक में सारण के सांसद सह भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव प्रताप रुडी, जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह, जिला सह प्रभारी, विस्तारक दिलीप कुमार के साथ अन्य पार्टी पदाधिकारी भी शामिल हुए।

उन्होंने बताया कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करेंगे और अगले दिन प्रधानमंत्री मोदी रविवार को समापन सत्र को संबोधित करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार से आरंभ होने वाली भाजपा की राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लेने भारत मंडपम पहुंचे जहां पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। रुडी ने बताया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल पहुंचते ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'मोदी-मोदी' के नारे लगाए। प्रधानमंत्री ने उनका अभिवादन किया और फिर विकसित भारत की अवधारणा पर आधारित विकसित भारत प्रदर्शनी का निरीक्षण भी किया। मालूम हो कि प्रतिनिधियों के लिए बैठक स्थल पर लगाई गई प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री मोदी के भारत को विकसित देश बनाने के दृष्टिकोण और उनकी सरकार द्वारा लोगों के कल्याण और देश की प्रगति के लिए किए गए कार्यों को दर्शाया गया है।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती रुकमणी देवी पत्नी श्री जयपाल सिंह, निवासी ई-111, स्वर्णकार कॉलोनी, नेहरू नगर, जयपुर ने कांति देवी उर्फ कांतीपाल पुत्री लक्ष्मीनारायण पत्नी मुन्नालाल निवासी-बी-1-ए, संजय कॉलोनी आर.पी.ए. रोड, जयपुर से उनके मालिकाना हक व स्वामित्व का आवासीय प्लाट बी-1-ए, संजय कॉलोनी, आर.पी.ए. रोड, पानीपेच, जयपुर कुल क्षेत्रफल 121.5 वर्गगज को जरिये इकरारनामा खरीद किया है। जिस किसी को भी कोई उज्र व आपत्ति हो तो वह मय दस्तावेजात् 07 दिवस में मेरे कार्यालय में आकर मुझसे सम्पर्क करें।
जयपुर (डॉ.भवानी सिंह बराला) एडवोकेट
दिनांक: 17-02-2024 मो.नं.-9950259659

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य परमानन्द मिश्रा पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण मिश्रा निवासी प्लॉट नंबर 13-ए, लक्ष्मीनगर, निवारू रोड, झोटवाडा, जयपुर ने अपने पुत्र सुरेन्द्र मिश्रा एवं पुत्रवधु नेहा को अपनी सम्पूर्ण चल अचल सम्पत्ति व स्व-अर्जित सम्पत्ति एवम् अपने अन्य वारिसों द्वारा अर्जित सम्पत्ति से बेदखल करते हैं, उक्त दोनों मेरे अभिभाष्य की कोई सेवा सुश्रुषा नही करते न इनके कहे अनुसार चलते हैं, जिसके चलते मेरे अभिभाष्य ने इन दोनों से सम्पूर्ण सामाजिक नातेदारी समाप्त कर दी है व आज के बाद इन दोनों से कोई भी व्यक्ति संबंध सरोकार रखेगा या कोई संव्यवहार करेगा तो उसके लिए मेरा अभिभाष्य जिम्मेदार नहीं होगा। सूचित रहें।
(सुरेश मिश्रा) एडवोकेट, मो.9887278175

नाम परिवर्तन

मैने मेरा नाम एस स्वामी से बदलकर श्रीनिवासन स्वामी रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। बी 1/301 तृतीय फ्लोर, जीवन आश्रय बिल्डिंग, सैक्टर 2, विद्याधर नगर, जयपुर 402039

I have changed my name from Sharfaraz Jahan to Sarfaraz Jahan in future 3810 Mohalla Chabuk Sawaran Jaipur

I have changed my name fromSyeda Samina Khatoon to Samina Naqvi in future 38 Shanti Marg Near Health Line Adarsh Nagar Jaipur

खोया पाया

मेरे भूखण्ड संख्या ए-29ए, निर्मोही सिटी, केशुपुरा, अजमेर रोड़, जयपुर जो कि 88.76 वर्गगज का है जिसके असल दस्तावेज आवंटन पत्र, रसीद, साईट प्लान एवं रजिस्टर्ड विक्रय पत्र कहीं गुम हो गये है मिलने पर सूचित करें- राजेन्द्र शर्मा- 7742633199

निजि खातेदारी की योजना श्रीराम एनक्लेव E-ब्लॉक P.No.-E-75 की मुख्त्यारनामा आम दिलीप कुमार गोयल ने दिनांक 5.12.2011 को श्री हरदीप सिंह को मुख्त्यारनामा आम नियुक्त किया गया था जो कि कहीं गुम हो गयी है। मिलने पर सूचित करें। 9602114999

I have lost Revised Allotment Letter No. 2623 Date 24.6.2015 of CC-49, Gole Market, Jawahar Nagar, Jaipur. If Found Please Contact:- Himanshu Bhatia 9929606010

I have lost Revised Allotment Letter No. 8568 Date 11.3.2015 of CC-47, Gole Market, Jawahar Nagar, Jaipur. If Found Please Contact:- Himanshu Bhatia 9929606010

I have lost Revised Allotment Letter No. 8570 Date 11.3.2015 of CC-45, Gole Market, Jawahar Nagar, Jaipur. If Found Please Contact:- Himanshu Bhatia 9929606010

सम्मन बनाम कायम मुकाम
(आर्डर 22 रूल 4 जाब्ता दीवानी)
अज अदालत ADJ-1 मुकाम हिण्डौन सिटी
ब्रजमोहन बाबत राधेश्याम
दावा बाबत केंसलेशन और वसीयत आदि
मुकद्दमा नम्बर 29/12 सन्

बनाम्
मुसम्म विजेन्द्र वल्द राधेश्याम कौम जांगिड ब्राह्मण साकिन अलवर परगना राजस्थान
चूंकि ब्रजमोहन आदि ने इस अदालत में तारीख... माह...सन्... को 1. ब्रजमोहन आदि बनाम 2. राधेश्याम वगै. दायर की जो कि बाद में फोत हो गया। और चूंकि..... मजकूर के दरख्वास्त अदालत हाजा में यह जाहिर करने की आप मुतवफ्फी राधेश्याम मजकूर के कायम मुकाम जायज हो और इस्तदुआ की है बजाय उसके आप 3. प्रतिवादी सं.1/5 बनाये जावें।
लिहाजा बजरिये हाजा बगर्ज जवाब देही 1...... 26 माह 02 सन् 2024 को अदालत हाजा में हाजिर होने के लिये तलब किया जाता है और तारीख मुकर्रर पर आपके हाजिर न होने पर मुकद्मा आपकी गैर हाजरी में सुना व फैसल किया जावेगा।
बसब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के आज तारीख 17 माह 02 सन् 2024 को जारी किया गया।
आज्ञा से-सीनियर रीडर
मोहर अदालत अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
सं.-1, हिण्डौन सिटी

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना (सर्वे एवं निर्माण)
भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी और से उप मुख्य अभियन्ता निर्माण, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित इलेक्ट्रोनिक फॉर्मेट पर ऑन लाइन खुली ई - निविदा (दो पैकेट प्रणाली) आमंत्रित करते है। **1. निविदा सूचना संख्या :** उपरे-एससी-बीकेएन-18-2023-24 **2. कार्य का नाम स्थान सहित :** मनहेरु - बवानी खेड़ा एवं भिवानी-डोभ बहाली दोहरीकरण परियोजना के संबंध में बवानी खेड़ा से मनहेरु खंड पर किलोमीटर 69.680 (शामिल) से किलोमीटर 101.800 (शामिल) और रोहतक - भिवानी खंड पर किलोमीटर 45.200 से किलोमीटर 49.00 (मनहेरु, भिवानी और बवानी खेड़ा शामिल) खंड पर ब्रॉड गेज मैन लाईन, लूप लाईन, यार्डों में पॉइंट और क्रोसिंग शामिल को डालना तथा जोड़ना, गिट्टी को फैलाना, ट्रैक की टेम्पिंग, पी वे सामग्री का परिवहन और अन्य सहायक सहायक कार्य करना । **3. कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 13,73,80,389.66 **4. जमा की जाने वाली बिड सिक्योरिटी (धरोहर राशि) :** 8,36,900.00 **5 निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की दिनांक** :14.03.2024 को 15.00 बजे तक **6 वेबसाईट का विवरण, जहां पर ई- निविदा देखी व मरी जा सकती हैं** |: www.ireps.gov.in **7. कार्यालय ई-मेल का पता:** dycec@bkn.railnet.gov.in **नोट :- 1.** कोई भी निविदा व्यक्तिगत रूप में स्वीकार नहीं की जाएगी | **2.** बिड सिक्योरिटी (धरोहर राशि) का भुगतान नकद ई पेमेंट गेट वे द्वारा अथवा भारत स्थित किसी Scheduled commercial bank द्वारा जारी बैंक गारंटी बॉन्ड अथवा निविदा दस्तावेज में उल्लेखित अनुसार किया जाना चाहिए। बैंक गारंटी बॉन्ड वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी निर्माण उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के पक्ष में ही जारी किया जाना चाहिए अन्यथा निविदा मान्य नहीं होगी।
218-DG/24
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना (सर्वे एवं निर्माण)
भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी और से उप मुख्य अभियन्ता निर्माण, उत्तर पश्चिम रेल्वे बीकानेर इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए निर्धारित इलेक्ट्रोनिक फॉर्मेट पर ऑन लाइन खुली ई - निविदा (दो पैकेट प्रणाली) आमंत्रित करते है। **1. निविदा सूचना संख्या:** उपरे-एससी-बीकेएन-17-2023-24 **2 कार्य का नाम स्थान सहित :** मनहेरु - बवानी खेड़ा एवं भिवानी - डोभ बहाली दोहरीकरण परियोजना के संबंध में मनहेरु से बवानी खेड़ा खंड पर किलोमीटर 69.680 (शामिल) से किलोमीटर 101.800 (शामिल) और रोहतक - भिवानी खंड पर किलोमीटर 36.800 से किलोमीटर 49.00 (भिवानी सिटी, मनहेरु, भिवानी और बवानी खेड़ा शामिल) के बीच में सैस (स्टेशन यार्ड शामिल) पर आर डी एस ओ के स्पेसिफिकेशन के अनुरूप 65 एम एम गेज मशीन से तोड़ी हुई स्टोन बैलास्ट (हार्ड स्टोन) की आपूर्ति एवं चट्टे लगाने का कार्य करना । **3. कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 13,96,88,764.88 **4. जमा की जाने वाली बिड सिक्योरिटी (धरोहर राशि) :** रु. 8,48,500.00 **5 निविदा प्रपत्र प्रस्तुत करने की दिनांक :** 11.03.2024 को 15.00 बजे तक **6 वेबसाईट का विवरण, जहां पर ई-निविदा देखी व मरी जा सकती हैं** |: www.ireps.gov.in **7.कार्यालय ई-मेल का पता:** dycec@bkn.railnet.gov.in **नोट :- 1.** कोई भी निविदा व्यक्तिगत रूप में स्वीकार नहीं की जाएगी | **2.** बिड सिक्योरिटी (धरोहर राशि) का भुगतान नकद ई पेमेंट गेट वे द्वारा अथवा भारत स्थित किसी Scheduled commercial bank द्वारा जारी बैंक गारंटी बॉन्ड अथवा निविदा दस्तावेज में उल्लेखित अनुसार किया जाना चाहिए। बैंक गारंटी बॉन्ड वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी निर्माण उत्तर पश्चिम रेल्वे जयपुर के पक्ष में ही जारी किया जाना चाहिए अन्यथा निविदा मान्य नहीं होगी।
217-DG/24
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 01/24
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।
प्रार्थी नाम माधुरी अग्रवाल पुत्री मोहनलाल जाति अग्रवाल
विवाद स्थान मालवीय नगर, जयपुर
मृतक श्रीमती संतोष अग्रवाल की सम्पत्ति के विषय में।
पेशी दिनांक- 28/03/24
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी/प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में इस आशय का प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है कि मृतक, नाम संतोष अग्रवाल पुत्री मोहन लाल जाति महाजन निवासी सी-148, महावीर मार्ग, मालवीय नगर जयपुर (राज.) का उत्तराधिकारी स्वीकार कर उसके पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र, प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, प्रदान किया जावें। अतः उक्त प्रार्थना-पत्र की स्वीकृति में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस न्यायालय में दिनांक 28 माह 03 सन् 2024 को न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। उक्त दिवस के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
आज दिनांक 14 माह 02 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुद्रांकन से जारी किया गया।
आज्ञा से-शरिस्तेदार
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश
मोहर अदालत संख्या-10 जयपुर महानगर प्रथम
न्यायालय सांगानेर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर सिविल जज (क.ख.) क्रम-1
जयपुर जिला जयपुर
संतोष सिंह विरूद्ध जयपुर विद्युत वितरण निगम लि.
वाद बाबत स्थाई निषेधाज्ञा
वाद सं. 203 सन् 19
बनाम गोरधन सिंह पुत्र उम्मेद सिंह जाति राजपूत स्थान C/o 588 आदर्श नगर बीस दुकान के पास जयपुर
......ने आपके विरुद्ध...... के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 14 माह 03 सन् 2024 को दिन में..... बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात में (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के वाद उपावद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
आज ता.14 माह 02 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
अति.सिविल न्यायाधीश
मोहर अदालत क्रम-1, जयपुर जिला जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश स्थान जयपुर जिला जयपुर
मित्र गृह निर्माण सहकारी समिति लि. विरूद्ध तेजकरण व अन्य
वाद बाबत विशिष्ठ अनुपालना संविदा एवं स्थाई निषेधाज्ञा
वाद सं. 242 सन् 2015
नाम श्रीमती शिवानी गर्ग पुत्री स्व.श्री भीमसेन गर्ग पत्नी श्री मंयक निवासी मकान नं. बी-98, ज्ञान मार्ग, तिलक नगर, जयपुर, राजस्थान
वादी ने आपके विरुद्ध वाद के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक 28 माह 3 सन् 24 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वादकी सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 16 माह 02 सन् 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।
आज्ञा न्यायालय से
मोहर अदालत वरिष्ठ मुंसरिम, जिला न्यायालय
जयपुर जिला, जयपुर

इतला नामा बनाम रेस्पाडेन्ट
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
जयपुर द्वितीय जयपुर
राजस्थान
अपील 01/2023
डिग्री नं..... सन्.........
बिनाराजी तजबीज.........
अदालत मुकाम.........मुकाम.........
मवरिखा......... सन्.........
सविता मीणा बनाम भौरी देवी व अन्य 1. भौरी देवी पत्नी श्री गंगाराम मीना 2. सीताराम मीणा पुत्र श्री गंगाराम मीना निवासी ग्राम दांतली तहसील सांगानेर जिला जयपुर।
मुतिला हो कि अपील बिनाराजी डिग्री व तारीख.........
इस मुकदमे में अपीलान्टस ने पेश किया है और इस अदालत की तजबीज 11 माह 03 सन् 2024 ई. वास्ते समाअत इस अपील के मुकर्रर की गई है अगर खुद आप या आपके वकील या कोई और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा मे जवाब व सवालात करने का माजज हो हाजिर न आवेगा तो उसकी समाअत और की जावेगी।
आज तारीख 13 माह 02 सन् 2024 ई. मेरे दस्तखज और मोहर अदालत से जारी किया।
दस्तखज जज-रीडर
उपखण्ड अधिकारी
मोहर अदालत जयपुर (द्वितीय

झोटवाड़ा एलिवेटेड का निर्माण लगभग पूर्ण

लोकसभा चुनाव से पहले होगा उद्घाटन, जे.डी.ए. प्रशासन तैयारियों में जुटा

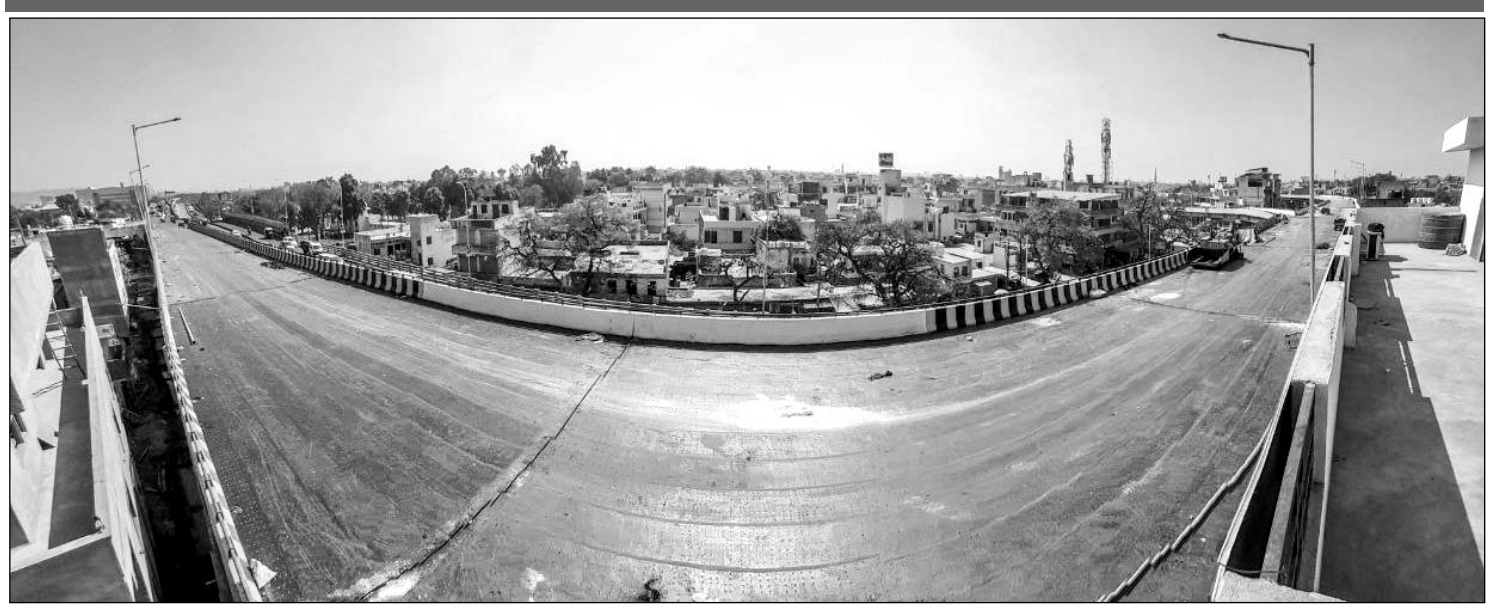

झोटवाड़ा पंचायत समिति से अंबाबाड़ी नाले तक झोटवाड़ा एलिवेटेड रोड जल्द शुरू हो जायेगा। राव शेखाजी के नाम पर बनी इस एलिवेटेड सड़क के दूसरे फेज का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। सड़क निर्माण का अधिकांश कार्य पूरा हो चुका है, अब सिर्फ साइन बोर्ड व लाइट्स लगने समेत कुछ काम बाकी है। खातीपुरा रोड से पुलिया को जोड़ा जा चुका है। माना जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले आमजन को इस सड़क की सौगात मिल जायेगी। इससे सबसे ज्यादा राहत झोटवाड़ा व कालवाड़ रोड पर रहने वाले लोगों को मिलेगा। पिछले 5 सालों से झोटवाड़ा क्षेत्र के लोग आये दिन ट्रेफिक जाम की समस्या से रोजाना जूझ रहे है। गत कांग्रेस सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले आनन-फानन में निवारू टी जंक्शन से लेकर अंबाबाड़ी नाले तक प्रथम फेज का उद्घाटन कर दिया था। लेकिन झोटवाड़ा पंचायत समिति से लेकर निवारू रोड जंक्शन और खातीपुरा की ओर से पुलिया निर्माण का काम अधूरा था, जिसे पूरा करने में जेडीए प्रशासन रात-दिन जुटा हुआ है। फोटो-राष्ट्रदूत

लोगों का अपहरण कर फिरौती वसूलने वाली गैंग का पर्दाफाश

चारों बदमाश रात के समय जयपुर में घूमते और अकेले व्यक्ति को पता पूछने के बहाने कार में बैठाकर अपहरण कर ले जाते

जयपुर। मानसरोवर पुलिस ने अपहरण कर रुपये वसूलने वाली गैंग का भंडाफोड़ करते हुए मास्टरमाइंड समेत चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जानकारी में सामने आया है कि आरोपित पता पूछने के बहाने लोगों को कार में बैठाते थे और फिर सुनसान जगह ले जाकर पैसे वसूलने के लिए मारपीट कर वीडियो बनाकर धमकाते थे। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) योगेश गोयल ने बताया कि मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अपहरण कर रुपये लेने वाली गैंग के मास्टरमाइंड मोहसिन खान उर्फ बबलू (28) निवासी फतेहपुर जिला सीकर, सोनू यादव (29) निवासी सारण उत्तर प्रदेश हाल आम्रपाली सर्किल वैशाली नगर, अनीश खान (24) निवासी सेठान जिला सीकर और मोहम्मद इदरिश (29) निवासी कोतवाली सीकर को गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार बदमाश वाहनों की रिकवरी का काम करते हैं। पूछताछ में सामने आया है कि चारों बदमाश रात के समय जयपुर शहर में घूमते है।

अकेला व्यक्ति मिलने पर रास्ता पूछने का बहाना बनाकर अपनी कार में बैठा लेते हैं। सुनसान जगह ले जाकर मारपीट कर वीडियो बना लेते हैं। डरा-धमकाकर फिरौती की रकम वसूलने के बाद जयपुर से बाहर की ओर छोड़कर भाग जाते थे। इस संबंध में चूरू निवासी मोहित सिंह (20) ने मामला दर्ज करवाया है कि वह कटेवा नगर मानसरोवर में किराए से रहता है। 25 जनवरी को रात वह गुर्जर की थड़ी पर मेडिसिन लेने गया था। वापस लौटते समय पास में एक कार आकर रुकी। कार सवार युवक ने उसको मानसरोवर जाने का पता पूछा। पता बताने पर जहां तक जा रहे है, वहां तक साथ चलने की रिक्वेस्ट कर कार में बैठा लिया। कार में बैठते ही तीन लड़के और गेट खोलकर बैठ गए। चलती कार में मारपीट कर उसको बंधक बना लिया। चाकू की नोक पर मुंह बांधकर मोबाइल छीन लिया। बैंक अकाउंट से हजारों रुपए निकालकर लूट लिए। चाकू की नोक पर गलत बुलाकर वीडियो बनाया। शिकायत करने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। जान से मारने की धमकी देकर कार से उतारकर फरार हो गए। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस टीम ने चारों बदमाशों को पकडा है।

मानसरोवर थाना पुलिस ने अपहरण करने वाली गैंग के मुख्य सरगना समेत चार बदमाशों को गिरफ्तार किया।

बंद फ्लैट में अंगीठी जलाकर सो रहे युवक-युवती की दम घुटने से मौत

15 दिन बाद बदबू आने पर पुलिस ने फ्लैट का दरवाजा तोड़ा तो दोनों का सड़ा-गला शव मिला

जयपुर (कासं)। शिवदासपुरा इलाके में अंगीठी जलाकर सोए लिव-इन में रह रहे युवक-युवती की दम घुटने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह महल रोड पर स्थित स्वप्न लोक से किसी ने फोन कर सूचना दी कि फ्लैट से बदबू आ रही है। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची और फ्लेट का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे तो उसमें एक युवक-युवती का सड़ा-गला शव पड़ा हुआ मिला। शवों को कब्जे में लेकर पुलिस ने अस्पताल में रखवाया। मौके पर मिले दस्तावेजों के आधार पर पुलिस ने मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान 39 वर्षीय सुरेंद्र कुमार वैष्णव और 35 वर्षीय रजिया के रूप में हुई है। प्रथम दृष्टया दोनों की मौत दम घुटने से होना सामने आया है। दोनों अंगीठी जलाकर सोए थे। फ्लेट के दरवाजे और खिड़कियां बंद थी, इस कारण अंगीठी से बनी जहरीली गैस के चलते दोनों का दम घुट गया। दोनों की मौत करीब 10 से 15 दिन पहले हुई है। दोनों के शव पूरी तरह से सड़-गल गए है। बदबू आने पर स्थानीय लोगों ने सूचना दी तब जाकर इस घटना का पता चला है। अब तक की पूछताछ में सामने आया कि दोनों लिव इन में यहां पर रह रहे थे। दोनों के परिजनों को सूचना दे दी है। परिजनों के आने के बाद उनका पोस्टमार्टम होगा।

दो कंटेनर से लाखों रुपये का माल चोरी

जयपुर। हरमाड़ा इलाके में दो कंटेनर से लाखों रुपए का माल चोरी करने का मामला सामने आया है। बदमाशों ने दोनों कंटेनर के लॉक तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद लोडिंग गाड़ी में लाखों रुपए कीमत का माल व डीजल चोरी कर ले गए। हरमाड़ा थाने में दोनों कंटेनर के ड्राइवर्स ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पुलिस ने बताया कि छपरा बिहार निवासी मेघनाथ राय ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि वह अपने कंटेनर में सर्फ एक्सेल का माल भरकर कानपुर से जयपुर लाया था। गत 13 फरवरी की रात करीब 9 बजे बड़पीपली सीकर रोड पर सर्विस रोड पर कंटेनर खड़ा कर दिया। पास ही कंपनी का दूसरा कंटेनर भी खड़ा था, 15 फरवरी की रात ड्राइवर मेघनाथ और अभिनन्दन अपने-अपने कंटेनर के अंदर सो गए। देर रात चोरों ने सर्विस रोड पर खड़े दोनों कंटेनर को निशाना बनाया। मेघनाथ के कंटेनर का लॉक तोड़कर बदमाशों ने खोल लिया। किसी लोडिंग वाहन में तीन लाइन के सर्फ बैग चोरी कर ले गए।

उसी रात करीब 1 बजे ड्राइवर अभिनन्दन के कंटेनर का डीजल ट्रैक का लॉक बदमाशों ने तोड़ा और करीब 150 लीटर डीजल निकाल लोडिंग वाहन में लोड कर फरार हो गए। शोर-शराबा होने पर जाग होने पर कंटेनरों में चोरी की वारदात होने का पता चला। हरमाड़ा पुलिस वारदास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ चोरों को तलाश रही है।

भरण-पोषण भत्ता दिलवाने से इनकार

जयपुर, (का.सं.)। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-2 महानगर प्रथम ने घरेलू हिंसा अधिनियम से जुड़े मामले में इंग्लैंड निवासी डॉक्टर पत्नी को भरण-पोषण भत्ता दिलवाने से इनकार करते हुए उसकी अपील खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि मामले के तथ्यों व परिस्थितियों से प्रार्थी पत्नी के साथ अप्रार्थी पति व अन्य की ओर से घरेलू हिंसा करना प्रथम दृष्टया साबित नहीं है। ऐसे में अधिनियम 2005 के तहत उसे किसी तरह का अनुतोष दिलवाने का आदेश दिया जाना न्यायोचित नहीं है। अदालत ने मामले में अधीनस्थ कोर्ट के फैसले में दखल से इनकार करते हुए कहा कि निचली अदालत ने प्रार्थिया व अन्य को मासिक 15 लाख रुपए अंतरिम भरण पोषण दिलवाने के लिए दायर किए प्रार्थना पत्र को खारिज करने में गलती नहीं की है।

प्रार्थी पत्नी ने अधीनस्थ कोर्ट में घरेलू हिंसा कानून के तहत पति से स्वयं व अपनी दो बेटियों के लिए 15 लाख रुपए मासिक अंतरिम भरण-पोषण भत्ता दिलवाने का प्रार्थना पत्र पेश किया था। प्रार्थना पत्र में पति सहित अन्य घरवालों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। प्रार्थना पत्र में कहा गया था कि पति ने उसका शारीरिक, मानसिक और लैंगिक शोषण किया है। बेटियों के जन्म के दौरान भी पति ने कोई सहयोग नहीं दिया और उस पर नौकरी छोड़ने का दबाव डाला गया। जवाब में पति के अधिवक्ता दीपक चौहान ने कहा कि प्रार्थी शादी से पहले ही नेत्र चिकित्सक की नौकरी कर रही थी। उसने ना तो उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया और ना ही नौकरी छोड़ने के लिए कहा गया। इसलिए भरण-पोषण का प्रार्थना पत्र खारिज किया जाए। जिस पर अदालत ने उसकी प्रार्थना पत्र खारिज कर दिया।

बार संचालक को धमकी देकर 2 लाख रुपये मांगे

जयपुर। मोतीडूंगरी इलाके में एक बार मालिक ने दो युवकों के खिलाफ रुपए मांगने और तोड़फोड़ करने की शिकायत दर्ज करवाई है। बार मालिक मुकेश सामवशी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित का मोती डूंगरी थाने में "एरिया-51" नाम से बार है। आरोप है कि रफीक व आबिद पठान ने रेस्टोरेंट में घुस कर मारपीट की और तोड़फोड़ करके पिस्टल दिखाई। युवकों ने धमकी दी कि सप्ताह में 2 लाख रुपए की रंगदारी देनी होगी। नहीं तो गोली मार देंगे। पिछले कुछ दिनों से दोनों आरोपी पीड़ित का पीछा कर रहे है, जिस पर वह घबरा गया और पुलिस को जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित ने रिपोर्ट दी है कि गत 12 फरवरी को रात साढ़े 11 बजे उसके रेस्टोरेन्ट में रफीक व आबिद पठान पांच-छह युवकों के साथ आए। शराब मांगने लगे। बदमाशों ने कहा कि शराब पिलाओ और 2 लाख रुपए हफ्ता दो। इस पर मुकेश ने उन्हें चले जाने के लिए कहा। इस बात पर दोनों के बीच बहस हो गई। जिस पर रफीक व आबिद ने रेस्टोरेंट में तोड़फोड़ और मारपीट करना शुरू कर दिया। रफीक ने पिस्टल निकाल कर मुकेश को दिखाई और कहा- पैसा नहीं दिया तो गोली मार देंगे। इस पर रफीक व आबिद मौके से चले गए। 13 तारीख को फिर से दोनों आरोपी पीड़ित के रेस्टोरेंट में पहुंचे। धमकाने लगे। इसके बाद पीड़ित ने मोती डूंगरी थाने में शिकायत दी। घटना की एफआईआर दर्ज होने पर पुलिस जांच करने के लिए बार पहुंची। वहां पर सी.सी.टी.वी. नहीं मिले। बार मालिक मुकेश ने बताया कि उसके सीसीटीवी की डिवाइस खराब है। इसलिए बार के अंदर से वीडियो नहीं हैं। पुलिस ने पास की शॉप पर लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया हैं।

कालवाड़ रोड पर अतिक्रमण हटाया

जयपुर (कासं)। जे.डी.ए. और नगर निगम प्रशासन ने सामूहिक अभियान चलाकर कालवाड रोड पर सड़क के दोनों तरफ आम रास्ते व फुटपाथ पर करीब 80 थडी-ठेले, तिरपाल, झुग्गी झोपडी, होर्डिंग-साइन बोर्ड व अन्य अतिक्रमण हटाए।

मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन धर्मेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि मुख्य कालवाड रोड पर सडक के दोनों तरफ आम रास्ते व फुटपाथ पर करीब 80 स्थानों पर थडी-ठेले, तिरपाल, झुग्गी-झोपडी, होर्डिंग-साइन बोर्ड, टीन-शेड, टेबल कुर्सियां, लोहे के एंगल लगाकर लोगों ने कब्जा कर रखा था, जिसे शनिवार को जेसीबी की मदद से हटाया गया।

स्थानीय व्यापार मंडलों ने शेष रहेअतिक्रमणों को स्वयं के स्तर पर हटाने के लिए कहा है, इसलिए उन्हें पाबंद कर छोड़ा है। अगर जल्द ही शेष दुकानों पर भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो पुनः कार्रवाई की जायेगी।

पत्नी और बेटियों को हांगकांग छोड़कर पति ने दिया 'तीन तलाक'

जयपुर। राजधानी जयपुर में एक बार फिर से "तीन तलाक" का मामला सामने आया है। पहली पत्नी को फोन कर पति ने तीन बार तलाक कहा और फोन स्विच ऑफ कर लिया। उसके बाद पत्नी और बच्चों के पासपोर्ट एवं अन्य दस्तावेज भी जलाकर राख कर दिए। पहली पत्नी ने अपनी बहन की मदद से जयपुर के रामगंज थाने में केस दर्ज कराया है। दर्ज रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने बताया कि साल 2009 में रामगंज में रहने वाले इरफान का असिबा से विवाह हुआ था। उसके बाद दोनो हांगकांग चले गए। वहां पर असिबा ने तीन बेटियों को जन्म दिया।

बताया जा रहा है कि सबसे बड़ी बेटी 12 साल की है और सबसे छोटी 6 साल की है। असिबा की बहन शीबा ने पुलिस को बताया कि जयपुर से जाने के कुछ दिन बाद तो सब कुछ सही रहा लेकिन बाद में इरफान पत्नी असिबा को परेशान करने लग गया। आए दिन मारपीट करता और धमकियां देता। असिबा सब कुछ सहती रही। कुछ दिन पहले इरफान पत्नी और बच्चों को बिना बताए जयपुर आ गए। जयपुर आने से पहले पत्नी का खाता खाली कर दिया। पत्नी और बच्चों के दस्तावेज, पासपोर्ट और अन्य डॉक्यूमेंट भी साथ ले आया। जयपुर आकर उनको जला दिया और उसके बाद असिबा को फोन कर तीन तलाक दे दिया। उसने जयपुर में फिरदौस नाम की एक दूसरी महिला से निकाह कर लिया। पुलिस ने इस रिपोर्ट के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। रामगंज पुलिस ने मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम, आईपीसी 494 समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। शीबा ने कहा कि अब उसकी बहन और तीनों बच्चे कभी जयपुर नहीं आ सकेगें। वहां उनके पास परेशानी बढती जा रही है।

सफाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लेने 4 घंटे फील्ड में घूमे यू.डी.एच. प्रमुख सचिव व आयुक्त

घरों से कचरा उठाने से लेकर सेवापुरा, लांगड़ियावास व मथुरादासपुरा डंपिंग यार्ड तक डिस्पोजल देखा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर की सफाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लेने के लिए यू.डी.एच. प्रमुख सचिव टी. रविकांत शनिवार सुबह 4 घंटे फील्ड में घूमे। उनके साथ स्वायत्त शासन निदेशक सुरेश ओला, ग्रेटर निगम आयुक्त रूकमणि रियाड़ और हैरिटेज आयुक्त अभिषेक सुराणा भी मौजूद रहे। इन्होंने घर-घर कचरा कलेक्शन से लेकर डिस्पोजल तक की व्यवस्थाओं को बारीकी से देखा। सेवापुरा, मथुरादासपुरा, लांगड़ियावास में बने डंपिंग यार्ड, वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का निरीक्षण कर वहां 100 फीसदी कचरे का निरस्तारण करने को कहा। हालांकि यह काम जून-2025 तक पूरा करने की कोशिश है, ताकि शहर को कचरा मुक्त किया जा सके। निरीक्षण के दौरान सेवापुरा डंपिंग यार्ड पर कम्पोस्ट प्लांट बंद पड़ा मिला, जिस पर नाराजगी जताते हुए टी. रविकांत ने इसे शुरू करने को कहा।

टी. रविकांत ने सबसे पहले मुरलीपुरा जोन में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण के लिए शुरू की रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आर.एफ.आई.डी.) सिस्टम और उसकी मॉनिटरिंग व्यवस्था देखी। उन्होंने इस सिस्टम के कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। कचरा उठाने वाली गाड़ियों की मॉनिटरिंग को बेहतर करने और 100 फीसदी डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करवाने पर जोर दिया। उन्होंने क्यू आर कोड बेस्ड कचरा संग्रहण सिस्टम को पूरे जयपुर शहर में लागू करने को कहा। फिलहाल यह व्यवस्था मुरलीपुरा व मालवीय नगर जोन में ही चल रही है।

मुरलीपुरा से निरीक्षण करने के बाद टी. रविकांत सेवापुरा स्थित कचरा डंपिंग यार्ड पहुंचे। जहां उन्होंने कचरे के सेग्रिगेशन और डिस्पोजल की व्यवस्था देखी। यहां बंद पड़े कंम्पोस्ट प्लांट का निरीक्षण करते उसे जल्द शुरू करवाने के लिए कहा। उन्होंने यहां करीब 4000 टन कम्पोस्ट बनाने और उसके बेचने की कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि अभी मथुरादासपुरा और सेवापुरा में संचालित लिगेसी वेस्ट रिमेडियेशन प्लांट से हर रोज 6000 टन कचरे का निस्तारण हो रहा है। शीघ्र ही इसकी क्षमता बढ़ाकर आने वाले सभी कचरे का सही से डिस्पोजल किया जा सकेगा। यहां प्लाट से अभी हर रोज करीब 600 टन आर.डी.एफ तैयार हो रहा है, जिसे राजस्थान के विभिन्न सीमेंट प्लांट में भेजा जा रहा है।

इसके बाद टी.रविकांत, लांगडियावास स्थित वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट पहुंचे। इस प्लांट को शुरू होने में अभी एक साल से ज्यादा का समय लगेगा। इसके शुरू होने के बाद यहां 12 मेगावॉट तक बिजली उत्पादन किया जा सकेगा। इसके लिए प्लांट में हर रोज 1000 टन कचरे का उपयोग होगा। टी रविकांत ने दोनों ही निगमों के कमिश्नरों को शहर में उत्पन्न सी.एन डी वेस्ट के निस्तारण के लिए बेहतर प्लान बनाने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने शहर में अलग-अलग स्थानों पर इनका डंपिंग यार्ड तैयार करने के लिए कहा। ताकि लोग टोल फ्री नम्बर पर कॉल करके निर्धारित शुल्क चुका कर नगर निगम के निर्धारित स्थल पर सी.एन.डी वेस्ट डाल सकेंगे। इस वेस्ट को प्रोसेस करके सडकों के लिए इन्टर लॉन्किग टाईल्स, रोडी, बजरी आदि सिविल मेटिरियल तैयार हो सकेंगे।

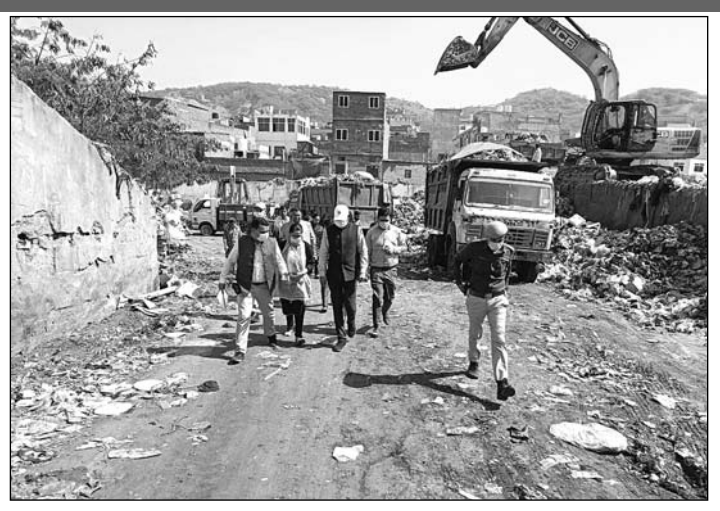

यू.डी.एच. प्रमुख सचिव टी. रविकांत, स्वायत्त शासन निदेशक सुरेश ओला, ग्रेटर निगम आयुक्त रूकमणि रियाड़ और हैरिटेज आयुक्त अभिषेक सुराणा ने शनिवार सुबह 4 घंटे फील्ड में घूमकर सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

- **सेवापुरा में कम्पोस्ट प्लांट बंद पड़ा मिला, जिसे पुनः शुरू करने के निर्देश दिए**
- **लांगड़ियावास में वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट शुरू होने के बाद 12 मेगावॉट तक बिजली उत्पादन हो सकेगा**

सार-समाचार

अंकित को एक लाख रु.का पुरस्कार

नेहरू युवा केन्द्र संगठन ने राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता के विजेता अंकित भारद्वाज को सम्मानित किया।

जयपुर। युवा एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के स्वायत्तशासी संस्थान नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में अंकित भारद्वाज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में 33 जिलों के प्रथम विजेता वक्ताओं ने भाग लिया, जिसमें भरतपुर के अंकित भारद्वाज ने संपूर्ण राजस्थान में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक लाख रुपये, भीलवाड़ा की पल्लवी सोनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 50 हजार रुपये, जयपुर की अनन्या ने तृतीय स्थान प्राप्त कर 25 हजार रुपये एवं अजमेर के मुकुंद ने चतुर्थ स्थान प्राप्त कर 25 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। इस अवसर पर एनवाईकेस के राज्य निदेशक महेन्द्र सिसोदिया, वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा, हेमलता शर्मा, प्रोफेसर सोमेश सिंह एवं सुबोध महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के. बी. शर्मा ने विजेताओं को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। अंकित भारद्वाज ने अपनी पुरस्कार राशि में से 5000 रुपये की राशि गंभीर बीमारी से पीड़ित मसारी गाँव के हृदयांश शर्मा को उनके स्वास्थ्य की मंगल कामना करते हुए समर्पित करने की घोषणा भी की है। अंकित भारद्वाज को मिलने वाले पुरस्कार की खबर के साथ ही भरतपुर जिले के भुसावर कस्बे में खुशी की लहर दौड़ पड़ी, स्थानीय कस्बावासियों ने अंकित के घर जाकर बधाई दी। अंकित अभी राजकीय सेवा में कार्यरत हैं एवं कवि भी हैं। अंकित के दादा किशोरी लाल भारद्वाज ने मिठाई खिलाकर खुशी का इज़हार किया।

कांस्टेबल सूर्य प्रताप सिंह ने पर्स लौटाया

जयपुर। विधायकपुरी पुलिस थाना कांस्टेबल सूर्यप्रताप सिंह को एमआई रोड जयपुर पर एक पर्स मिला जिसमें 2100 रुपये नगद, एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड व अन्य जरुरी कागजात भी थे। पर्स में मौजूद कागजात के आधार पर पर्स राजगंज बाजार निवासी अब्दुल मुकीत पुत्र अब्दुल मलिक का होना पाया गया। इस पर अब्दुल मुकीत से सम्पर्क कर पर्स लौटाया।

अफसरों को अवमानना नोटिस जारी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने चिकित्सा विभाग से रिटायर कर्मचारी को अदालती आदेश के बाद भी चयनित वेतनमान के अपर ग्रेड का लाभ नहीं देने पर चिकित्सा सचिव और स्वास्थ्य निदेशक सहित पेंशन निदेशक को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने इन अधिकारियों से पूछा है कि अदालती आदेश के छह साल बाद भी अब तक आदेश की पालना क्यों नहीं की गई, जबकि आदेश की पालना के इंतजार में कर्मचारी की मौत भी हो चुकी है। जस्टिस नरेन्द्र सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश कर्मचारी की विधवा शांति देवी की अवमानना याचिका पर दिए।

निर्मल चौधरी एन.एस.यू.आई. से जुड़े

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष निर्मल चौधरी ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अग्रिम संगठन भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की शनिवार को विधिवत सदस्यता ग्रहण की। जयपुर में एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने उन्हें एनएसयूआई का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण कराई। इस अवसर पर एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पिता पर बेटी से दुष्कर्म का आरोप

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना इलाके में एक महिला ने अपने पति के खिलाफ 12 साल की बेटी से दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि मूलत: बिहार निवासी एक महिला वर्तमान में भट्टा बस्ती में रहती है। उसने मामला दर्ज करवाया कि उसके पति पिछले दो माह से उसकी 12 साल की बेटी से गलत काम कर रहे है। बेटी के गुमसुम रहने पर जब उसने पूछा तो इस घटना की जानकारी मिली। आरोपी उसके साथ पर भी गलत व्यवहार कर रहा है। इस पर उसने मामला दर्ज कराया।

ARBiT
it happens here...

World Whale Day

Gigantic creatures that sing, dance, and swim in the vast blue sea, whales, are majestic beings that fill our hearts with wonder and awe. Whales inhabit all of the earth's oceans and, sadly, the oceans are not as healthy today, as they once were. What used to be a 'lovely place for our whale friends' to live has become polluted by toxic materials such as chemicals, oil spills, plastic litter and industrial waste. Paying heed to the biggest animals on the planet is what *World Whale Day* is all about.

राष्ट्रदूत
SUNDAY
18 February 2024
A-B

#LEARNING

Can Passive Exposure Speed Up Learning?

The study gives additional insight into the possible brain mechanisms

Learning a new skill takes deliberate practice over time, but passive exposure to the subject matter at hand can help speed up the process, new research in mice suggests.

The finding, which builds on past research in humans, shows how passive exposure can be a valuable tool for learning. It helps explain how watching movies in a foreign language might supplement grammar drills and vocabulary flashcards, or how listening to recordings of a professional playing piano concertos could help budding musicians improve their own craft.

"The study gives additional insight into the possible brain mechanisms behind the effect, helping scientists understand just why passive exposure is so powerful," says James Murray, a neuroscientist who led the study alongside fellow neuroscientist Santiago Jaramillo, both of the University of Oregon.

"Because it's much easier to study what's happening inside the brain of a rodent than a human, "studying how both, active training and passive exposure affect learning in mice opens up exciting possibilities for investigating the neural mechanisms underlying the interplay between them," Murray adds.

To study how mice learn, the researchers trained the animals to reach for a reward at a particular spot, in response to tones, that slid up or down in pitch. All of the mice were put through an active training protocol, in which they got feedback on their performances, so that they knew whether they made the right choice. Some of the mice also got passive exposure, where they heard the sounds while they weren't engaged in the task.

The mice, who were passively exposed to the sounds, in addition to being actively trained, learned how to select the reward location more quickly, the researchers found. It didn't seem to matter whether the passive exposure happened at the beginning of training or was interspersed in small chunks throughout the active training sessions.

Then, to better understand how the learning might be happening in the brain, the researchers trained and tested different artificial neural networks on a simulated version of the learning task. Neural networks, a kind of machine learning algorithm, process information in a way that mimics the way the brain processes information.

Artificial neurons represent real neurons, and learning takes place by modifying the strengths of the connections between those neurons. They're not a direct replica for the brain, but they can be used to generate hypothesis that can then be tested experimentally.

The modelling suggests that 'passive exposure to a stimulus' lays the groundwork in the brain, creating a hidden representation of that stimulus that captures its most prominent features, like making a pencil outline before diving into a detailed painting. Then, during active learning, the brain links the stimulus to particular behaviours. With passive exposure, the brain is primed to make those connections more quickly.

While the research was done using a simple task in mice, the findings might also have implications for more complex learning in humans, the researchers suggest.

Study co-author Melissa Baese-Berk, a former University of Oregon linguist, now at the University of Chicago, has previously published studies showing how 'passive exposure' can help adult humans better learn to understand new speech sounds.

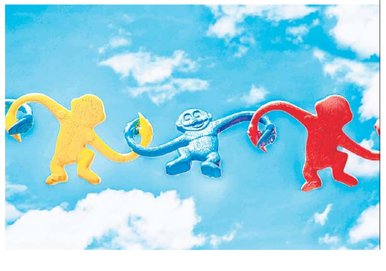

MITHUN CHAKRABORTY IN SHUKNO LANKA.

MITHUN CHAKRABORTY IN REHMAT ALI.

Over his nearly five-decade-long career in cinema, *Mithun* has managed to break every rule in the Bollywood book. When he came to Mumbai in a third-class sleeper in a Howrah-V.T. train, no one would have given him a passing glance. He had neither the looks of an Aamir Khan nor the charisma of a Rajesh Khanna. He did not have the golden honey voice of the *Big Bachchan*. He distinctly lacked class and did not have any film-family background to fall back on. He was distanced from the Bengali *bhadralok* persona. His Hindi was atrocious and his voice had an unpleasant grate to it. He was not rich.

THE DISCO DANCER?

Dr. Shoma A. Chatterji
Film scholar, journalist & author

When I went to interview *Mithun Chakraborty* for a one-to-one in a Kolkata hotel, he was shooting for the Bengali film, *Rehmat Ali*, in which he played the title role. We, film journalists, had to wait in a queue till our turn came, to question him. Each press person was given around 15 minutes. I found it extremely humiliating as I had not done anything like this ever, in my long career as a journalist. But the results were very good, so, it was worth it. To tell the truth, the *Padma Bhushan* has come much after he deserved the title. His recent Bengali films, *Projapoti* and *Kabuliwala*, have turned out to be wonderful films and the box office stakes of the former film is credited to *Mithun's* classic performance in the film.

Reportedly, *Rehmat Ali* was the Bengali remake of Partho Ghosh's 1997 film, *Ghulam-e-Musthafa*, starring Nana Patekar in the main role in Hindi. But Mithun countered this statement. "Not really. This is a Bengali film set in contemporary Bengal, against the virulent political backdrop as it existed then. It is completely localized within the Bengali identity. Who can really say which film is a 'remake' of which other film? The best way to express this is to, perhaps, concede that the film has been 'inspired' by one or more than one film. There may be parts of *Ghulam-e-Musthafa*, there may be some motivating elements from other films made even before. How can one be 100% certain that a film is a 'remake' of another film, when the actors are different, the ambience is different, the language and political contexts are different, is it just because the director happened to direct a similar film more than a decade ago?"

He came across as quite a matter-of-fact person in real life. But he was quite conscious that he was a star and not an ordinary man.

The second time he made me wait in a queue was less frustrating because he asked the FIR people to bring me ahead of the queue. It was during the shooting of Suman Ghosh's *Nobel Chor*, in which he gave an award-worthy performance. His answers came pat the minute I read out my questions from my notepad. I was content.

Don't you feel frustrated when films like *Nobel Chor*, *Kaal Purush*, *Shukno Lanka* and so on do not run or are not released and marketed properly or, like Samir Chanda's beautiful film, *Ekti Nodir Naam*, are never released?

> "A film like *Rehmat Ali* gives me tremendous satisfaction because it will reach out to the masses, to a huge audience. What more does an actor want? The aim must be commercial success and mass acceptance."

His comment was, "Of course, it is very frustrating. But this is a part of the industry which, as an actor, I can do nothing about. That is why today, I have made the 'prospective commercial viability of a film' the principal criterion to accept an assignment. This is one reason I said 'yes' to *Rehmat Ali*. It has wonderful commercial prospects. I have worked with Partho Ghosh earlier in *Dalaal*. Partho, I and Bappi Lahiri have worked together in the past. I knew then that along with Rituparno, who has worked with me in several films, we could pull it off. A film like *Rehmat Ali* gives me tremendous satisfaction because it will reach out to the masses, to a huge audience. What more does an actor want? True that, at times, with the best of strategic planning, things fail to work out. But the aim must be commercial success and mass acceptance." But *Rehmat Ali* was a moderate success.

Mithun Chakraborty has been regarded more as a 'star' and that feeling is mainly since the majority of his films are addressed to an audience, looking out for the star in him. The star charisma does not take away the actor hiding inside, waiting to burst on an unsuspecting audience, never mind if it is for the 'star' or for the 'actor.' He has done many feature films to remind us that there is a very 'fine actor,' hidden behind this façade of a light-hearted person, who takes failure as coolly as success. We have seen him in *Gunmaster G-9*, *Disco Dancer* and *Fatakeshto* (Bengali).

His career-graph has been a massive zig-zag on a large balance sheet, where the flops surpass the hits. He was once dubbed 'the biggest flop star in Bollywood' for having brought about 35 flops within a year. But Mithun survived. The two B.Subhash films, *Dance Dance* and *Kasam Paida Karne Wale Ki* fared miserably but his popularity was an upward climb. His versatility remains legendary. From the country bumpkin in *Jaag Utha Insan* through a boxer, hell-bent on resurrecting the career of his alcoholic father in *Boxer* to the delightfully funny and adventurous *Krishnan Iyer 'Yem Yel Yay'* in *Agnipath* and the part-sane, part-lunatic ex-prisoner, *Shibnath* in *Tahaader Katha*, which won him the National Award once again, Mithun has a sterling repertoire. He won another National Award for portraying *Ramakrishna Paramhamsa* in *Swami Vivekananda*. His portrayal of a ventriloquist, caught in the trap of political propaganda, in Gautam Ghose's *Gudia* was brilliant. But no one noticed it because the film was never marketed properly.

Over his nearly five-decade-long career in cinema, Mithun has managed to break every rule in the Bollywood book. When he came to Mumbai in a third-class sleeper in a Howrah-V.T. train, no one would have given him a passing glance. He had neither the looks of an Aamir Khan nor the charisma of a Rajesh Khanna. He did not have the golden honey voice of the *Big Bachchan*. He distinctly lacked class and did not have any film-family background to fall back on. He was distanced from the Bengali *bhadralok* persona. His Hindi was atrocious and his voice had an unpleasant grate to it. He was not rich.

He was rootless, friendless and could only land the role of an 'extra' in *Do Anjaane*. Yet, within a short time, he ignored labels like 'the poor man's Amitabh Bachchan' to become a star of some reckoning having mastered the 'skill of fights' and the 'art of dancing.' Mrinal Sen had seen his picture somewhere and chose him to play the male lead of the unlettered and ignorant tribal boy in *Mrigaya*. The role fetched *Mithun* his 'first National Award for Best Actor.' But director Shakti Samanta got him admitted to FTII, Pune, for a short course in acting before he faced the movie camera.

When asked about his work in *Mrigaya*, which fetched him the first of his three National Awards, Mithun said, "The first feeling is one of deep gratitude towards Mrinal-da, who placed his faith in me and drew the best out of me. The second is the surprise when I learnt about the award. Over time, I won two more. I have played every role that an actor can conceive of, from a *disco dancer* to a *boxer* to *jallad* to *God*. It has been a long journey and when I look back on the years, happily, the struggle in the formative years has been worth it. Today, the *National Award* is no longer linked to brilliant performances or to talent."

He also broke the female monopoly over 'disco dances and item numbers' as one of the 'best dancing heroes' in Bollywood, pioneering a movement that is still on. *Golmaal 3* used clips from his dance shots from *Disco Dancer*, a fine tribute to an actor. He plays a bus driver in the film, driven to desperation by the antics of his four adult but adopted grown-up sons. In *C Company*, he plays an eccentric don of the Mumbai underworld, who walks with a distinct limp, and is shaken, when challenged by three faceless but ordinary people, threatening to overthrow his fiefdom and restore law and order in the city. His performance was touched with a wonderful comic flair that he is not ordinarily called, to draw upon. There is now a book on his film, *Disco Dancer,* that created a new genre in Hindi films.

"He has mellowed a great deal," opines a veteran journalist.

> "He used to be arrogant and difficult to nail down for an interview. Today, he seems to have wizened and matured, despite his comeback to stardom as 'hero,' when most of his peers have resigned to do father roles."

"He used to be arrogant and difficult to nail down for an interview. Today, he seems to have wizened and matured, despite his comeback to stardom as 'hero,' when most of his peers have resigned to do father roles." His audience accepted him for what he was, never mind his atrocious dress sense and the obvious *Uttam Kumar* hangover. But the *Uttam Kumar* hangover worked in Bollywood because the audience here was not familiar with the 'histrionic genius of the Bengali star.' Mithun Chakraborty is the biggest surprise package in Indian cinema. You can never guess which handkerchief he will pull out of his magician's hat.

Asked how he interpreted a role, when he was working in two very contrasting films, like the one in Mani Ratnam's *Guru* and the other in Partho Ghosh's *Rehmat Ali*, Mithun said, "It is not difficult for an actor who has been in the profession for more than three decades. It comes with long practice and with experience. Practice, for me, is the bottom line. If I cannot switch on and off from one role to another, I have no right to call myself an actor, do I? Besides, for a totally commercial film like *Rehmat Ali*, there is practically no homework to be done. I speak the same lines in similar situations but maybe, I use a different approach. To be frank, we have approximately five storylines that cover every kind of film within the mainstream. One just changes the permutations and combinations to give a certain slant to a given script, to make it a little different from the others. I have a tagline in Bengali commercial films and they have done wonders to the box office value of the films. I have one in *Rehmat Ali* too, (laughs) "*Naamer aage Rehmat, pawre Ali, Sare jannat Bajaye Taali*." The audience loves these tag-lines."

Mithun sums up the discussion, when he says, "I do not want my sons to go through the painful struggle I had to suffer. That is why I have invested outside the industry. When Buddha-da took me for *Tahader Katha*, it came as surprise to everyone except me. Many still feel *Mithun* knows nothing about acting. He is at best, a disco-dancer. I do not bear any grouse against them. I consider them my well-wishers. They compel me to take up challenges. When a section of the audience rejects me as an actor, it makes me angry but inspires me to take up any kind of challenging role." That is *Mithun Chakraborty* for you.

What made (late) Buddhadeb Dasgupta choose Mithun not once but three times? "There are two reasons. One, because he is truly a good actor, and two, because within him, lies the promise of becoming a greater actor. His talent never gathers moss. All I had to go back on was his performance in *Mrigaya*." The late Chidananda Dasgupta, India's seniormost film critic, when asked to comment on Mithun's performance in *Tahader Katha*, said, "In his portrayal of *Shibnath*, Mithun developed a powerfully interiorised character, always inviting a closer look into what went on inside his dishevelled looks and his outbursts of expletives." The *dark horse* of Bengal and Bollywood has proved that he is, indeed, '*a Miracle Man*.'

rajeshsharma1049@gmail.com

#MITHUN CHAKRABORTY

MITHUN CHAKRABORTY IN KAAL PURUSH.

MITHUN CHAKRABORTY IN AMI SUBHASH BOLCHI.

#WORKSHOP

THE ART OF KAVAD MAKING

Jawahar Kala Kendra's *Kavad* making workshop offered participants a journey through Rajasthan's cultural heritage, blending tradition with innovation. From centuries-old techniques to contemporary adaptations, attendees explored the rich history of this art form, celebrating the legacy of craftsmanship and storytelling in a fusion of past and present.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

The wooden-painted *Kavad* stands as a testament to Rajasthan's unique cultural heritage, deeply rooted in the art of storytelling. Functioning as both, a mobile storytelling device and a temporary temple, the *Kavad* represents a harmonious blend of carpentry, painting, and narration. Within this intricate craft, distinct professions converge, the carpenter, known as a *Suthar,* the artist, referred to as a *Chitrakar*, and the storyteller, known as a *Bhat*. Together, these artisans collaborate to bring the *Kavad* to life, with the carpenter and artist meticulously crafting its physical form, while the *Kavadia Bhats* breathe soul into its narratives. This revered tradition finds its home exclusively in the village of Bassi, situated in the Chittorgarh district of Rajasthan.

Jawahar Kala Kendra recently hosted a 4-day *Kavad making workshop*. Led by instructors Dwarika Prasad Suthar and Govind Lal Suthar, hailing from Bassi, Chittorgarh, participants delved into the historical roots of *Kavad making*, a tradition spanning over 500 years. As descendants of the *Suthar* and *Chitrakar* communities, these instructors brought a wealth of knowledge and expertise to the workshop, guiding attendees through the process of crafting these exquisite wooden marvels.

A legacy of 500 years

Dwarika Prasad Suthar, recipient of the President's Award for his expertise in *Kavad making*, highlighted the enduring legacy of this folk art form, spanning over 500 years. He noted that historically, individuals from the *Bhat* community commissioned skilled artisans from Bassi, Chittorgarh, to create *Kavads*, adorned with religious narratives. These portable storytelling devices, carried by bards known as *Kavadiya Bhaat*, served as both, entertainment and a means of religious dissemination. Over time, *Kavad* construction evolved to include contemporary themes, reflecting current societal contexts. Suthar emphasized the importance of workshops in preserving such ancient arts, drawing upon his five decades of experience in *Kavad* craftsmanship. However, he lamented the decline in *Kavad recitals* due to changing times, with the tradition now primarily associated with decorative purposes in the digital age.

Enriching experience for participants

The participants of the workshop had the opportunity to explore the symbolism, intricately woven into every detail of the *Kavad*. From depicting ancient religious tales including the depiction of *Dashavatar*, the ten incarnations of Lord Vishnu, the *Kavads* now also convey modern-day messages such as awareness of traffic rules and social causes like saving the girl child. Through hands-on learning experiences, attendees not only refined their craftsmanship but also contributed to the preservation of an endangered art form. Priyanka Baweja, a workshop participant, expressed her appreciation for JKK's initiative, emphasizing its role in revitalizing the state's heritage and bridging the gap between past traditions and future generations. Reflecting on her experience, she shared that the workshop commenced with an introduction to the fundamentals of *Kavad*, its significance, and objectives. Subsequently, participants delved into practical aspects such as colour selection and techniques for drawing body figures, fostering a deeper understanding of this traditional art form. With only three families left, who continue the legacy of *Kavad making*, workshops like these play a crucial role in keeping this ancient tradition alive.

THE WALL

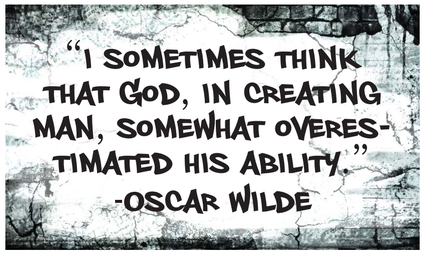

BABY BLUES By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS By Jerry Scott & Jim Borgman

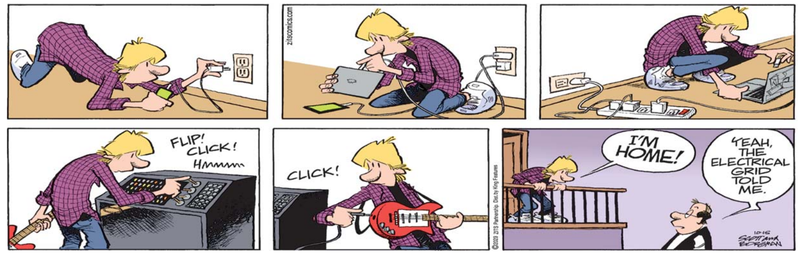

शादी समारोह में हुई लाखों की चोरी का खुलासा

15 लाख के जेवर व नगदी बरामद

बून्दी, (निसं)। बूंदी जिले के तालेड़ा थाना पुलिस ने 12 फरवरी को थाना क्षेत्र के धनवा रिसोर्ट व हिंडोली थाना क्षेत्र के बंधन रिसोर्ट में शादी समारोह से जेवर व नगदी चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए मध्य प्रदेश राजगढ़ में आरोपियों के पास से 15 लाख के जेवर व नगदी बरामद की है।

- **एक नाबालिग सहित तीनों आरोपी मध्यप्रदेश की कड़ियांपचोर गैंग के सदस्य निकले**

जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने बताया कि 12 फरवरी को तालेड़ा के धनवा व हिंडोली के बंधन रिसोर्ट में आयोजित शादी समारोह में शातिर गैंग के सदस्य दूल्हे की मां के पास से 15 लाख रुपए के जेवर व नगदी से भरा बैग चुरा कर फरार हो गए थे। वहीं हिंडोली में बंधन रिसोर्ट में दुल्हन के पिता के हाथ में खुजली वाला स्प्रे लगाकर सवा तीन लाख रुपयों से भरा बैग चुरा लिया था। उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी व माल बरामदगी के लिए तालेड़ा व हिंडोली थाने की संयुक्त दो टीमें गठित कर मध्य प्रदेश के राजगढ़ के लिए रवाना की थी। बूंदी पुलिस की टीमों ने राजगढ म.प्र. जिले के बोडा थाने के गुलखेड़ी गांव से चुराये गये 15 लाख के जेवर व नकदी बरामद करने में सफलता प्राप्त की लेकिन पुलिस टीम की भनक लगते ही आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।जिनकी तलाश जारी है।

तालेड़ा थानाधिकारी दिग्विजय सिंह ने बताया कि, दोनों टीमें सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरों का पीछा करते हुए राजगढ म.प्र.जिले के बोडा थाने पहुंची। जहां लोकल पुलिस व मुखबीरों की सहायता से चोरों की पहचान की व राजगढ़ के गुलखेड़ी गांव में दबिश दी, जिसमें आरोपी विकास के घर से पन्द्रह लाख रुपये के जेवर बरामद किये। आरोपी कबीर के घर से एक लाख रुपये नकद बरामद किये। उक्त रुपये हिंडोली थाना इलाके से चुराये गये थे। सभी आरोपी रात्री का वक्त होने से अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गये । जिनका पुलिस टीमो द्वारा काफी पीछा किया गया लेकिन घना जंगल व नदी होने की वजह से सभी आरोपी फरार हो गये।

तालेड़ा थाना अधिकारी ने बताया कि तालेडा थाने के प्रकरण तथा हिंडोली थाना इलाके से शादी समारोह में चुराये गये सवा तीन लाख रुपये के पीछे एक ही गैंग का हाथ होना पाया गया। उक्त गैंग की पहचान कड़िया पचोर गैंग के रूप में हुई। यह गैंग पूरे भारत में शादी समारोह में बच्चों के द्वारा सोने चांदी के आभूषण व नकदी चुराती है।

रिफंड के नाम पर 2.82 लाख की ठगी

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती मथानिया स्थित नेवरा चारणान गांव में रहने वाले एक युवक को ऑनलाइन वजन बढ़ाने की दवा मंगाना भारी पड़ गया। शातिर ने रूपए रिफंड करवाने के नाम पर उससे 2.82 लाख की ठगी कर ली। नामजद आरोपियों के खिलाफ मथानिया थाने में मामला दर्ज कराया गया है। नेवरा चारणान स्थित जाटों की ढाणी निवासी सुखाराम की तरफ से रिपोर्ट दी गई है। इसमें बताया कि उसने अपने मोबाइल पर गत साल 19 अक्टूबर को एक ऑनलाइन विज्ञापन देखा था। जिसमें वजन बढ़ाने की बात कहते दवाई के बारे में लिखा था। दवाई काम नहीं करने पर पैसे रिफंड का बताया गया था। इस झांसे में आकर उसने 35 हजार रूपए ऑनलाइन पेमेंट कर दवाई को मंगाया था। मगर उसका वजन नहीं बढ़ने पर उसने वापिस दवा विक्रेता से संपर्क किया। तब उन लोगों ने पैसे रिफंड करने के लिए प्रोसेस फीस के तौर पर 1212 रूपए मांगे थे। इस बीच उसकी बातचीत ऑनलाइन दवा विक्रेताओं गजानंद शिवा, सोनू यादव, अमित, सोनू कुमार एवं राहुल से हुई थी। इन लोगों ने उससे प्रोसेस फीस और अन्य मदों का बताते हुए 2 लाख 82 हजार 66 रूपए अपने खातों में डलवा दिए।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

आरोपी एक फर्नीचर की दुकान पर काम करता था

पुलिस ने दुष्कर्म करने वाले आरोपी युवक को गिरफ्तार किया।

अजमेर, (कासं)। आदर्श नगर थाना क्षेत्र में कक्षा सातवीं में पढ़ने वाली 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म करने के मामले में आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नाबालिग पीड़िता की मां ने थाने में शिकायत देते हुए दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, पुलिस मामले जांच में जुट गई है।

- **पीड़िता को पहले दोस्ती करने के लिए दबाव बनाया था**
- **बाद में आरोपी ने घुमाने के बहाने जीजा के घर ले जाकर रेप किया था**

थाना प्रभारी चेनाराम बेडा ने बताया कि पीड़िता की मां की ओर से एक युवक के खिलाफ नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म करने का मामला दर्ज कराया था। पुलिस टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए मामले में हर्षित खेर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी एक फर्नीचर की दुकान पर काम करता था, जिसने पीड़िता को पहले दोस्ती करने के लिए दबाव बनाया था। इसके बाद आरोपी ने बहला-फुसलाकर घुमाने के बहाने ले अपने जीजा के घर ले जाकर रेप किया था।

पीड़िता की मां ने 15 फरवरी को थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, जिसमें बताया कि उसकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी है, प्राइवेट स्कूल में कक्षा सातवीं में पढ़ती है। 14 फरवरी को जब वह काम से बाहर गई थी, रास्ते में हर्षित नाम का लड़का मिला और बहला-फुसलाकर घुमाने के बहाने अपने साथ ले गया। लड़का बेटी को अपने जीजा के घर ले गया, जहां उसके साथ उसने दुष्कर्म किया। इसके बाद बेटी को उसके स्कूल के बाहर छोड़कर चला गया। बेटी ने घर आकर आपबीती बताई। इसके बाद रिपोर्ट दर्ज करवाई गई।

सड़क हादसे में दो की मौत

उदयपुर, (निसं)। बैकरिया थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में दो व्यक्तियों की मौत हो गई तथा तथा चार व्यक्ति घायल हो गए। बैकरिया थाना क्षेत्र मालवा चौराहा भूतवड़ रोड़ पर नाड़िया गांव के समीप बाइक ने बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में भूतवड़ निवासी सुरेश कुमार पुत्र खुमा, त्रिभुवन पुत्र मीनाराम, कलेश पुत्र सवाराम, देवा पुत्र मोहन गरासिया निवासी भूवतड़ घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर सभी घायलों को उपचार के लिए गोगुन्दा चिकित्सालय पहुंचाया। जहां सुरेश पुत्र खुमा की मौत हो गई तथा दो अन्य व्यक्तियों की मौत हो गई जिनकी शिनाख्त नहीं हो पाई । सुरेश व साथी घर से मालवा चोराहा जा रहै थे। जहां बीच रास्ते नाड़िया रोड़ पर अन्य बाइक ने चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मृतक का शव बैकरिया चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया है।

अलवर लोकसभा चुनाव: कांग्रेस को जीत के लिए बदलनी होगी रणनीति

अलवर, (निसं)। अलवर लोकसभा सीट पर 1952 से 2019 तक हुए लोकसभा चुनाव में अलवर से 16 सांसदों में से आठ यादव समाज एमपी लोकसभा में पहुंचे हैं जबकि वैश्य बनिया दो बार, ब्राह्मण दो बार और राजपूत दो बार इस सीट से जीतकर लोकसभा में पहुंचे है, एक बार कुमावत जाति ने अलवर में सीट जीत कर राजनीति को बदल दिया था लेकिन पिछले तीन चुनावों से यहां की सीट यादव बनाम यादव बन कर रह गई है। अगर इस बार भी समय रहते कांग्रेस ने जातीय समीकरण नहीं साधा तो फिर इस सीट पर भाजपा का यादव उम्मीदवार विजयी होगा हालांकि कांग्रेस ने जब भी यहां जातीय समीकरण बदला उसकी हमेशा जीत हुई है।

लोकसभा का पहला चुनाव 1952 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के भोलाराम ने जीता,1962 के चुनाव में काशीराम गुप्ता निर्दलीय विजयी रहे,1967 में भोलानाथ मास्टर,1971 के चुनाव में हरी प्रसाद शर्मा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस,1977 में रामजीलाल यादव भजपा,1980 एवं 1984 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के रामसिंह यादव, 1989 में जनता दल के रामजीलाल यादव विजय रहे।

1991 से भाजपा ने राजघराने से युवरानी महेन्द्र कुमारी को चुनाव मैदान में उतारकर पहली जीत हासिल की। 1996 में कांग्रेस के नवल किशोर शर्मा विजयी हुए। 1998 में घासीराम यादव ने जीत दर्ज की, 1999 में कांग्रेस का दामन छोड़ डाक्टर जसवंत यादव ने जीत दर्ज कराई। 2004 में कांग्रेस के डाक्टर कर्ण सिंह यादव ने वापिस सीट भाजपा से छीन ली। 2009 में भंवर जितेन्द्र सिंह ने कांग्रेस की टिकट पर सांसद का पहला चुनाव लड़कर जीत दर्ज कराई, 2014 के चुनाव में महंत चांद नाथ भाजपा के टिकट पर जीते और उनके स्वर्गवास होने पर यहां उपचुनाव 2018 में हुआ जिस पर कांग्रेस के लिए कर्ण सिंह यादव विजयी रहे इसके बाद 2019 में अलवर लोकसभा की सीट पर वापिस महंत बालक नाथ ने जीत दर्ज कर भाजपा का परचम लहराया। अलवर लोकसभा चुनाव में 1952 से 2019 तक तीन उप चुनाव हो चुके है।

1999 के बाद भाजपा ने यादव नेता के अलावा किसी भी अन्य जाति को लोकसभा का टिकट नहीं दिया है। इस बार भी भाजपा अपने दिग्गज नेता भूपेन्द्र सिंह यादव को इस बार होने वाले लोकसभा चुनाव में उतारने वाली है। कांग्रेस के पास कर्ण सिंह यादव के अलावा कोई दिग्गज यादव नेता नहीं है जो चुनाव लड़ सके। कर्ण सिंह भी उम्र दराज हो चुके है, इसलिए कांग्रेस या तो इस चुनाव में भंवर जितेन्द्र सिंह को या फिर किसी ब्रह्मण नेता को टिकट देती है तो उसकी जीत की सम्भावना बढ़ सकती है वरना इस बार भी सांसद की सीट भाजपा की ही झोली में जाएगी।

दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल का कारावास

बून्दी, (निसं)। कोचिंग गई नाबालिग पीड़िता को बहला फुसला भगा कर ले जाने और दुष्कर्म करने के मामले में पोक्सो कोर्ट क्रम संख्या एक ने आरोपी को 20 वर्ष के कठोर करावास की सजा तथा 130000 रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। विशिष्ठ लोक अभियोजक राकेश ठाकोर ने बताया कि शनिवार को पोक्सो कोर्ट क्रम संख्या एक के न्यायाधीश सलीम बदर ने निर्णय सुनाते हुए नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी गोलू उर्फ दीपू उर्फ दीपेंद्र पुत्र रमेश चंद वर्मा (23 वर्ष) को दुष्कर्म का दोषी मानते हुए 20 वर्ष के कठोर करावास की सजा तथा 130000 रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी करते हुए विशिष्ठ लोक अभियोजक राकेश ठाकोर ने 23 गवाह और 25 दस्तावेज पेश किए।

28 जुलाई 2022 को पीड़िता के पिता ने थाना में रिपोर्ट देते हुए बताया कि पीड़िता ताऊजी के पास रहती थी और कोचिंग जाती थी, जो 29 जुलाई को 1 बजे से लापता है। एक लड़का दीपू उर्फ गोलू जो बहुत दिनों से पीड़िता का पीछा कर रहा था पीड़िता उससे काफी भयभीत थी। पीड़िता के पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर थाना पुलिस जांच शुरू की। दस्तयाब करने पर पीड़िता ने बताया कि आरोपी दीपू उर्फ गोलू मुझे बहला फुसलाकर मुंबई ले गया था, जहां उसने मेरे साथ दुष्कर्म किया। मामले में जांच के बाद सदर थाना पुलिस ने न्यायालय में चालान पेश किया गया।

अन्नपूर्णा रसोई में आमजन को नहीं मिल रहा खाना

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी कस्बे में राज्य सरकार की ओर से संचालित अन्नपूर्णा रसोई का आमजन को लाभ नहीं मिल पा रहा है। रसोई में खाना बनाने वाले ठेकेदार का भुगतान नहीं होने की वजह से उसने खाना बनाना बंद कर दिया, जिसके चलते अन्नपूर्णा रसोई पर ताला लटका हुआ है। अन्नपूर्णा रसोई पर ताला लटका होने के कारण रसोई में खाना खाने के लिए आने वाले लोगों को बिना खाने के वापस लौटना पड़ रहा है।

- **भुगतान नहीं होने पर ठेकेदार ने कर दिया खाना बंद, अन्नपूर्णा रसोई पर ताला लटका**

अन्नपूर्णा रसोई का संचालन करने वाले ठेकेदार वेदपाल सिंह ने बताया कि अन्नपूर्णा रसोई में पिछले काफी समय से आमजन को भोजन मुहैया करवा रहे हैं, लेकिन पिछले जुलाई माह से उसका भुगतान नहीं होने से उसे आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। अन्नपूर्णा रसोई में खाने का भुगतान करने को लेकर कई बार विभाग के उच्च अधिकारियों को लिखित व व्यक्तिगत मिलकर भुगतान को लेकर अवगत करवाया जा चुका है, लेकिन अधिकारियों द्वारा भुगतान को लेकर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए जाने से उसे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि पिछले सात माह से भुगतान नहीं होने से उसके लाखों रुपए अटक गए हैं। जिसके चलते तीन दिन पहले भी विभाग के अधिकारियों के सामने भुगतान नहीं होने पर खाना बनाने को लेकर असमर्थता जताई थी। इसके बावजूद भी भुगतान को लेकर कोई प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, जिसके चलते उसने रसोई में बनने वाले खाने को बंद कर दिया। ठेकेदार द्वारा रसोई में खाना बंद कर देने से रसोई में आने वाले लोगों को रसोई पर ताला लगा देखकर वापस जाना पड़ा। ऐसे में राज्य सरकार की ओर से आमजन के लिए संचालित की गई अन्नपूर्णा योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में एसडीएम जय सिंह चौधरी ने बताया कि अन्नपूर्णा रसोई में भुगतान नहीं होने पर खाना नहीं मिलने की जानकारी आपसे मिली है। इस संबंध में नगरपालिका के अधिकारियों से बात कर जल्द ही अन्नपूर्णा रसोई का संचालन सुचारू रूप से करवाया जाएगा।

बहु ने ससुर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया

अजमेर, (कासं)। रिश्तों को शर्मसार करने वाला एक मामला अलवर गेट थाना क्षेत्र में सामने आया है। एक बहु ने अपने ससुर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पीड़िता ने एसपी को शिकायत दी है। एसपी के निर्देश पर अलवर गेट पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। शिकायत में पीड़ित बहु ने बताया कि घटना की जानकारी उसने अपने पति व सास को दी थी, लेकिन समाज में परिवार की इज्जत का हवाला देकर उसे शांत कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **पीड़िता ने एसपी को शिकायत दी, अलवर गेट पुलिस ने एफआईआर दर्ज की**

पुलिस को दी शिकायत में पीड़ित बहु ने बताया कि 29 मई 2023 को उसकी धोलाभाटा निवासी युवक से उसकी शादी हुई थी। 17 अगस्त को उसका पति छत पर कसरत करने के लिए गया था, वह अपने कमरे में जाकर सो गई। इसी दौरान ससुर कमरे में आया और छेड़छाड़ करने लगा। अचानक नींद खुली तो वह चिल्लाई, तभी उसकी सास और पति कमरे में आ गए। सास ने ससुर को धक्का देकर माफी मंगवाई और परिवार की इज्जत का हवाला देकर उसे चुप करवा दिया।

घर में आते-जाते करता छेड़छाड़ :- पीड़ित बहु ने बताया कि कुछ दिनों बाद जब सास की तबीयत खराब रहने लगी, इसके बाद से ससुर उसके साथ आते-जाते छेड़छाड़ करता। इसकी शिकायत उसने अपने पति से भी की थी। परेशान होकर नवंबर 2023 में वह अपने पीहर आ गई। 21 नवंबर को वह अपने ससुराल के हॉल में अकेली थी, जहां ससुर पहुंचा और दोस्ती करने के लिए दबाव बनाने लगा। इसके बाद वह सदमे में आ गई। इसकी शिकायत उसने अलवर गेट थाने में दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ससुराल द्वारा परिवार को भी प्रताड़ित किया गया। परेशान होकर एसपी को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। एसपी के निर्देश पर अलवर गेट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जैसलमेर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान की उपस्थिति में पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज के आसमान से दिल दहला देने वाली आवाजें, बमबारी का शोर और आकाशवीरों का आसमान में कब्जा कर दुश्मन के काल्पनिक ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। दुश्मन ने जैसे ही हमला किया उसके थोड़ी ही देर में वायुसेना के वीरों ने आसमान में फाइटर विमानों से बमबारी की तो दुश्मन के काल्पनिक ठिकाने मलबे में तब्दील हो गए। वायुशक्ति-24 युद्धाभ्यास में वायुसेना के 121 लड़ाकू विमानों ने अचूक निशानों से दुश्मन के छक्के छुड़ा दिए। मौसम में खुली ठंडक के बावजूद आसमान से हुई बमों की बारिश से जमीन पर रेत के गुबार उठे। हर तीन साल में होने वाली इस एक्सरसाइज में इस बार 77 फाइटर जेट, 41 हेलिकॉप्टर, 5 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट सहित कुल 121 एयरक्राफ्ट शामिल हैं। वायु शक्ति युद्धाभ्यास में वायुसेना के मिराज 2000, राफेल, तेजस, प्रचंड, सुखोई 30 एमकेआई, मिग 27, जगुआर, तेजस, हावक, मिग 21, एमआई 35 व मिग 35 सहित कई फाइटर विमानों ने दुश्मनों के ठिकानों के साथ उनकी मंशा को भी तबाह कर दिया।

माली समाज की नई पहल : सामूहिक विवाह सम्मेलन में कई वर-वधू नहीं लेंगे कोई भी उपहार

उपहार नहीं लेने का लिखित में आयोजकों को आग्रह पत्र दिया, समाज ने किया स्वागत

नागौर, (निसं)। विवाह समारोह में अनेक लोगों द्वारा वधू पक्ष की ओर से स्वेच्छा से दिये गये टीका, नकद राशि व भेंट सामग्री को लेने से मना किया जा रहा है। वहीं सामूहिक विवाह सम्मेलन में भी आयोजकों की ओर से वर वधू को दिए जाने वाले उपहार को भी लेने से मना करके सादे तरीके से शादी करने की अनुकरणीय पहल सामने आई है। आगामी 12 मार्च को सैनिक क्षत्रिय माली समाज की ओर से नागौर में होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में वर वधू के कई परिजनों ने उपहार लेने से मनाकर लिखित में आयोजकों को आग्रह पत्र दिया है।

सैनिक क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति पदाधिकारी सहित समस्त माली समाज के लोगों ने आयोजकों को आग्रह पत्र दिया।

सैनिक क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति पदाधिकारी सहित समस्त माली समाज ने इस पहल का स्वागत करते हुए समाज सुधार की ओर एक और अच्छा कदम बताया है। विवाह समिति के संयोजक राजेंद्र पंवार ने बताया कि ताऊसर के बास भीटीयाणीसर के हरकाराम पुत्र सोहनलाल ने अपने पुत्र के विवाह में समाज द्वारा प्रदत्त किसी भी प्रकार का उपहार या सामान लेने से मना कर समाज में एक अनुकरणीय पहल कर माली समाज ही नहीं अन्य समाजों के के समक्ष एक नवीन उदाहरण प्रस्तुत किया है। वर ताराचंद का विवाह राठौड़ी कुआं निवासी वतन सांखला की पुत्री भावना के साथ होगा जिनकी जोड़ी नंबर 31 पर पंजीकृत है। इसी प्रकार कुचेरा निवासी मूलचंद पुत्र दयाल राम ने भी किसी प्रकार का कोई उपहार लेने से मना किया है। दूल्हा धीरज टाक का विवाह सोनू पुत्री रामकिशोर के साथ होगा जिनकी जोड़ी नंबर 18 पंजीकृत है।

माली समाज अध्यक्ष कृपाराम देवड़ा ने बताया कि इस प्रकार के जागरूक स्वजातीय समाज बंधुओं से ही समाज आर्थिक ही नहीं सामाजिक रूप से भी निरन्तर विकास करता है। अब तक पूर्व में हो चुके समाज के तीन सामूहिक विवाह सम्मेलन में 315 जोड़ों का विवाह संपन्न करवाया गया था। यह पहला अवसर है जब समाज बंधुओं ने नई पहल की है। जिसको देखकर और भी समाज बंधु जागरूक होंगे। उन्होंने बताया कि समाज के ऐसे जागरूक बुद्धिजीवी बंधुओं को सामूहिक विवाह सम्मेलन में समारोह पूर्वक सम्मानित किया जाएगा। हम भी चाहते हैं कि सम्मेलन का आयोजन पूर्णतया सादगी के साथ करें। इस पहल से एक नई दिशा मिलेगी।

एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत को भाई ने हत्या करना बताया

परिवादी का आरोप है कि उसके भाई की हत्या संपति हड़पने की नियत से की है

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के गंगापुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत को उसके भाई ने हत्या बताते हुये केस दर्ज करवाया है। परिवादी का आरोप है कि उसके भाई भंवर लाल की हत्या उसके नाम की चल-अचल संपति को हड़पने की नियत से जहरीली वस्तु खिला-पिला कर की गई है।

- **आरोप है कि उसके भाई के कोई संतान भी नहीं थी तथा उसके पास काफी संपत्तियां थी**

मिठूलाल पुत्र स्व. मोहनलाल माली ने रिपोर्ट दी जिसमें उसने बताया कि वह और भंवरलाल पुत्र मोहनलाल माली दोनों सगे भाई हैं। दोनों अपना-अपना जीवन निर्वाह करते आये हैं। परिवादी ने रिपोर्ट में बताया कि उनकी माता लाली बाई की मौत 29 फरवरी 2020 को हो गई थी। इसके बाद परिवादी के भाई भंवर लाल, उसकी पत्नी ऐजी बाई के साथ जीवन निर्वहन कर रहा था। 23 फरवरी 2021 को ऐजी बाई जो कि उसकी सगी भाभी थी उसकी मौत हो गई थी। पारिवारिक सदस्य की हैसियत से माता एवं भाभी की मौत पर उनके अंतिम कार्यक्रमों में आरोपित सुरेशचंद्र, सुंदरलाल एवं श्यामलाल पुत्र देवीलाल माली, प्रकाश पुत्र सुरेशचन्द माली व अन्यों ने शामिल होने नहीं दिया। परिवादी की भाभी एजी बाई की मौत के बाद भाई भंवरलाल को अपने पास लाने के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन इन चारों सुरेशचंद्र, सुंदरलाल व श्यामलाल पुत्र देवीलाल माली, प्रकाश पुत्र सुरेशचन्द माली द्वारा उनकी चल अचल संपत्ति हड़पने की नियत से उन्हें अपने कब्जे में कैद कर लिया। मैंने अपने भाई से मिलने के लिए काफी प्रयास किए लेकिन इन चारों की दबंगई के कारण नहीं मिल पाया। इतना कुछ होने के बाद परिवादी के भाई भंवरलाल इन चारों के कब्जे में होते हुए अपने आवास पर 8 अगस्त 2021 को उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

परिवादी का आरोप है कि उसके भाई के कोई संतान भी नहीं थी तथा उसके पास काफी चल अचल संपत्तियां होने के कारण इन चारों ने हम सलाह होकर कुछ संपत्तियां हड़प ली है। कुछ संपत्तियां हड़पने का प्रयास कर रहे हैं। परिवादी ने अपने भाई भंवरलाल की मौत पर संदेह होने पर सीएचसी गंगापुर मोर्चरी पर एक रिपोर्ट पेश कि थी जिस पर गंगापुर पुलिस ने मर्ग दर्ज किया गया था, जिस पर अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। परिवादी का आरोप है कि उसके बड़े भाई भंवरलाल के कोई संतान व वारिस नहीं होने का फायदा उठाकर उससे परिवादी व किसी भी परिवारजन को नहीं मिलने दिया जाकर उसके नाम की चल-अचल संपत्ति को हड़पने की नियत से परिवादी के भाई भंवरलाल को सुन्दरलाल माली, सुरेशचंद्र, श्यामलाल माली तथा प्रकाश माली व अन्य ने षड्यंत्र रचकर जहरीली वस्तु खिला-पिला कर हत्या की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी।

सब्जी से भरे टेम्पो को ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मारी, तीन की मौत

हादसे के बाद चालक मौके से फरार, ट्रैक्टर-ट्रॉली साइड में खेत में पलट गई

धौलपुर, (निसं)। राजाखेड़ा क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सब्जी से भरे टेम्पो को टक्कर मार दी। जिससे टेम्पो सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक मौके से फरार हो गया। घटना दिहोली थाना क्षेत्र के राजाखेड़ा-धौलपुर मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास शनिवार अलसुबह की है।

कांस्टेबल महेश ने बताया कि टेम्पो में सवार हरिओम (22) पुत्र जगदीश और जसवंत (30) पुत्र बाबूलाल और टेम्पो चालक अजोध्या (38) पुत्र कुंदन तीनों मरैना के रहने वाले थे। टेम्पो चालक अजोध्या सुबह मरेना से सब्जी लेकर धौलपुर आ रहा था। जिसके साथ हरिओम और जसवंत केलादेवी दर्शन के लिए जा रहे थे। इस दौरान राजाखेड़ा-धौलपुर मार्ग पर धौलपुर की तरफ से राजाखेड़ा ईंट लेने जा रहे खाली ट्रैक्टर ट्रॉली ने टेम्पो को टक्कर मार दी। जिससे टेम्पो सवार हरिओम, जसवंत और टेम्पो चालक अजोध्या की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद ट्रैक्टर-ट्रॉली साइड में खेत में पलट गई। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल की मॉर्चरी में रखवाया। जहां पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिये। कांस्टेबल महेश ने बताया कि घटना को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

- मृतक जसवंत और हरिओम चचेरे भाई थे जो कैलादेवी दर्शनों के लिए जा रहे थे

मरैना निवासी सरदार सिंह ने बताया कि जसवंत और हरिओम आपस में चचेरे भाई होने के साथ ही गहरे मित्र भी थे जो हर माह कैला देवी दर्शनों के लिए जाते थे। शनिवार सुबह भी जसवंत और हरिओम टेम्पो में बैठकर कैला देवी दर्शनों के लिए घर से निकले थे, लेकिन दिहोली थाने के पास पेट्रोल पंप के पास ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक ने टेम्पो में टक्कर मार दी। जिससे हादसे में तीनों की मौत हो गई। सरदार सिंह ने बताया कि जसवंत दो भाइयों में सबसे बड़ा था, उसकी शादी 6 साल पहले हुई थी। वह खेती-बाड़ी और मजदूरी का काम करता था। जसवंत के तीन माह का बेटा और एक 5 साल की बेटी है। वहीं हरिओम तीन भाइयों में सबसे छोटा था, हरिओम के बड़े भाई मानसिंह की करीब 6 महीने पहले ही बीमारी से मौत हो चुकी है। बीच का भाई बृजेश खेती-बाड़ी का काम करता है। हरिओम भी अपने भाई के साथ खेती-बाड़ी का काम संभालता था। वहीं टेम्पो चालक अयोध्या खेती बाड़ी के साथ टेम्पो चलाने का काम करता था।

बीकानेर में एक ही दिन में स्वाईन फ्लू के 13 रोगी मिले

स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, पीबीएम अस्पताल में इस बीमारी के लिए अलग से वार्ड बनाया

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में स्वाईन फ्लू विस्फोट हो गया है। यहां एक ही दिन में तेरह स्वाइन फ्लू रोगी सामने आए हैं, जिसके बाद हेल्थ डिपार्टमेंट अलर्ट मोड परआ गया है।

पीबीएम अस्पताल में इस बीमारी के लिए अलग से वार्ड बना दिया गया है, वहीं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अब 'टेमीफ्लू' दवाका स्टॉक चैक कर रहे हैं। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज में होने वाली जांच में ये चौंकाने वाले टेस्ट रिजल्ट सामने आए हैं। सप्ताह में एक दिन मेडिकल कॉलेज में इन सेंपल की जांच होती है, जिसमें एक साथ तेरह स्वाइन फ्लू पॉजिटिव पहली बार सामने आए हैं। इनमें दो रोगी बीकानेर शहर के हैं, जिसमें एक बड़ा बाजार और दूसरा रत्ताणी व्यासों के चौक के पास रहने वाला है। खाजूवाला, छतरगढ़ और लूणकरनसर का भी एक-एक पॉजिटिव केस सामने आया है। वहीं चूरू जिले के रतनगढ़ से भी एक रोगी में स्वाइन फ्लू की पुष्टि हुई है। सीएमएचओ डॉ. अबरार पंवार ने बताया कि 13 रोगी पॉजिटिव आए हैं, जिसमें बारह बीकानेर जिले के हैं जबकि एक चूरू के रतनगढ़ का है। रोगी जहां रहते हैं, उसके आसपास के क्षेत्र में टेमी फ्लू की दवाएं दी जा रही है। रेंडम सर्वे भी कराया जा रहा है, लोगों के सैंपल लिए जाएंगे ताकि और रोगी सामने आ सके।

- सीएमएचओ ने बताया कि बारह रोगी बीकानेर जिले के हैं जबकि एक चूरू के रतनगढ़ का है

70 मजदूरों से भरी स्लीपर बस पलटी, 26 घायल

बून्दी, (निसं)। शनिवार अलसुबह चार बजे एनएच-148 डी पर बूंदी-टोंक सीमा के पास 70 मजदूरों से भरी एक स्लीपर बस पलट गई, जिसमें 26 मजदूर घायल हो गए।

मनोहर थाना से टोंक जा रही बस बूंदी जिले की सीमा पार कर टोंक जिले के नगर कस्बे के पास पहुंची, जहां रात के अंधेरे में चालक के संतुलन बिगड़ने से बस पलट गई, जिससे बस में सवार मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना की सूचना पर आस-पास के ग्रामीणों ने यात्रियों को बस से निकालकर नैनवां अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना में नाहर सिंह, नर्मदा बाई, अजोध्या बाई, बने सिंह, सुगना बाई, ललित भाई, रामभरोस, रमेश, बनकरलाल, दरियाब सिंह, रामराज, रोड़ीलाल, बनकर, लाखन, बद्री, दयाराम, चंपा बाई, रोड़ीलाल, कन्हैयालाल, विजय सिंह, विनोद, रमेश, बादाम, इंद्र सिंह, संजू, रामदयाल घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

स्लीपर बस पलटने से मजदूर घायल हो गये।

घायलों ने बताया कि शुक्रवार रात को करीब 70 मजदूर मनोहरथाना से एक स्लीपर बस से टोंक मजदूरी करने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान सुबह करीब चार बजे टोंक और बूंदी जिले की सीमा पर नगर थाना क्षेत्र में हाईवे पर अचानक बस का संतुलन बिगड़ गया और सड़क किनारे पलट गई। दुर्घटना की सूचना पर आस पास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। इसके चलते नगर और नैनवां पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस से नैनवां उप जिला अस्पताल पहुंचाया।

अलग-अलग सड़क हादसों में दो की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के बनाड़ और बोरानाडा पुलिस थाना क्षेत्र में हुए सडक़ हादसों में अधेड़ एवं युवक की मौत हो गई। संबंधित थाना पुलिस ने कार्रवाई के उपरांत शव परिजन को सुपुर्द कर दिए।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि जालखा, पीपाड़ सिटी हाल साजन लीला विहार नादड़ी के रहने वाले श्रवणदास ने रिपोर्ट दी कि उसके पिता भैरूदास वैष्णव बाइक लेकर देवलिया स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने से निकल रहे थे। तब किसी पिकअप वाहन के चालक ने उन्हें चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने पर उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया। मगर डॉक्टर ने उन्हें मृत बता दिया। इस बारे में अब बनाड़ पुलिस पिकअप और चालक का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

इधर बोरानाडा थाने के एएसआई भरतलाल ने बताया कि बालोतरा जिले के गिड़ा थानान्तर्गत खोखसर निवासी 25 वर्षीय परमेश्वर पुत्र प्रेमाराम जाट यहां जोधपुर में फैक्ट्री में काम करता था। वह अपने किसी परिचित के साथ बाइक पर बैठ कर आशापूर्णा सिटी रोड से निकल रहा था। वह बाइक के पीछे बैठा। तब किसी अन्य बाइक सवार से उनकी गाड़ी टकरा गयी। हादसे में परमेश्वर के सिर पर चोट लगने के साथ ब्रेन हेमरेज हो गया। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। अस्पताल लाए जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। एएसआई भरतलाल ने बताया कि मृतक के चाचा भगाराम जाट ने इस बारे में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

- बाइक को पिकअप वाहन ने चपेट में ले लिया था
- संबंधित थाना पुलिस ने कार्रवाई के उपरांत शव परिजन को सुपुर्द कर दिए

10 हजार का वांछित इनामी आरोपी गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। जिले में पूगल थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपए के वांछित इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय द्वारा चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत की। जिसमें 10 हजार रुपए के इनामी वांछित आरोपी खुदाबख्स उर्फ अली खां को गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार 25 अक्टूबर 2023 को परिवादी ने मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री 24 अक्टूबर से घर से खेत जा रही थी। रास्ते में एक बिना नबरी सफेद रंग की बोलेर गाड़ी आई। गाड़ी में सवार अली खां ने उसकी पुत्री के पास गाड़ी रोककर गलत तरीके से पकड़ा व गाड़ी में सवार एक अन्य लड़के ने गाड़ी से नीचे उतरकर आया व उसकी लड़की को जबरदस्ती गाड़ी में डालने का प्रयास किया। इस दौरान उसकी लड़की चिल्लाई तो आरोपी वहां से भाग गये। परिवादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के डर से आरोपी फरार हो गए। जिस पर पुलिस अधीक्षक ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया।

पांचवी बोर्ड की परीक्षा देरी से होने के आसार

बीकानेर, (निसं)। प्रदेश में इस बार पांचवीं बोर्ड परीक्षा देरी से होगी। आम तौर पर ये परीक्षा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की परीक्षाओं के साथ होती है लेकिन इस बार इसे समान परीक्षा योजना के साथ कराने का मानस है।

दरअसल, राज्यभर के सरकारी और प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाले 14 लाख 77 हजार स्टूडेंट्स इस एग्जाम में हिस्सा ले रहे हैं। प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने बताया कि इस बार ये परीक्षा 15 अप्रैल के आस-पास शुरू हो सकती है। फिलहाल परीक्षा कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षा की ओर से हर साल पांचवीं और आठवीं बोर्ड परीक्षा करवाई जाती है।

- 'इस बार परीक्षा 15 अप्रैल के आस-पास शुरू हो सकती है'

इस बार भी आठवीं बोर्ड परीक्षा माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर की परीक्षाओं के साथ ही मार्च महीने में आयोजित होगी, लेकिन पांचवीं बोर्ड की परीक्षा की तारीख में बदलाव किया जा रहा है। पूर्व में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं के साथ ही एक पारी में एक दिन पांचवीं बोर्ड और दूसरे दिन आठवीं बोर्ड की परीक्षा हो जाती थी। इस बार ऐसा नहीं होगा। अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में हो।

आपसी विवाद में बच्चे को लगी गोली, जयपुर रैफर

दो परिवारों के बीच लेनदेन और गाय को लेकर विवाद था, तीन राउंड फायर किये थे

धौलपुर, (निसं)। दो परिवारों के बीच आपसी विवाद में एक 10 साल के बच्चे के गोली लग गई। हादसे के बाद उसे हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां से उसे जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में रैफर कर दिया गया है। घटना धौलपुर जिले के सोने का गुर्जा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात 11 बजे सुख सिंह पुरा गांव की है। बताया जा रहा है कि दोनों परिवारों के बीच आपसी लेनदेन और गाय को लेकर विवाद था और इसी के चलते दोनों पक्ष आमने-सामने हुए थे। पुलिस ने बताया कि अभी तक पीड़ित पक्ष की ओर से कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है।

थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह ने बताया कि गांव में ही रहने वाले देवेंद्र और बिजेंद्र के बीच विवाद था। पूर्व में निजामपुर गांव के रहने वाले किसी युवक की गाय जंगल में आ गई थी। जिसे देवेंद्र अपने साथ लेकर आ गया। इसके बाद गाय को ढूंढते-ढूंढते निजामपुर गांव के लोग आ गए और अपनी गाय को साथ ले गए। गाय के चले जाने पर देवेंद्र ने पड़ोसी देवीराम पुत्र हरविलास और बिजेंद्र पर निजामपुर गांव के लोगों से चुगली करने का आरोप लगाया। इसी के बाद से दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया था।

इधर, शुक्रवार को इन दोनों के बीच आपसी विवाद को लेकर कहासुनी हो गई थी। इसके बाद बिजेंद्र पक्ष के लोग देवेंद्र के घर में गए और तीन राउंड फायर कर दिए। इस पर एक गोली कमरे में सो रहे देवेंद्र के 10 साल के बेटे धर्मवीर को पेट में जा लगी। बच्चे की हालत बिगड़ती देख परिजन उसे धौलपुर के जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां से उसे जयपुर रेफर कर दिया गया है। घटना को लेकर थाना प्रभारी ने बताया कि मौके से आरोपी पक्ष फरार है। जिनकी तलाश की जा रही है। वहीं पीड़ित पक्ष को लेकर अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है।

छात्रा से गलत काम कर वीडियो बनाया, तीन गिरफ्तार

बीकानेर, (निसं)। श्रीडूंगरगढ़ थाना पुलिस ने स्कूली छात्रा से गलत काम करने व वीडियो बनाने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, परिवादी ने मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री को घर से स्कूल जाते समय बहला-फुसलाकर आरोपी देवीलाल गोस्वामी अपनी मोटरसाईकिल पर बैठाकर स्कूल से आगे खेतों के रास्ते की तरफ ले गया। लड़की ने विरोध किया तो जान से मारने की धमकी दी व खेत में बने एक मकान में ले जाकर उसके साथ गलत काम किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी अमर गिरी व घनश्याम गिरी ने घटना का वीडियो बना लिया। पुलिस ने आरोपियों के घर पर दबिश दी, लेकिन आरोपी वहां से फरार हो गए। लेकिन पुलिस ने आरोपियों का पता लगाकर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। जिसमें देवकरण पुत्र तोलगिरी गुंसाई, अमरगिरी पुत्र मालगर गुंसाई व घनश्याम पुत्र सांवरगर गोस्वामी है।

बजरी स्टॉक अनियमितता पर 17.17 करोड़ की शास्ति राशि जमा कराने का नोटिस जारी

विभाग द्वारा मौके पर उपलब्ध बजरी के स्टॉक की 1.62 टन प्रति घनमीटर के अनुसार गणना की गई है

जयपुर, (निसं)। टोंक जिले के पलाड़ा, डोडवारी, मूण्डियां, साईदाबाद और मंडावर में बजरी खनन लीज धारकों के बजरी स्टॉक अनियमितता औरं अंतर पाने पर करोड़ों रुपए के सरकारी राजस्व का नुकसान पाया है। माइंस विभाग द्वारा इस पर कार्यवाही करते हुए खननकर्ताओं पर 17 करोड़ 17 लाख 65 हजार 45 रु. की शास्ती जमा कराने के नोटिस जारी किए हैं।

राज्य सरकार द्वारा 15 जनवरी से 31 जनवरी तक अवैध खनन गतिविधियों के खिलाफ चलाये गये राज्यव्यापी अभियान के दौरान विभाग द्वारा कराई जांच और मौके पर उपलब्ध स्टॉक में अंतर पाये जाने पर टोंक के सहायक खनिज अभियंता द्वारा नियमानुसार शास्ती लगाते हुए राशि जमा कराने के नोटिस जारी किये गये हैं। विभाग द्वारा मौके पर उपलब्ध बजरी के स्टॉक की 1.62 टन प्रति घनमीटर के अनुसार गणना की गई है। टोंक के मण्डावर में विभाग द्वारा 510694.63 टन बजरी का स्टॉक आंका गया जबकि संबंधित द्वारा 370114 टन स्टॉक ही दर्शाया गया। इस प्रकार 1,40,580.93 टन अधिक स्टॉक पाया गया। इस पर नियमानुसार 7 करोड़ 02 लाख 90 हजार 315 रु. की शास्ति लगाई गई है। इसी तरह से डोडवाडी में 238583.84 टन बजरी का स्टॉक आंका गया जबकि संबंधित द्वारा 246893 टन ही स्टॉक में दर्शाया गया। इस प्रकार 8309.16 टन स्टॉक कम पाया गया। इस पर नियमानुसार 41 लाख 54 हजार 580 रु. की शास्ती लगाई गई है।

टोंक के ही मुण्डिया में 422560.26 टन स्टॉक आंका गया जबकि संबंधित द्वारा 528906 टन स्टॉक पोर्टल पर दर्शाया हुआ था। इस प्रकार 1,06,345.74 टन स्टॉक मौके पर कम पाया गया। इस पर 5 करोड़ 31 लाख 72 हजार 870 रु की शास्त्री लगाई गई है। इस तरह से इन तीन स्थानों की मय कंपाउंड राशि 12 करोड़ 76 लाख 77 हजार 765 रुपए की शास्ती लगाते हुए नोटिस दिया गया है।

इसी प्रकार से टोंक के ही पालड़ा में विभाग द्वारा 614796.91 टन बजरी स्टॉक आंकलित किया गया है जबकि संबंधित द्वारा 616598 टन ही स्टॉक पोर्टल पर दर्शा 1801.09 टन कम स्टॉक बताया गया है। इस पर 9 लाख 545 रु. की शास्ती लगाई गई है। टोंक के ही सईदाबाद में 467270.31 टन स्टॉक आंका गया है जबकि संबंधित द्वारा पोर्टल पर 413750 टन स्टॉक दर्शाया गया है। इस तरह से 53520.35 टन अधिक स्टॉक बताया गया है।

इस पर 2 करोड़ 67 लाख 60 हजार 175 रु. की शास्ती लगाई गई है। टोंक के ही मुण्डिया में 239482.12 टन स्टॉक होना चाहिए था जबकि पोर्टल पर 206749 टन स्टॉक दिखाया गया है। इस तरह से 32733.12 टन अधिक स्टॉक दिखाया गया है। जिस पर नियमानुसार एक करोड़ 63 लाख 66 हजार 560 रु. की शास्ती लगाई गई है। इस तरह से इन तीन स्थानों की मय कंपाउंड राशि 4 करोड़ 40 लाख 87 हजार 280 रु. की शास्ती लगाते हुए सहायक खनिज अभियंता संजय शर्मा द्वारा नोटिस दिया गया है।

मंडोर चामुण्डा माता मंदिर से मां चामुण्डा की मूर्ति उखाड़ ले गए चोर

सुबह लोग मंदिर में पूजा करने पहुंचे तो घटना का पता लगा, राजपूत समाज ने विरोध जताया

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकट मंडोर स्थित नागादड़ी के पास में आए मां चामुण्डा माता मंदिर में शनिवार की तड़के असामाजिक तत्वों ने प्रवेश कर दीवार में लगी मां चामुण्डा की मूर्ति उखाड़ ले गए। मूर्ति स्थल के पास में ही काला कपड़ा डालने के साथ पत्थर रखे गए हैं। दीपक को भी बुझा दिया गया है। सुबह जब लोग मंदिर में पूजा करने पहुंचे तो घटना का पता लगा। इसको लेकर राजपूत समाज ने विरोध जताया और मंदिर स्थल पर जमा हो गए। मंडोर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मौका स्थल छाना। आशंका है कि किसी ने तड़के यहां पर टोना टोटका करने के बाद मां की प्रतिमा को उखाड़ ले गए। पुलिस गहनता से जांच कर रही है।

मंडोर स्थित नागादड़ी के निकट मां चामुण्डा का मंदिर आया है। सुबह कुछ लोग पूजा करने पहुंचे तो पता लगा कि मंदिर में लगी माता चामुण्डा की मूर्ति चोरी कर ली गई है। साथ ही मूर्तिस्थल के पास में जौ के दाने और काला कपड़ा डाल रखा है। पास में ही छोटे-छोटे तीन चार पत्थर रखे गए है।

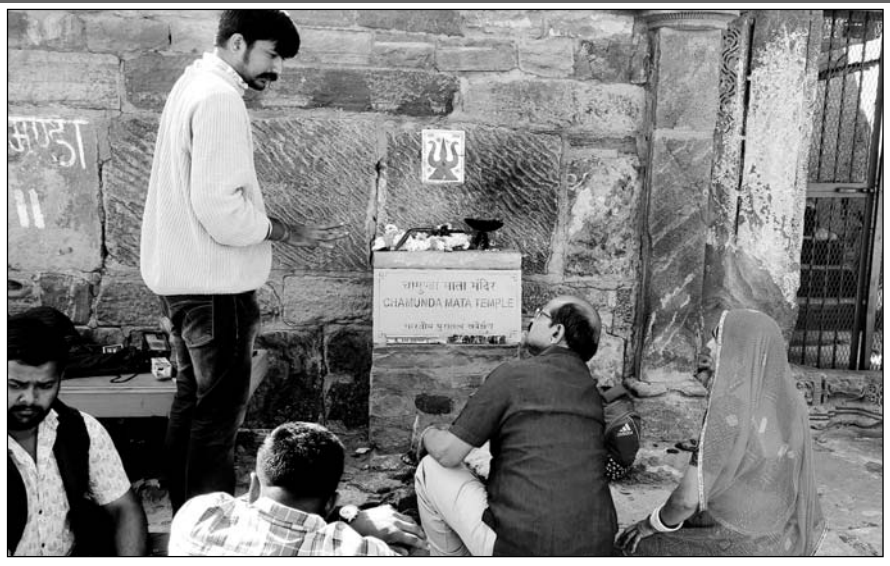

जोधपुर के निकट मंडोर स्थित नागादड़ी के पास में आए मां चामुण्डा माता मंदिर में मूर्ति को चोर उखाड़ ले गए। सुबह जब लोग मंदिर में पूजा करने पहुंचे तो घटना का पता लगा।

वहीं माता के लिए प्रज्जवलित किए गए अखंड दीपक को भी बुझा दिया गया है। इसका पता लगने पर राजपूत समाज के लोग मंदिर परिसर पर एकत्र हो गए। बाद में मंडोर पुलिस को सूचना मिलने पर मौका मुआयना किया गया। मंदिर जिस स्थान पर आया है वहां पास में पहाड़ी इलाका है। पुलिस ने आसपास के पहाड़ी इलाके की छानबीन शुरू की है। साथ ही झाड़ियों में भी आलामात तलाशे गए। मौका स्थल पर जमा राजपूत समाज के लोगों ने घटना को लेकर निंदा करने के साथ असामाजिक तत्वों को तत्काल पकड़ने की मांग की है।

- आशंका है कि मां चामुण्डा की भक्ति करने वाले किसी शख्स ने जादू टोना के इरादे से यह सब किया होगा

जिस प्रकार से वहां पर सामग्री मिली है उससे इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह काम किसी चोर का नहीं हो सकता है। वहां काला कपड़ा, छोटे- छोटे पत्थर और जौ के दाने रखने के साथ यह आशंका बनी है कि मां चामुण्डा की भक्ति करने वाले किसी शख्स ने जादू टोना के इरादे से यह सब किया होगा। जाते हुए वह मां की पूजा अर्चना कर दीवार में लगी मूर्ति को उखाड़ अपने साथ ले गया है। फिलहाल पुलिस मामले की तह तक जाने का प्रयास कर रही है। आरोपी पकड़े जाने के बाद ही वास्तविक कारण का पता लग पाएगा।

ससुराल में युवक ने फांसी लगाई

मृतक के भाई ने सास पर झगड़ा करने का आरोप लगाया

धौलपुर, (निसं)। बसेड़ी थाना क्षेत्र के गुर्जा गांव के पास एक युवक ने पेड़ से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। ग्रामीणों ने हादसे की सूचना बसेड़ी पुलिस को दी।

मौके पर पहुंची बसेड़ी थाना पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारकर अस्पताल भिजवाया। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं, युवक के बड़े भाई ने ससुराल वालों पर उसे आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है।

मृतक के बड़े भाई धर्मेंद्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि, उसका छोटा भाई बबलू पुत्र निहाल सिंह, निवासी सहरौली की शादी 26 फरवरी 2023 को सोनी पुत्री गोविन्द सिंह, निवासी नौनेरा, सलेमपुर बसेड़ी के साथ हुई थी। शादी के बाद ससुराल वालों के दबाब में आकर बबलू अपनी ससुराल में ही रह रहा था।

उसने अपने गांव और परिवार वालों से पैसे उधार लाकर अपने ससुराल वालों को दिए। बबलू ने एक ट्रैक्टर और एक बाइक भी कर्ज लेकर खरीदी थी। जिसे ससुराल वालों ने जबरन अपने और अपने रिश्तेदारों के नाम करा लिया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि शुक्रवार शाम को बबलू का उसकी सास के साथ झगड़ा हो गया। जिसके बाद उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। भाई की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दंपति व बेटे पर चाकू व पत्थरों से हमला

भीलवाड़ा, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र में आयोजित शादी समारोह में गये दंपति व बेटे पर कुछ लोगों ने चाकू व पत्थरों से हमला कर दिया।

कोतवाली पुलिस के अनुसार, कांवाखेड़ा कच्ची बस्ती निवासी प्यारी पत्नी मोहन बागरिया ने थाने में रिपोर्ट दी कि वह, उसका पति मोहन बागरिया व बेटा लादु बागरिया कल शाम को घर के बाहर बैठे थे, जहां उसके भतीजे एकलिंग की लड़कियों की शादी थी। उसकी बारात ग्राम ईरास से आई थी। इसके बाद परिवादिया के भतीजे एकलिंग के कहने पर वह, उसका पति व बेटा खाना खाने के लिए बैठे थे। परिवादिया के पोते ने पुडी मांगी तो उसने अपने ब्याई नजरिये से बच्चे को पुड़ी रखने के लिए बोला। इस पर ब्याई नजरिया व उसके साथ चिन्या बागरिया, तोलिया बागरिया, मोती बागरिया व गोरया बागरिया व परिवादिया का भतीजा एकलिंग व उसकी पत्नी 20-25 अन्य बाराती उन पर टूट पड़े व लात घूसों से परिवादिया, उसके पति व पौते के साथ मारपीट करने लगे। ब्याई नजरिये ने परिवादिया के पति मोहन पर चाकू से वार किया जिससे उसके चेहरे पर गम्भीर चोट आई। परिवादिया व लादू के सिर पर पत्थर से वार किया, जिससे सिर फट गया। पीड़िता का कहना है कि केवल पुड़ी मांगने की बात पर यह हमला किया गया।

आम सूचना सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री ललित मेहरा पुत्र श्री श्रीचंद मेहरा के कब्जे व स्वामित्व की सम्पति प्लॉट नं. 35, दुर्गा विहार, सेक्टर-3, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर में स्थित है, जिसके मालिकाना हक का निर्णय दिनांक 13.04.2022 को उपखण्ड अधिकारी, जयपुर द्वितीय (सांगानेर) द्वारा पारित किया हुआ है, परंतु मेरे अभिभाष्य की उक्त सम्पति को नाजायज तरीके से बेचान व हस्तांतरण किए जाने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि मेरे अभिभाष्य की उक्त सम्पति से किसी का कोई संबंध सरोकार नहीं है। इसलिए कोई भी व्यक्ति, संस्था, फर्म या कंपनी किसी भी प्रकार से मेरे अभिभाष्य की उक्त सम्पति के संबंध में किसी भी प्रकार का सौदा या संव्यवहार आदि नहीं करें, यदि किसी के द्वारा ऐसा किया जाता है तो वह कानून की दृष्टि में अवैध व शून्य होगा।
प्रहलाद शर्मा, एडवोकेट, मो.9829151628

संक्षिप्त

महेश विजयवर्गीय बने अध्यक्ष

टोंक, (निसं)। अखिल भारतीय विजयवर्गीय (वैश्य) महासभा के

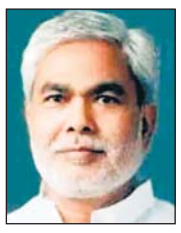

महेश विजयवर्गीय

राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की मतगणना अजमेर में शनिवार को केन्द्रिय चुनाव कार्यालय में सम्पन्न हुई। केन्द्रिय उप-चुनाव अधिकारी रवि प्रकाश विजयवर्गीय टोंक ने बताया कि कुल प्राप्त मतों में 17 हजार 965 में से विजयी उम्मीदवार महेश चन्द्र विजयवर्गीय कोटा को 15 हजार 382 मत प्राप्त हुए। इनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी प्रमोद राम विजयवर्गीय इन्दौर को 1 हजार 252 मत मिले। इस प्रकार 14 हजार 130 मतों से महेश चन्द्र विजयवर्गीय को निर्वाचित घोषित किया गया। केन्द्रिय मुख्य चुनाव अधिकारी रामस्वरूप विजयवर्गीय अजमेर, केन्द्रिय उप-चुनाव अधिकारी रवि प्रकाश विजयवर्गीय टोंक, जगदीश विजयवर्गीय इन्दौर, सुरेश विजयवर्गीय रेलमगरा, अशोक विजयवर्गीय दिल्ली ने महासभा की मतगणना कार्य को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्वण कराया।

प्रतियोगिता में रव्या सैनी प्रथम

मूंडरू, (निसं)। निम्बार्क वैदिक संस्कृति समिति भीलवाड़ा की ओर से

रव्या सैनी

संस्कृत वाड्मय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता को आयोजन हुआ। अध्यापक ओमप्रकाश सैनी जय भारती विद्या पीठ मूंडरू का कहना है कि प्रतियोगिता की कनिष्ठ वर्ग (सामान्य शिक्षा विभाग) कैटेगिरी में मूंडरू की रव्या सैनी ने प्रथम स्थान हासिल किया। मूंडरू गोपालपुरा बाइपास स्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में 24 फरवरी को राज्य स्तरीय संस्कृत वाड्मय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

नल कनेक्शन की तिथि 28 फरवरी

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल लाईन से बिना विभाग की स्वीकृति से नल कनेक्शन का लाभ ले रहे अवैध कनेक्शन धारकों को जलदाय विभाग ने 28 फरवरी तक का अल्टीमेटम दिया। जलदाय विभाग सहायक अभियंता ने बताया कि जिन लोगों ने अवैध कनेक्शन ले रखा है वो व्यक्ति कनेक्शन को नियमितीकरण के लिये कार्यालय में 28 फरवरी तक अपने दस्तावेज जमा करवा अवैध को वैध कनेक्शन की श्रेणी में शामिल करवाये अन्यथा 28 फरवरी के बाद अवैध कनेक्शनों को चिन्हित करने के साथ-साथ उनके विरूद्ध पुलिस प्राथमिकी दर्ज करवाने सहित विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

कुश्ती कोचों को मुबारकबाद दी

टोंक, (निसं)। कुश्ती के पहलवानों ने कोच की ट्रेनिंग पटियाला एनआईएस यूनिवर्सिटी पंजाब में रहकर उपाधी प्राप्त की। इसका सर्टिफिकेट प्राप्त कर टोंक के नौजवानों एवं खिलाड़िगणों को सिखाने के लिए इस ट्रेनिंग को हासिल कर लौटे। कोचों के टोंक आने पर टोंक कुश्ती खिलाडिय़ों ने उत्साह पूर्वक स्वागत किया साथ ही कुश्ती संघ के पदाधिकारी एवं उस्ताद गणों ने मिलकर कोच असरार अहमद एवं हसन अली पूर्व टोंक कुमार केसरी का भव्य स्वागत कर मालायें पहनाकर हौसला अफजाई की। इस अवसर पर मुमताज राही, मुन्ना केसरी, साजिद केसरी, मास्टर अब्दुल रशीद, आबिद मेव, अब्दुल गफूर शेरा, उस्ताद जाहिद अली, शाहनवाज एवं सआदत आदि मौजूद रहे।

हनुमान मल ढाका दूदू कलेक्टर

दूदू, (निसं)। जिला कलेक्टर के पद पर कार्मिक विभाग द्वारा आदेश जारी

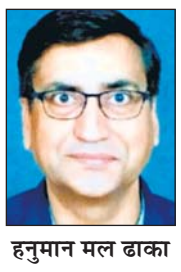

हनुमान मल ढाका

कर हनुमान मल ढाका को जिला कलेक्टर के पद पर नियुक्त किया गया है। पूर्व में कार्यरत डॉक्टर आर्तिका शुक्ला का स्थानांतरण खैरथल तिजारा में कर दिया गया है।

सूने मकान से नगदी व जेवर चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। सूने मकान से नगदी व जेवरात चोरी करने वाला नकबजन को गिरफ्तार करने में पुलिस ने सफलता हासिल की।

आनन्द शर्मा जिला पुलिस अधीक्षक अलवर ने बताया कि 14 फरवरी को परिवादी का पूरा परिवार घर पर ताला लगाकर मैरिज होम में था। जब परिवादि के घर से सामान लेने के लिये आये तो मकान का ताला टूटा हुआ था व गेट खुला था व अलमारी में रखे जेवरात व नगद रूपये चोरी हो गये थे। इस पर टीम गठित कर आरोपियों की तलाश की गई। टीम द्वारा नकबजनी के आरोपियों की तलाश की गई, आसपास सीसीटीवी कैमरे चैक किये गये व सूचना प्राप्त की गई।

टीम द्वारा आरोपी दीपू गुर्जर उर्फ बोना पुत्र लीलाराम जाति गुर्जर 22 साल निवासी मौहल्ला अखैपुरा प्रताप स्कूल के पीछे थाना कोतवाली जिला

अलवर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की राशी व सोने चांदी के जेवरात बरामद किये।

- आरोपी से चोरी किये गये जेवरात व नगदी बरामद

अलवर को दस्तयाब कर पूछताछ की गई जिस पर आरोपी द्वारा वारदात करना स्वीकार किया गया जिस पर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से चोरी किये गये जेवरात व नगदी बरामद की गई है। आरोपी से गहनता से पूछताछ जारी है।

गिरफ्तार आरोपी दीपू उर्फ बोना जाति गुर्जर से पुलिस ने चोरी की सामग्री कुल 219000 रू (दो लाख उन्नीस हजार रूपये) व सोने चांदी के जेवरात बरामद की है। पुलिस टीम में नरेश शर्मा थानाधिकारी थाना कोतवाली, रामगोपाल सब इंस्पेक्टर, अरूण कुमार सब इंस्पेक्टर थाना कोतवाली, विक्रम कानि., मुकेश कानि., रामनिवास कानि., कमलेश कानि. थाना कोतवाली, समय सिंह कानि. (विशेष भूमिका), दीनमौहम्मद., श्री मौ॰ इरसाद कानि., श्री मुरारी कानि.,डीएसटी टीम शामिल रही।

गुर्जर समाज की प्रतिभाओं का सम्मान समारोह आयोजित

टोंक, (निसं)। श्री देवनारायण भगवान की 1112वीं जयंती के अवसर पर गुर्जर समाज एवं सांड बाबा मंदिर समिति टोंक द्वारा बीती रात्रि को सांड बाबा के मंदिर में गुर्जर समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं राजकीय सेवा में नवचयनित अभ्यर्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में आयकार विभाग की सीनियर अधिकारी सुनीता बैंसला मुख्य अतिथि रही। अध्यक्षता गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने की। जानकारी देते हुए रामावतार धाभाई ने बताया कि अतिथियों ने गुर्जर समाज के प्रथम प्रतिभा सम्मान समारोह में दसवीं एवं बारहवी कक्षा में क्रमश: 80 प्रतिशत एवं 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली बालिकाओं एवं बालकों को देव दुपट्टा पहना कर, प्रशंसा पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही राजकीय सेवा में नव-चयनित अभ्यार्थियों एवं खेल प्रतियोगिता में पदक हासिल करने वाले खिलाडियों का भी सम्मान किया। मुख्य

- मुख्य अतिथि सुनीता बैंसला एवं विजय बैंसला ने किया सम्मानित

अतिथि सुनीता बैसला ने कहा कि गुर्जर समाज को आरक्षण दिलाने का काम स्वर्गीय कर्नल किरोडी सिंह बैसला ने किया था, जिसका परिणाम समाज के हजारों बालक-बालिकाओं के राजकीय सेवा में चयनित होने के रूप में मिल रहा है। इसके बावजूद कर्नल साहब का सपना अधूरा है, उनका सपना सही रूप से जब साकार होगा, तब समाज की कोई बालिका कलेक्टर की कुर्सी पर बैठेगी।

इस दौरान कंवरपाल गुर्जर, लक्ष्मी नारायण गुर्जर, नेहनुलाल पटेल, रामप्रकाश बदुडी, किशन पहलवान, रमेश पढियार, शिवराज कुकड, ग्यारसी लाल हरसाना, फतेहलाल गुर्जर, भगवान पटेल, बजरंग लाल चावडी, महेश गुर्जर, देवकरण गुर्जर, अजय गुर्जर, ओमप्रकाश गुर्जर सहित समाज बंधु उपस्थित थे।

च्यवन गौड ब्राह्मण समाज की नवीन कार्यकारिणी गठित

मालपुरा, (निसं)। अखिल भारतीय च्यवन गौड ब्राह्मण समाज शाखा मालपुरा के हुये वार्षिक चुनावों में नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया।

मालपुरा अध्यक्ष पद पर राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत शिक्षक रामप्रसाद कांदला, सचिव पद पर युवा समाजसेवी भामाशाह महावीर चौकायत एवं कोषाध्यक्ष पद पर शारीरिक शिक्षक गिर्राज व्यास को सर्वसम्मति से मनोनीत किया गया। पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद राय कांदला ने नवीन अध्यक्ष को कार्यभार सौंप माला पहना कर स्वागत किया।

इसी क्रम मे नवयुवक मंडल अध्यक्ष डॉ. रामराज शर्मा सहित रामरतन चोकायत, रामस्वरूप पीटीआई, श्रीनिवास तिवाडी, सत्यनारायण गोरी, कन्हैयालाल चिंदोला, रामकिशन कांदला, गिर्राज कांदला, रतन लाल, मोहन लाल, गोविन्दनारायण कांदला, रामावतार

पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद राय कांदला ने नवीन अध्यक्ष को कार्यभार सौंप माला पहना कर स्वागत किया।

चिंदोला, श्योजीराम पार्षद, प्रहलाद चिंदोला, दोलत कांदला सहित समाजबंधुओं ने नवीन कार्यकारिणी का स्वागत कर समाजहित में कार्य करने तथा नवीन धर्मशाला एवं छात्रावास निर्माण कार्य अतिशीघ्र करवाये जाने में सहयोग प्रदान करने का विश्वास दिलाया।

शहद की शुद्धता और गुणवत्ता परखने वाली पतंजलि की एप 'सुमधु' को प्रथम पुरस्कार

जयपुर, (निसं)। पतंजलि संस्थान, आयुर्वेद व योग के वैज्ञानिक अनुसंधान के साथ-साथ कृषि अनुसंधान व कृषि आधारित उत्पाद की गुणवत्ता-शुद्धता के लिए भी अग्रणी रूप में काम कर रहा है। शहद की शुद्धता-गुणवत्ता जांचने वाली पतंजलि की मोबाइल एप ''सुमधु'' राष्ट्रीय सूक्ष्म लघु एवं मध्यम

- पतंजलि के इस ए.आई. बेस्ड सोल्यूशन को वैज्ञानिकों ने भी सराहा

संस्थान हैदराबाद द्वारा वैज्ञानिक मधुपालन पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

''सुमधु'' मोबाइल एप शहद के छत्ते से लेकर उन्हें डिब्बों की पैकिंग व उपभोक्ता तक पहुंचने से पहले पारदर्शिता को पूर्ण रूप से मापने का काम कर रहा है। आचार्य बालकृष्ण ने बताया कि इस संगोष्ठी में देश भर से

अनेक संस्थानों व वैज्ञानिकों की सहभागिता थी, जिसमें शहद की शुद्धता-गुणवत्ता के लिए अनेक उपायों पर विचार विमर्श किया गया। इस संगोष्ठी में पतंजलि द्वारा प्रयोग किया जा रहे ए.आई. बेस्ड सोल्यूशन को शहद की पारदर्शिता एवं गुणवत्ता के लिए सर्वोत्तम माना गया एवं इसको पूरे देश में लागू करने पर वैज्ञानिकों व अनेक संस्थानों ने अपनी अभिरुचि प्रकट की तथा पतंजलि के ''सुमधु'' एप को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया।

इंस्पायर अवार्ड में 23 प्रतिभाएं चयनित

श्रीमाधोपुर, (निसं)। बाल वैज्ञानिकों की प्रतिभा को आगे बढ़ाने, युवाओं को रचनात्मक खोज के बारे में बताने के लिए केन्द्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन द्वारा संचालित कार्यक्रम इंस्पायर अवार्ड के तहत ब्लॉक की कुल 23 प्रतिभाओं के आइडियाज चयनित हुए हैं।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि इसके अंतर्गत महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल कोटड़ी सिमारला की कशिश कुमारी, शहीद भैरूराम राउमावि मूंडरू की कविता स्वामी, महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल मूंडरू की रेणु सैनी, राउमावि नांगल भीम के हेमराज, सेंट्रल चिल्ड्रेन एकेडमी उमावि रींगस के आयुष, घोसल्या चिल्ड्रन एकेडमी भारणी के आरव घोसल्या, ज्योति सैनी, प्रकृति शर्मा, अंशुल, राउप्रावि जालपाली की विधिका सैनी, ओम न्यू ग्लोबल अकैडमी श्रीमाधोपुर के रजनीश यादव व कमलेश सैनी, राउप्रावि जलालपुर के सौरभ लाखीवाल, राउमावि श्रीमाधोपुर के कृष्ण सैनी, राउप्रावि पोलादास के

- प्रत्येक को आइडिया डवलप करने के लिए मिलेंगे दस हजार

रोहित सैनी, देव कुमार सैनी, राजवीर सैनी, राबाउमावि मऊ की विशाखा कुमावत, महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल नाथूसर के ओजसवीर गंगवाल, विकास मीणा, अभिनव पारीक, भूपेश मौर्य तथा राउमावि कल्याणपुरा थोई के देशराज चयनित हुए हैं। सभी मान्यता प्राप्त सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में कक्षा 6 से 10 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों द्वारा इंस्पायर अवार्ड मानक योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन किए जाते हैं। इसके अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय से अधिकतम पांच विद्यार्थी अपने इनोवेटिव आईडियाज अपलोड कर सकते हैं। जिला स्तर के लिए चयनित इन सभी विद्यार्थियों के बैंक खातों में 10 हजार रुपए भारत सरकार द्वारा जमा कराए जाते हैं, जिनसे वे अपना मॉडल बनाकर प्रदर्शित करते हैं।

ए.डी.एम. ने पी.एच.सी. व स्कूल का निरीक्षण किया

निवाई, (निसं)। उपजिला कलेक्टर समदरसिंह भाटी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डांगरथल का औचक निरीक्षण करके आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान सीनियर नर्सिंग ऑफिसर नरेन्द्रसिंह राठौड ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का अवलोकन किया।

उप जिला कलेक्टर सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थिति पंजिका, औषधि भंडारण, नि:शुल्क

- अस्पताल के बाहर हो रहे अतिक्रमण को जाप्ता बुलवाकर हटवाया

उप जिला कलेक्टर समदरसिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपस्थिति पंजिका, औषधि भंडारण, नि:शुल्क दवाइयों का अवलोकन किया।

दवाइयों का अवलोकन किया। उन्होंने मरीजों से वार्तालाप करके नि:शुल्क जांच व मरीज को देने वाली दवाइयां की जानकारी ली। उप जिला कलेक्टर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में बने हुए शौचालयों व लेबर रूम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर हो रहे अतिक्रमण पर नाराजगी जाहिर की और ग्राम विकास अधिकारी मोहनलाल गुर्जर को बुलाकर तुरंत अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया। उसके पश्चात थानाधिकारी हरिपालसिंह राठौड को फोन कर जाप्ता मंगवाया और अतिक्रमण हटवाकर भविष्य में कोई अतिक्रमण न हो इसके लिए पाबंद किया। उप जिला कलेक्टर समदरसिंह ने बीट अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम विकास अधिकारी के साथ पूरे गांव दौरा करें और अतिक्रमण पाए जाने पर उन्हें चिन्हित कर अतिक्रमण को हटाया जाए। इसके बाद समदरसिंह भाटी ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का निरीक्षण करते हुए प्रधानाचार्य पन्नालाल जैन से विद्यालय की गतिविधियों की जानकारी ली और उपस्थिति पंजिका, मिड डे मील के भोजन की गुणवत्ता को लेकर भोजन की जांच की। उन्होंने कक्षाओं में पहुंचकर छात्राओं से रूबरू हुए। इस दौरान साफ सफाई के लिए प्रधानाचार्य को निर्देशित किया और समस्त कर्मचारियों को समय पर ड्यूटी पर आने के लिए पाबंद किया।

वार्षिकोत्सव एवं विदाई समारोह

फुलेरा, (निसं)। कस्बे की सांभर सड़क, रेलवे अंडरपास के निकट स्थित विवेकानन्द पब्लिक सीनियर सैकेंडरी स्कूल में शनिवार को प्रात: 11 बजे वार्षिकोत्सव, विदाई समारोह एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव मानसिंह की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महन्त त्रिलोकी दास, समाजसेवी कैलाश चन्द बैनाडा रहे तो विशिष्ट अतिथि स्कूल शिक्षा समिति के अध्यक्ष नानूराम वर्मा, गजेन्द्र सिंह शेखावत, शिक्षाविद् के.जी. गॉड, उमेश चन्द्र श्रीवास्तव रहे। आगन्तुक अतिथियों ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद व्यवस्थापक अजयवीर सिंह, प्रधानाचार्य सुजाता सिंह द्वारा अतिथियों का माला व साफा पहनाकर स्वागत अभिनन्दन किया गया। कक्षा 11 द्वारा कक्षा 12 के विद्यार्थियों को कुमकुम का तिलक लगाकर विदाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया साथ ही पिछले वर्ष के टॉपर्स का भी सम्मान किया गया तथा रंगोत्सव कार्यक्रम में मेडल प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया गया।

रमेश धाकड़ अध्यक्ष मनोनीत, समाजबंधुओं ने किया स्वागत

चौरू/उनियारा, (निसं)। उपखंड पलाई, क्षेत्र के मांडव ऋषि की तपोभूमि पर तीर्थ स्थल मिनी पुष्कर मांडकला के धाकड समाज के राष्ट्रीय मंदिर धरणीधर भगवान मंदिर परिसर पर अखिल नागरचाल 108 गांवों के संकल पंचो की आम सभा की बैठक

- पलाई में होगा धाकड़ समाज 108 गाँव का सामूहिक सम्मेलन

पूर्व विधायक प्रभुलाल कर्सोलिया की अध्यक्षता में आयोजित हुई।

बैठक में धाकड समाज के संगठन पर चर्चा, आर्दश सामूहिक विवाह सम्मेलन करवाने, अखिल नागरचाल 108 गाँव की नवीन कार्यकारणी बनाने एवं मंदिर परिसर विकास पर विचार विमर्श कर कई निर्णय पारित किए गए। बैठक में समाज एकता व नागरचाल 108 गाँव के समाज अध्यक्ष पद के लिए सभी पंचों से सुझाव मांगे।

इस पर पूर्व विधायक प्रभुलाल कर्सोलिया, प्रदेश अध्यक्ष हेमराज नागर, कर्मचारी परिषद अध्यक्ष गिर्राज धाकड, नैनवा छात्रावास समिति अध्यक्ष विशाल धाकड, सेवानिवृत्ति तहसीलदार

रमेश धाकड़

राधाकिशन धाकड, पूर्व सरपंच सोहनलाल धाकड, एडवोकेटेड राधेश्याम नागर, सुरेंद्र धाकड, जिलाध्यक्ष मदनलाल धाकड, घसीलाल धाकड आदि समाजबंधुओं ने समाज एकजुटता व संगठन पर विशेष जोर दिया।

बैठक में अखिल नागरचाल 108 गाँव धाकड समाज अध्यक्ष पद के लिए रमेश चंद धाकड डोकून वालों क़ो सभी संकल पंचों की सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर निर्वाचित किया। अध्यक्ष रमेश धाकड का सकल पंचों की ओर से माला, दुपट्टा व पगडी बंधवाकर स्वागत किया गया। बैठक में उपस्थित पंचों ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष रमेश चंद धाकड को नवीन कार्यकारिणी बनाने क़ो कहा।

सार-समाचार

कृष्ण सैनी का इंस्पायर अवार्ड में चयन

श्रीमाधोपुर, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीमाधोपुर के प्रधानाचार्य राजेश कुमार अंकुर ने बताया कि विद्यालय के कक्षा 10 के छात्र कृष्ण सैनी पुत्र रामरतन सेनी का इंस्पायर अवार्ड में चयन हुआ है। चयनित प्रतिभा को आइडिया डेवलप करने के लिए दस हज़ार रूपये मिलेंगे। केंद्र सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के द्वारा संचालित एनआईएफ कार्यक्रम के तहत चयन हुआ है। विद्यालय परिवार द्वारा छात्र को प्रशस्ति पत्र, पेन, मोमेन्टो तथा साफा व माला पहना सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समस्त स्टाफ कार्मिक और छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

फुटओवर ब्रिज पर खर्च होंगे 2.31 करोड़

सांभरझील, (निसं)। जोधपुर मंडल के गुढ़ा रेलवे-स्टेशन पर हाई लेवल प्लेटफार्म का निर्माण कार्य शुरू होने से और अधिक सौंदर्यीकरण होगा। प्रदेश के उत्तर पश्चिम रेलवे हेडक्वार्टर जयपुर के निर्देशानुसार गुढा स्टेशन पर अब दो करोड़ इकत्तीस लाख रूपए की लागत से फुट ऑवर ब्रिज बनेगा। रेलवे बोर्ड के जारी नोटिफिकेशन के आधार पर अब यह काम थोड़े दिनों में शुरू होने वाला है। एक तरफ साभंरझील में बन रहे देश के प्रथम हाई स्पीड ट्रायल ट्रेक हो या रेलवे दोहरीकरण दोनों ही क्षेत्रों में चहुंओर तीव्र गति से विकास कार्य प्रगति पर है। इसी कडी में दो करोड़ इकत्तीस लाख रूपए की लागत से अब फुट ऑवर ब्रिज बनाए जाने की स्वीकृती भी मिल चुकी हैं। गौरतलब है कि रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर एक और दो पर आने जाने वाली सवारी गाडियों में सफर करने के लिए यात्रियों को इधर से उधर पटरियों को पार कर जाना पड़ता था। इस दोरान कई बार दोनों प्लेटफार्म पर ट्रैनें तीन दिनों तक खडी रहती थी, जिसके चलते सवारियां खडी ट्रेनों के नीचे घुसकर, कूदकर या आगे पीछे से घुमकर अपनी जान जोखिम में डालनें को विवश हो रहे थे लेकिन अब काम होने के बाद फुट ऑवरब्रिज से लोग आवाजाही कर सकेंगे।

बसों का संचालन कराने की मांग

राजगढ़, (निसं)। राजस्थान राज्यपथ परिवहन निगम प्रबंधन की अनदेखी एवं निष्क्रियता की वजह से राजगढ कस्बे का बस स्टैंड बदहाली के कगार पर है। चालक परिचालकों एवं निगम प्रबंधन के मध्य समन्वय का अभाव यात्रियों की परेशानी बन गया है। निगम प्रबंधन के अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी बस स्टैंड पर बसों के नहीं आने से बस स्टैंड औपचारिक बनकर रह गया है। इसकी वजह से राजगढ़ बस स्टैंड का हाल बेहाल है। बसों के बाईपास संचालन के कारण यात्रियों को किलोमीटर दूर जाकर बसों में बैठना पड़ रहा है। राजगढ वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष से वीरेंद्र शर्मा एवं सचिव भूपेंद्र शर्मा, रीजन चेयरमैन वीरेंद्र शर्मा, किराना व्यापार संघ के अशोक पसारी एवं अभिभाषक मंडल के राजकुमार चौहान एवं अन्य जागरूक लोगों ने बस स्टैंड पर व्यवस्था ठीक नहीं होने के लिए निगम प्रबंधन की कार्य प्रणाली को लेकर चिंता व्यक्त की है। जागरूक लोगों ने बताया कि शीघ्र राजगढ़ कस्बे के बस स्टैंड पर बसों का संचालन शुरू नहीं हुआ तो मजबूरन लोगों को आंदोलन करना पड़ेगा।

भगवान देवनारायण का लक्खी मेला संपन्न

निवाई, (निसं)। देवधाम जौधपुरिया में स्थित गुर्जर समाज के आराध्य देव व जन-जन के आराध्य भगवान श्री देवनारायण के 1112 वें जन्मोत्सव व तीन दिवसीय लख्खी मेले के समापन को लेकर शनिवार को कई अनुष्ठानों का आयोजन हुआ। सुबह भगवान श्री देवनारायण की विशेष मंगला आरती का आयोजन किया गया जिसमें कई श्रद्धालुओं ने भाग लिया। शनिवार को गोधूलि बेला के कार्यक्रम में महिलाओं ने घरेलू सामानों की खरीददारी की। वहीं देवनारायण जयंती पर मंदिर के पीछे बने बांध में आस्था की डुबकियां लगाई तथा सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भगवान देवनारायण के सामने मत्था टेककर मनोकामना मांगी। मेला समिति के प्रतियोगिता प्रभारी सुरज्ञान सिंह खाटरा ने शिक्षा को बढ़ावा देने का आव्हान करते हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

ठाकुर जी की निकाली शोभायात्रा

पीपलू, (निसं)। रानोली कस्बे के घाण चौराहे पर स्थित पीपल वृक्ष के विवाह के लिए शनिवार को मनमोहनजी महाराज मंदिर से ठाकुर जी महाराज की बारात शोभायात्रा के साथ निकाली गई। ठाकुर जी महाराज की बारात शोभायात्रा तोरणद्वार पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया और तोरण की रश्म अदायगी कर डीजे के साथ धार्मिक भजनों पर नाचते हुए। बाराती विवाह स्थल घाणा चौराहे पर लगीं पीपल वृक्ष पहुंची यहां पर ठाकुर जी महाराज और पीपल विवाह रिति-रिवाज से पंडितो के मंत्रों उच्चारण के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर रामबाबू विजय, इन्द्रा विजय, रामबक्स मीणा, धन्नालाल तंवर, रामकिशोर विजय, भंवरी देवी, अर्जुनलाल बनजारा, शंकरसिंह, राम नरेश विजय, रवि विजयवर्गीय व नन्द सिंह सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह

मालपुरा, (निसं)। शहर के सदरपुरा रोड गौशाला के सामने आयोजित शिव परिवार एवं पंचमुखी बालाजी मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह के शुभारम्भ पर कलश यात्रा निकाली गई। शनिवार की सवेरे कृषि उपज मंडी से शुरू हुई कलश यात्रा मुख्य मार्गो से होकर कार्यस्थल पर पहुंची। प्रधान कलश धारण करने व धर्म ध्वजा लेकर घोडी पर बैठने की बोलियां लगाई गई। पवित्रा जांगिड पत्नि मुकेश जांगिड निवासी मोर ने प्रधान कलश की सर्वाधिक बोली लगा यजमान बनने का सौभाग्य प्राप्त किया। मयंक सिंह पुत्र गिर्राज सिंह नरूका निवासी डीडावत हाल निवासी मालपुरा ने धर्म ध्वजा लेने का सौभाग्य प्राप्त किया तथा पूरण सिंह पुत्र मदन सिंह राठोड निवासी फागी ने सालीगराम मूर्ति को धारण कर यजमान बनने का सौभाग्य प्राप्त किया।

यह भारतीय बैडमिंटन के लिए गर्व का क्षण है। युवाओं ने इस अवसर पर आगे बढ़कर और पहली बार बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर सफलता और इतिहास में योगदान देकर चयन को सही ठहराया है। **- संजय मिश्रा**

भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव, पी.वी. सिंधु के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मोहम्मद सिराज

शनिवार को राजकोट में इंग्लैंड भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी में 71.1 ओवर में 319 रन पर सिमट गयी। वहीं गेंदबाजों के शानदार प्रयास से भारत ने पहली पारी के हिसाब से 126 रन की बढ़त बनायी। मोहम्मद सिराज के चार विकेट और कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा के दो दो विकेट झटकने से इंग्लैंड की टीम शनिवार को यहां भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन पहली पारी में 71.1 ओवर में 319 रन पर सिमट गयी। गेंदबाजों के शानदार प्रयास से भारत ने पहली पारी के हिसाब से 126 रन की बढ़त बनायी।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

यशस्वी के शतक से भारत मजबूत

राजकोट 17 फरवरी। गेंदबाजो के कातिलाना प्रदर्शन के बाद यशस्वी जायसवाल (104 रिटायर्ड हर्ट) के शानदार शतक की बदौलत भारत ने यहां खेले जा रहे तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरी पारी में दो विकेट पर 196 रन बना कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

भारत ने पहली पारी में 445 रन बनाये थे जिसके जवाब में इंग्लैंड की पहली पारी 319 रनो पर सिमट गयी थी। 126 रन की लीड के साथ भारत ने दूसरी पारी में कप्तान रोहित शर्मा (19) और रजत पाटीदार (0) का विकेट खोकर 196 रन बना लिये थे। दिन का खेल खत्म होने के समय शुभमन गिल (65) और नाइटवाच मैन की भूमिका में कुलदीप यादव तीन रन बना कर क्रीज पर मौजूद थे। भारत की अब तक की कुल लीड 322 रनो की हो चुकी है जबकि उसके आठ खिलाड़ी आउट होने बाकी हैं।

हालांकि रविचंद्रन अश्विन के पारिवारिक कारणों से बीच में मैच छोड़ने के चलते भारत की ओर से दूसरी पारी में अब सिर्फ सात ही बल्लेबाज आउट होने बाकी हैं। आज के खेल का मुख्य आकर्षण यशस्वी जायसवाल का शतक रहा जिन्होने अपनी पारी की शुरुआत बेहद सतर्क तरीके से की और विकेट पर नजर जमाने के बाद अंग्रेज गेंदबाजों की जमकर क्लास ली। अपने टेस्ट करियर के सातवें मैच में ही उन्होने अपना तीसरा शतक 122 गेंदों में नौ चौकों और पांच छक्कों की मदद से पूरा किया। इससे पहले यशस्वी पिछले टेस्ट में दोहरा शतक जड़ चुके हैं।

मैदान पर बैठे दर्शकों ने उनकी तूफानी बल्लेबाजी का लुफ्त उठाया। यशस्वी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 104 रन के निजी स्कोर पर रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौट गये। इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने मेहमान बल्लेबाजों को बांध कर रखा। बेन डकेट (153) के अलावा कोई भी इंग्लिश बल्लेबाज क्रीज पर अपना प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा। ओली पोप (39) और कप्तान बेन स्टोक्स (41) ने कुछ समय क्रीज पर रह कर भारतीय गेंदबाजों का सामना करने की हिम्मत दिखायी। इंग्लैंड की पारी को समेटने में मोहम्मद सिराज (84 रन पर चार विकेट), कुलदीप यादव (77 रन पर दो)।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैमीसन चोट के कारण बाहर

वेलिंगटन, 17 फरवरी। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को पीठ की चोट के कारण कम से कम अगली गर्मियों तक टीम से बाहर कर दिया गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड के पहले टेस्ट के बाद तेज गेंदबाज को स्कैन के लिए भेजा गया था जहां उनकी पीठ के उसी हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर मिला जहां पिछले साल जैमीसन का ऑपरेशन किया गया था। चिकित्सकों के अनुसार उन्हें दूसरी सर्जरी कराने की आवश्यकता नहीं होगी, लेकिन चोट को ठीक होने के लिये आराम और पुनर्वास की जरुरत होगी। आईसीसी की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि तेज गेंदबाज अब तक मिले समर्थन के लिए आभारी है। जैमीसन ने कहा पिछले कुछ दिन मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण रहे हैं लेकिन मैं अपने साथी, परिवार, टीम के साथियों, सहयोगी स्टाफ और चिकित्सा पेशेवरों से मिले समर्थन के लिए बेहद आभारी हूं। मुझे पता है कि एक क्रिकेटर के रूप में चोटें जीवन का हिस्सा हैं और मेरी उम्र में मुझे उम्मीद है कि मेरे पास अभी भी खेलने के कई दिन बाकी हैं।

अलकराज अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में

ब्यूनस आयर्स, 17 फरवरी। स्पेन के शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अलकराज ने इतालवी क्वालीफायर एंड्रिया वावसोरी पर 7-6 (1), 6-1 से जीत के साथ अर्जेंटीना ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने ब्यूनस आयर्स लॉन टेनिस क्लब की आउटडोर क्ले पर एक घंटे 40 मिनट के खेल में जीत हासिल करने के लिए 27 रिटर्न पॉइंट जीते। दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अलकराज ने अपने 153वीं रैंक के प्रतिद्वंद्वी के बारे में कहा, मुझे लगता है कि पहले सेट में वह इतने ऊंचे स्तर पर खेले। उनकी सर्विस वापस करना और हवा के साथ चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में वापसी करना वास्तव में कठिन था।

तेंदुलकर के दौरे से कश्मीरी बल्ला निर्माताओं में उत्साह

श्रीनगर, 17 फरवरी। । महान सचिन तेंदुलकर ने शनिवार को दक्षिण कश्मीर में एक बल्ला निर्माण इकाई का दौरा किया, जिससे उद्योग को काफी बढ़ावा मिलने की संभावना है। तेंदुलकर, उनकी पत्नी अंजलि और बेटी सारा ने शनिवार को चारसू अवंतीपोरा में एमजे स्पोर्ट्स बैट निर्माण इकाई का दौरा किया और लगभग एक घंटा बिताया।

एमजे स्पोर्ट्स के मालिक मोहम्मद शाहीन ने 'यूनीवार्ता' को बताया, तेंदुलकर की यात्रा से कश्मीर विलो बैट को काफी बढ़ावा मिलेगा, जिसकी काफी मांग है। क्रिकेट के दिग्गज को कश्मीर क्रिकेट बल्लों के बारे में बहुत सारी जानकारी थी और उनके कुछ सवाल भी थे। वह हमारे क्रिकेट बल्लों की गुणवत्ता से बेहद प्रभावित थे।

तेंदुलकर बल्ला निर्माता इकाई में कम से कम एक घंटे तक रुके। दक्षिण कश्मीर में 300 से अधिक बैट निर्माण इकाइयाँ हैं जो देश के भीतर और बाहर लगभग चार मिलियन क्रिकेट बैट की आपूर्ति करती हैं। 2022 टी20 क्रिकेट विश्व कप में टूर्नामेंट का सबसे लंबा छक्का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बल्लेबाज जुनैद सिद्दीकी ने अनंतनाग जिले में स्थित जीआर8 स्पोर्ट्स द्वारा निर्मित कश्मीर विलो बैट से मारा था।

एफआईएच हॉकी प्रो. लीग : भारत ने आयरलैंड को 1-0 से हराया

भुवनेश्वर, 17 फरवरी। गुरजंत सिंह के आखिरी क्षणों में किये गये शानदार गोल की बदौलत भारत ने शुक्रवार रात कलिंगा हॉकी स्टेडियम में आयरलैंड पर 1-0 की करीबी जीत के साथ एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2023/24 के भुवनेश्वर चरण का समापन किया।

गुरजंत सिंह 60वें मिनट में भारत की ओर से एकमात्र गोल करने वाले खिलाड़ी थे। भारत ने मैच में आक्रमण शुरुआत की। उन्हें मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर तीसरे मिनट में मिला, लेकिन हरमनप्रीत की ड्रैग-फ्लिक को आयरिश डिफेंडर ने पोस्ट के पास बचा लिया। आयरलैंड ने जवाबी हमला किया, हालांकि 11वें मिनट में मैथ्यू नेल्सन का शॉट गोलपोस्ट से बाहर चला गया।

शुरुआती क्वार्टर 0-0 पर समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत शांत रही। दोनों टीमों ने एक-दूसरे की रक्षापंक्ति को भेदने की कोशिश की मगर असफल रहे। दूसरे क्वार्टर के अधिकांश समय में भारत के पास गेंद पर बेहतर कब्जा था। उन्होंने संभावित गोल करने के मौके बनाए और क्रमश: 20वें और 24वें मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन एक आयरिश रक्षा ने मेजबान टीम को गोल करने से रोक दिया, इस प्रकार पहला हाफ 0-0 के गतिरोध पर समाप्त हुआ।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा, मगर आयरिश सर्कल के अंदर जगह बनाने में असफल रहा। भारत ने गोल करने के कई अवसर बनाए, लेकिन आयरिश रक्षापंक्ति ने उसे विफल कर दिया। भारत ने अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में तत्परता दिखाई और तुरंत पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन हरमनप्रीत की ड्रैग-फ्लिक को आयरिश गोलकीपर ने नकार दिया। 51वें मिनट में उन्हें फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन वे मौके का फायदा नहीं उठा सके। भारत ने आयरिश डिफेंस पर दबाव बनाना जारी रखा और 60वें मिनट में उनके प्रयासों का फल मिला।

मेजबान टीम ने आखिरकार गुरजंत के फील्ड गोल के जरिए गतिरोध तोड़ दिया। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अब एफआईएच हॉकी प्रो लीग के अपने रिटर्न मैच खेलने के लिए राउरकेला जाएगी। भारत राउरकेला चरण के अपने पहले मैच में 19 फरवरी को स्पेन से भिड़ेगा।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज युवराज सिंह के घर चोरी

नई दिल्ली, 17 फरवरी। पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह के घर पर चोरी की वारदात हुई है। इसमें चोरों ने नगदी और ज्वेलरी पर लंबा हाथ मारा है। युवराज के पंचकूला वाले से चोरी की वारदात सामने आई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर के घर पर होने वाली चोरी हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों की सुरक्षा के बारे में चिंता पैदा करती है। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज युवराज सिंह के घर पर चोरी की वारदात हुई है। इसमें चोरों ने नगदी और ज्वेलरी पर लंबा हाथ मारा है। युवराज के पंचकूला वाले से चोरी की वारदात सामने आई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर के घर पर होने वाली चोरी हाई-प्रोफाइल व्यक्तियों की सुरक्षा के बारे में चिंता पैदा करती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक युवराज की मां ने बताया कि सितंबर, 2023 से वो गुड़गांव वाले घर पर थीं। फिर 5 अक्टूबर 2023 को एमडीसी घर लौटने पर उन्हें पहली बार पता चला की उनकी आलमारी से कैश और गहने गायब हैं। पूर्व बल्लेबाज की मां शबनम सिंह के मुताबिक, करीब 75 हजार कैश और ज्वेलरी के कई आइटम बंद अल्मारी से चोरी हुए हैं। चोरी का शक घर में काम करने वाले दो पुराने सदस्यों पर हैं, जिन्होंने दिवाली के समय अचानक काम छोड़ दिया था।

ज्योति ने 60 मीटर बाधा दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार के साथ स्वर्ण जीता

नई दिल्ली, 17 फरवरी। ज्योति याराजी ने शनिवार को एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 60 मीटर बाधा दौड़ में 8.12 सेकेंड का समय लेकर अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करते हुए स्वर्ण पदक जीता। सौ मीटर बाधा दौड़ में 2022 एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता ने पिछले साल इसी स्पर्धा में 8:13 सेकेंड का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकाला था। भारतीय धाविका ज्योति याराजी ने शनिवार को एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 60 मीटर बाधा दौड़ में 8.12 सेकेंड का समय लेकर अपने ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करते हुए स्वर्ण पदक जीता। सौ मीटर बाधा दौड़ में 2022 एशियाई खेलों की रजत पदक विजेता ने पिछले साल इसी स्पर्धा में 8:13 सेकेंड का अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकाला था। वह तब उपविजेता रही थीं।

इससे पहले 24 साल की इस एथलीट ने 8:22 सेकेंड के समय के साथ अपनी हीट में शीर्ष स्थान के साथ फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। फाइनल में उन्होंने जापान की असुका टेरेडा (8.21 सेकेंड) से काफी बेहतर प्रदर्शन किया। हांगकांग की लुई लाई यियू (8:26 सेकेंड) ने तीसरा स्थान हासिल किया। ज्योति 100 मीटर बाधा दौड़ में मौजूदा एशियाई आउटडोर चैंपियन हैं। उन्होंने पिछले साल बैंकॉक में खिताब जीता था। उन्होंने हांगझोउ एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था।

भारत बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप के फाइनल में

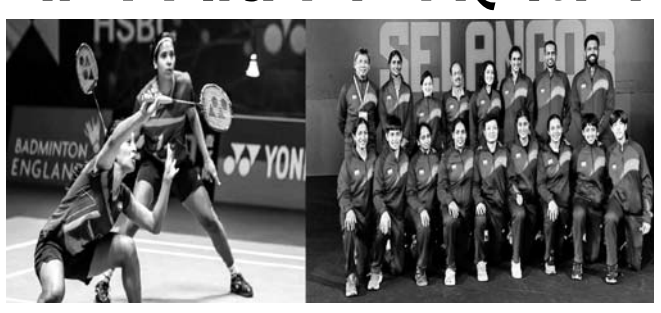

सेलांगोर (मलेशिया), 17 फरवरी। भारतीय महिला टीम ने अपनी युवा प्रतिभाओं के दम पर शनिवार को यहां शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान को 3-2 से हराकर बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के अपने पहले फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा यह भारतीय बैडमिंटन के लिए गर्व का क्षण है। युवाओं ने इस अवसर पर आगे बढ़कर और पहली बार बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचकर सफलता और इतिहास में योगदान देकर चयन को सही ठहराया है।

टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार अंतिम चार चरण में पहुंचने के बाद महिलाओं को दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु से मजबूत शुरुआत की जरूरत थी लेकिन चीजें योजना के मुताबिक नहीं हुईं। सिंधु ने अया ओहोरी के खिलाफ मजबूत शुरुआत की लेकिन एकाग्रता में गिरावट के कारण जापानी खिलाड़ी को शुरुआती गेम जीतने में मदद मिली। दूसरे गेम की शुरुआत तक भारतीय स्टार शटलर ने लगातार नौ अंक गंवाए।

उन्होंने नौ अंक बनाकर 10-19 से 19-19 का स्तर बराबर कर लिया। वह एक मैच प्वाइंट बचाने में सफल रही लेकिन लय बरकरार नहीं रख सकी और 21-13, 22-20 से हार गई। ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की युवा जोड़ी के सामने दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी को पछाड़ने की कठिन चुनौती थी। नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा की ड़ी ने टीम को दौड़ में बनाए रखा और दोनों जोड़ियों के बीच तीसरी भिड़ंत में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया। ट्रीसा और गायत्री ने शुरुआती गेम जीतकर शुरुआत की लेकिन जापानियों के अनुभव ने निर्णायक गेम को मजबूर करने का रास्ता ढूंढ लिया। निर्णायक गेम में उन्होंने एक बार फिर अपनी पकड़ बनाई और 19-13 की बढ़त बना ली, इससे पहले कि उनके अधिक अनुभवी विरोधियों ने उन पर फिर से दबाव बना दिया। युवा भारतीय संयोजन ने स्कोर 19-19 से बराबर होने के बावजूद हिम्मत नहीं हारी और फिर अपने दूसरे मैच प्वाइंट को 21-17, 16-21, 22-20 से जीत लिया।

इसके बाद अश्मिता चालिहा ने मौके का फायदा उठाया और अपने आक्रामक प्रदर्शन के दम पर पूर्व विश्व चैंपियन नोजोमी ओकुहारा को 21-17, 21-14 से हराकर भारतीयों को आगे कर दिया। सिंधु, जिनके कंधों पर दूसरा युगल खेलने की जिम्मेदारी भी थी, ने अश्विनी पोनप्पा के साथ जोड़ी बनाई लेकिन यह जोड़ी दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी रेना मियाउरा और अयाको सकुरामोटो के खिलाफ 14-21, 11-21 से हार गई। हालांकि बाद में अनमोल खरब ने नात्सुकी निदाइरा को 21-14, 21-18 से हरा कर भारत की जीत सुनिश्चित कर दी।फाइनल में भारत का मुकाबला थाईलैंड से होगा, जिसने दूसरे सेमीफाइनल में इंडोनेशिया को 3-1 से हराया।

सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट पाने वाले खिलाड़ियों को जय शाह की चेतावनी

रणजी मैच नहीं खेलने के गंभीर प्रभाव होंगे

नई दिल्ली, 17 फरवरी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव जय शाह ने रणजी ट्रॉफी 2024 नहीं खेल रहे खिलाड़ियों को चेतावनी दी है। शाह ने शुक्रवार को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट हासिल कर चुके सितारों और इंडिया-ए के उन खिलाड़ियों को लेटर लिखा है, जो स्टेट टीम से खेलने के बजाय की तैयारी में लगे हैं।

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, शाह ने लेटर में लिखा कि नेशनल टीम में सिलेक्शन के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट अभी महत्वपूर्ण मापदंड बना हुआ है। इसमें हिस्सा नहीं लेने के गंभीर परिणाम होंगे। चेतावनी जारी करने की वजह डोमेस्टिक रेड-बॉल क्रिकेट पर को प्राथमिकता देने वाले खिलाड़ियों का व्यवहार चिंताजनक है। शाह ने लिखा- हाल ही में एक कुछ ऐसी चीजें सामने आई है, जो चिंता की वजह है। कुछ खिलाड़ियों ने डोमेस्टिक क्रिकेट पर को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया है।

यह एक ऐसा बदलाव है जिसकी उम्मीद नहीं थी। डोमेस्टिक क्रिकेट हमेशा वह आधार रहा है जिस पर भारतीय क्रिकेट खड़ा है। डोमेस्टिक क्रिकेट भारतीय क्रिकेट की रीढ़ है और टीम इंडिया के लिए फीडर लाइन के रूप में कार्य करता है। भारतीय क्रिकेट के लिए हमारा दृष्टिकोण शुरू से ही क्लियर रहा है। टीम इंडिया के लिए खेलने के इच्छुक हर प्लेयर को डोमेस्टिक क्रिकेट में खुद को साबित करना होगा। डोमेस्टिक क्रिकेट में परफॉर्मेंस सिलेक्शन के लिए एक महत्वपूर्ण पैमाना बना हुआ है और डोमेस्टिक क्रिकेट में हिस्सा न लेने के गंभीर प्रभाव होंगे।

पीएम मोदी और सचिन ने अश्विन को 500 विकेट की उपलब्धि पर बधाई दी

नई दिल्ली, 17 फरवरी। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर कहा, "रविचंद्रन अश्विन को 500 टेस्ट विकेट लेने की असाधारण उपलब्धि पर बधाई। उनकी यात्रा और उपलब्धियां उनके कौशल और दृढ़ता का प्रमाण हैं। वह आगे और उपलब्धियां हासिल करें, उन्हें मेरी शुभकामनायें।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 500 टेस्ट विकेट लेने की असाधारण उपलब्धि के लिए ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन की प्रशंसा की। अश्विन शुक्रवार को राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान अनिल कुंबले के बाद 500 टेस्ट विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गये।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर कहा, "रविचंद्रन अश्विन को 500 टेस्ट विकेट लेने की असाधारण उपलब्धि पर बधाई। उनकी यात्रा और उपलब्धियां उनके कौशल और दृढ़ता का प्रमाण हैं। वह आगे और उपलब्धियां हासिल करें, उन्हें मेरी शुभकामनायें।"

अश्विन यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे ऑफ स्पिनर बने और कुंबले के बाद भारत के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हुए हैं। कुंबले ने अपने करियर में 619 विकेट झटके हैं। महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अश्विन को 'लाखों में एक' गेंदबाज करार दिया। तेंदुलकर ने 'माइक्रो ब्लॉगिंग' साइट पर कहा, "लाखों में एक गेंदबाज के लिए 500 टेस्ट विकेट। अश्विन (विन) द स्पिनर (नर) में हमेशा एक 'विनर' (विजेता) होता है। टेस्ट क्रिकेट में 500 विकेट बड़ी उपलब्धि है। बधाई हो चैम्पियन।"

अश्विन के समकालीन और आस्ट्रेलियाई ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा, "ऐश बस इतना कहना चाहता था कि 500 टेस्ट मैच विकेट लेने के लिए बहुत बधाई। आपकी यात्रा अविश्वसनीय रही है। आप यहां तक पहुंचे हो, उसके लिए मेरे पास सम्मान के अलावा कुछ नहीं है। आपके खिलाफ प्रतिस्पर्धा करना अद्भुत है लेकिन आपसे सीखा भी। बधाई हो।"

किसानों के आंदोलन के बीच शॉटगन निशानेबाजों के पटियाला में होने वाले ओलंपिक ट्रायल पर संशय

नई दिल्ली, 17 फरवरी। कई शॉटगन निशानेबाजों ने कहा कि किसानों के आंदोलन के बीच सड़क मार्ग से उनके लिये बंदूक और गोली' ले जाना सुरक्षित नहीं होगा। राज्य (पंजाब) की सीमा बंद होने के कारण चंडीगढ़ के लिए हवाई किराया आसमान छू रहा है। किसान आंदोलन और अंतरराज्यीय यात्रा पर लगाए गए प्रतिबंधों के मद्देनजर 150 से अधिक शॉटगन निशानेबाज इस महीने के अंत में पटियाला में प्रस्तावित राष्ट्रीय ओलंपिक ट्रायल में भाग लेने को लेकर ऊहापोह की स्थिति में हैं।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने इस मसले का हल निकालने के लिए दो बैठकें की हैं लेकिन 'व्यस्त कार्यक्रम' और आम चुनाव की घोषणा के अंदेशे के बीच तीसरे चयन ट्रायल के लिए स्थान या तारीखों में अभी तक कोई बदलाव नहीं किया है। एनआरएआई ने 22 जनवरी को एक बयान में कहा था कि 25 फरवरी से दो मार्च तक पटियाला के 'मोती बाग गन क्लब रेंज' में आयोजित होने वाले चयन ट्रायल में प्राप्त अंकों को 'पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए टीमों के चयन के लिए विचार किया जाएगा'।

इस चयन ट्रायल को लेकर पीटीआई ने जिन कई शॉटगन निशानेबाजों से बात की। उन्होंने कहा कि किसानों के आंदोलन के बीच सड़क मार्ग से उनके लिये बंदूक और गोली' ले जाना सुरक्षित नहीं होगा। राज्य (पंजाब) की सीमा बंद होने के कारण चंडीगढ़ के लिए हवाई किराया आसमान छू रहा है। एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह से जब पूछा गया कि क्या परिस्थितियों को देखते हुए महासंघ पटियाला में ट्रायल आयोजित करने में सक्षम होगा, उन्होंने कहा, "यह एक बहुत ही कठिन सवाल है। लेकिन क्या कैलेंडर (निशानेबाजी का सालाना कार्यक्रम), चुनावों को देखते हुए क्या हमारे पास कोई विकल्प है। हमारे पास बहुत कम समय है।" यह पूछे जाने पर कि क्या ट्रायल को जयपुर के जगतपुरा रेंज या दिल्ली के करणी सिंह रेंज में स्थानांतरित किया जा सकता है।

हिमाचल में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को बड़ा तोहफा

शिमला, 17 फ़रवरी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने ओलंपिक में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीतने पर पुरस्कार राशि बढ़ाकर तीन से पांच करोड़ रुपये करने की घोषणा की। रजत पदक जीतने पर दो की जगह तीन तीन करोड़ और कांस्य पदक जीतने पर खिलाड़ी को एक की जगह अब दो करोड़ मिलेंगे। इसी तरह एशियाई खेलों में स्वण पदक जीतने पर पुरस्कार राशि से 50 लाख से बढ़ाकर चार करोड़, रजत पर 30 से 2.50 करोड़ और कांस्य पदक जीतने पर 20 लाख से 1.50 करोड़ रुपये करने की घोषणा की। कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक पर 50 लाख की जगह तीन करोड़, रजत पर 30 लाख की जगह दो करोड़ व कांस्य पर 20 लाख की जगह एक करोड़ रुपये मिलेंगे। टीम स्पर्धा में पुरस्कार विजेताओं को प्रतिनिधित्व के आधार पर पुरस्कार राशि दी जाएगी। राज्य से बाहर 200 किलोमीटर की दूरी तक खेल स्पर्धाओं में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को एएसी श्री टायर का किराया तथा 200 किलोमीटर से अधिक दूरी के स्थानों पर जाने के लिए इकॉनोमी क्लास एयर फेयर दिया जाएगा। सरकारी विभागों में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को विभिन्न पदों पर तीन प्रतिशत खेल कोटा के तहत सम्मिलित वर्तमान 43 खेलों की संख्या को बढ़ाया जाएगा। प्रारंभिक शिक्षा स्तर के खिलाड़ियों को प्रदेश में होने वाली खेलों में भाग लेने पर 250 रुपये प्रतिदिन डाइट मनी दी जाएगी। अन्य सभी खिलाड़ियों को प्रदेश में होने वाली खेलों में भाग लेने पर 400 रुपये प्रतिदिन डाइट मनी मिलेगी। सभी खिलाड़ियों को प्रदेश के बाहर होने वाली खेलों में भाग लेने पर समान रूप से 500 रुपये प्रतिदिन डाइट मनी दी जाएगी।

इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइज़ेशन (इसरो) ने एक महत्वपूर्ण मिशन के तहत श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र से मौसम सैटलाइट, इनसैट- 3डीएस का शनिवार को लॉन्च किया। सैटलाइट को 19 मिनट की उड़ान के बाद सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित कर दिया गया। इसरो ने बताया कि, इस सैटलाइट का वजन 420 टन और इसकी लम्बाई 51.7 मीटर है। इनसैट-3डीएस भूस्थैतिक कक्षा में स्थापित किए जाने वाले तीसरी पीढ़ी के मौसम सैटलाइट का मिशन है। इसे मौसम का अवलोकन करने, भविष्यवाणी और आपदा चेतावनी के लिए भूमि और महासागर सतहों की निगरानी करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस सैटलाइट से वर्तमान में संचालित इनसैट-3डी और इनसैट-3डीआर उपग्रहों के साथ मौसम संबंधी सेवाओं में वृद्धि होगी। यह सैटलाइट समुद्र की सतह का अध्ययन करके अधिक सटीक, सटीक और सूचनात्मक मौसम पूर्वानुमान प्राप्त करने में मदद करेगा और सूनामी जैसी प्राकृतिक आपदा की चेतावनी देने में सक्षम होगा।

आंध्र में जगनमोहन रेड्डी के खिलाफ ''राजधानी फाइल्स'' फिल्म रिलीज़ कर रहे हैं चन्द्रबाबू

-लक्ष्मण वेंकट कुचि-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 फरवरी। दक्षिण भारत में फिल्म व राजनीति दोनों एक दूसरे में समाहित है क्योंकि फिल्मी अभिनेतागण व राजनीतिज्ञ, कभी रील में तो कभी रियल में अलग-अलग भूमिकाएं निभाते हैं। अत: इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि, कोई फिल्म चुनाव का प्रचार करने व चुनाव तैयारी का जरिया बन जाए, और जैसा कि वे ऐसा लम्बे समय से करते आ रहे हैं।

तमिलनाडू में फिल्मी दुनिया से जुड़े एम.जी. रामचन्द्रन और उनकी शिष्या जे. जयललिता, उनके विरोधी एम. करुणानिधि में सब मुख्य मंत्री बने थे। सुपरस्टार एन.टी. रामाराव की तो कहानी अद्भुत है। अपनी पार्टी का गठन करके मात्र नो महीने में एक कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी को सत्ता से बेदखल कर दिया था। जो इस बात का संकेतक है कि फिल्म व फिल्मी सितारे दक्षिण भारत की राजनीति को किस सीमा तक प्रभावित करते हैं।

इसलिए, इस बात से बमुश्किल ही अचम्भा होता है कि, फिल्मों को अधिकतर प्रचार के पहिए के रुप में राजनीतिज्ञों एवं राजनीतिक दलों द्वारा प्रयोग किया गया है।

लगभग जो भी फिल्में एम.जी.आर. ने बनाई और जिस भी फिल्म में उन्होंने जो किरदार निभाए वो उन्होंने बहुत ही सोच समझ चुने थे। ताकि उनकी छवि विशेष रुप से एक अच्छा कार्य करने वाले की बने और वे जनता के मसीहा जैसे बन जाए। एन.टी.आर. वास्तविक जीवन में जो करते थे वो फिल्मी किरदारों से प्रभावित होता था।

आंधप्रदेश में इतिहास की पुनरावृति हो रही है, जहां पर तेलुगुदेशम पार्टी के एन. चन्द्रबाबू नायडू ''राजधानी फाइल्स'' फिल्म का प्रचार कर रहे है। फिल्म में बताया गया है कि मुख्यमंत्री वाई.एस. जगनमोहन रेड्डी द्वारा किस प्रकार अमरावती को राजधानी शहर बनाने के विचार को कैसे नष्ट कर दिया गया।

उसका लेखा जोखा इस फिल्म में है और उन्होंने ही अमरावती राजधानी नहीं बनने दिया। जबकि नई राजधानी के निर्माण के लिए किसानों ने अपनी जमीने तक दे दी थी। फिल्म राजधानी फाइल्स का निर्देशन भवानी शंकर ने किया है जो कि पूरी 2.30 घंटे की लम्बी फिल्म है।

इस फिल्म में टी.डी.पी. के तथ्यों, कल्पनाओं और आरोपों को सृजनात्मक रुप से इस तरह मिश्रित किया गया ताकि जनता के दिल दिमाग पर इसका असर पड़े। यही कारण है जिसकी वजह से सत्तारुढ़ वाई.एस.आर.सी.पी. इस फिल्म के प्रसारण को रुकवाने के लिए कोर्ट में गई थी।

नायडू, जो इस समय भाजपा के साथ गठबंधन करने की कोशिश कर रहे हैं उनकी तरफ अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण गठबंधन करने के उनके पक्ष में है वो इस नई फिल्म को प्रोत्साहित कर रहे हैं और इस फिल्म को प्रचार अभियान के वाहन के रुप में बनाया गया है मुख्यमंत्री के खिलाफ और उन्होंने लोगों से अनुरोध किया है कि वे जगन के गलत कार्यों को जानने समझने के लिए इस फिल्म को अवश्य देखें जो कि प्रदेश की राजधानी के विरुद्ध तथा प्रदेश के हितों के खिलाफ किए हैं।

नायडू ने मुख्यमंत्री के खिलाफ पारी समाप्ति का आगाज़ करते हुए फिल्म को लांच किया और कहा ''जगन रेड्डी आपकी फिल्म अब खत्म हो गई है। असली फिल्म अब शुरु हो रहीहै,'' उन्होंने राजधानी अमरावती का उदाहरण दिया उनके तीन राजधानी बनाने के विचार को कोर्ट ने रद्द कर दिया और अमरावती के विचार को नष्ट करने के लिए सब कुछ करने की उनकी हरकतें बताई हैं।

मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति ने इस विचार के खिलाफ अपनी व्यक्तगत दुर्भावना के कारण अमरावती का सत्यानाश कर दिया, नायडू ने ऐसा आरोप लगाया और जनता से अनुरोध किया कि उन्हें उनके इन कार्यों के कारण दंडित किया जाना चाहिए, उन्होंने पुलिस बल का दुरुपयोग किया और अमरावती के समर्थकों को डराने धमकाने का अपराध किया और उन्हें यातनाएं दी गई।

फिल्म ''राजधानी फाइल्स'' के बारे में नायडु ने कहा कि इस फिल्म में अमरावती के समर्थकों का दमन करने के लिए जिस निर्दयता का प्रयोग मुख्यमंत्री ने किया उसका पूरा चिट्ठा इसमें है और यही कारण है जिसकी वजह से जगमोहन रेड्डी ने राज्य में इस फिल्म के प्रदर्शन पर रोक लगाने के लिए पूरी कोशिश की है।

परंतु आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के द्वारा हस्तक्षेप करने के बाद प्रदेश में फिल्म को प्रदर्शित करने की इजाजत मिली है, चुनाव सामने हैं और फिल्म के प्रति विशेष प्रेम रखने वाले प्रदेश में प्राय: राजनीतिक प्रचार -प्रसार के वाहन के रुप में फिल्में कारगर साबित हुई हैं।

कांग्रेस नेता और फिल्म निर्माता निदेशक, दसारी नारायण राव (तेलुगू फिल्मों के कादर खान) द्वारा वर्ष 1999 में बनाई गई एक पोलिटिकल कैम्पेन फिल्म ''पिचोडी चेटीलो राया'' में स्वयं चंद्रबाबू नायडू पर हमला क्यों बोला गया और उनकी निंदा क्यों की गई। ये वो चुनाव थे जिनमें टी.डी.पी. सत्ता से बाहर हुई थी। यह फिल्म सितम्बर में उस समय रिलीज़ हुई जब चुनाव प्रचार चरम पर था और इसके द्वारा कांग्रेस को तत्कालीन मुख्यमंत्री नायडू के विरुद्ध अपना संदेश फैलाने और नायडू को जनता विरोधी व घोटालाबाज दर्शाने में मदद मिलीं।

पड़ोसी राज्य तमिनलाडू में, भाजपा भी फिल्मी रचनात्मकता का सहारा ले रही है। भाजपा ने ''डी.एम.के. के फाइल्स'' रिलीज़ की। ऑडियो और वीडियो, फाइल्स के द्वारा इसमें डी.एम.के. के कथित भ्रष्टाचार का लेखा -जोखा और भी दस्तावेज रिलीज़ करने का वादा किया गया था।

- चन्द्र बाबू के अनुसार फिल्म में बताया गया है कि, किस प्रकार मुख्यमंत्री जगनमोहन की कारगुजारियों की वजह से अमरावती को राजधानी नहीं बनाया जा सका, जबकि कई किसानों ने इसके लिए अपनी जमीनें दी थीं।
- चन्द्र बाबू नायडू इस फिल्म का जोरदार प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि, इसमें मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार का पर्दाफाश किया गया है, इसीलिए जगनमोहन रेड्डी इसे रोकने का प्रयास कर रहे थे।
- ज्ञातव्य है कि, यह फिल्म हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद रिलीज़ होने जा रही है।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य और प्रसिद्ध गीतकार गुलज़ार को ज्ञानपीठ पुरस्कार

रामभद्राचार्य ने 240 से अधिक पुस्तकों और ग्रंथों की रचना की है तथा प्रसिद्ध गीतकार गुलज़ार को हिन्दी एवं उर्दू के गीतों की नई विधा, ''त्रिवेणी'' के आविष्कार के लिए यह पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया है

नई दिल्ली, 17 फरवरी (वार्ता)। संस्कृत के प्रकांड विद्वान रामभद्राचार्य और उर्दू के साहित्यकार गुलजार को अट्ठावनवें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया जायेगा।

ज्ञानपीठ पुरस्कारों के निर्णायक मंडल ने शनिवार को वर्ष 2023 के लिये अट्ठावनवें ज्ञानपीठ पुरस्कारों की घोषणा की।

ज्ञानपीठ पुरस्कार समिति की तरफ से शनिवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया, अट्ठावनवां ज्ञानपीठ पुरस्कार दो भाषाओं के लब्धप्रतिष्ठ लेखकों, जगद्गुरु रामभद्राचार्य (संस्कृत साहित्य) और गुलजार (उर्दू साहित्यकार) देने का निर्णय किया गया है।

सुप्रसिद्ध कथाकार और ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभा राय की अध्यक्षता में हुई चयन समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस बैठक में चयन समिति के अन्य सदस्य सर्व माधव कौशिक, दामोदर मौजो, प्रो. सुरंजन दास, प्रो. पुरुषोत्तम बिल्माले, प्रफुल्ल शिलेदार, प्रो हरीश त्रिवेदी, प्रभा वर्मा, डॉ जानकी प्रसाद शर्मा, ए कृष्णा राव और ज्ञानपीठ के निदेशक मधुसुदन आनन्द शामिल थे।

- उल्लेखनीय है कि, संस्कृत भाषा को दूसरी बार और उर्दू के लिये पांचवीं बार यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। देश के सर्वोच्च साहित्य सम्मान, ज्ञानपीठ पुरस्कार के रूप में विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप रुपये 11 लाख की राशि, वाग्देवी की प्रतिमा और प्रशस्ति भेंट की जायेगी।

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट के निवासी रामभद्राचार्य प्रख्यात विद्वान्, शिक्षाविद्, बहुभाषाविद्, रचनाकार, प्रवचनकार, दार्शनिक और हिन्दू धर्मगुरु हैं।

वे चित्रकूट स्थित संत तुलसीदास के नाम पर स्थापित तुलसी पीठ नामक धार्मिक और सामाजिक सेवा संस्थान के संस्थापक और अध्यक्ष हैं। वे बहुभाषाविद् हैं और 22 भाषायें बोलते हैं। वह संस्कृत, हिन्दी, अवधी, मैथिली सहित कई भाषाओं में आशुकवि और रचनाकार हैं। उन्होंने 240 से अधिक पुस्तकों और ग्रंथों की रचना की है। उनके द्वारा लिखे गये चार महाकाव्य में दो संस्कृत भाषा और दो हिंदी भाषा में लिखे गये हैं। इससे पहले, उन्हें 2015 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया जा चुका है।

गुलज़ार नाम से प्रसिद्ध सम्पूर्ण सिंह कालरा (1934) हिन्दी फिल्मों के एक प्रसिद्ध गीतकार हैं। इसके अलावा, वे एक कवि, पटकथा लेखक, फ़िल्म निर्देशक नाटककार तथा प्रसिद्ध शायर हैं। उनकी रचनायें मुख्यत: हिन्दी, उर्दू तथा पंजाबी में हैं।

इससे पहले, गुलज़ार को वर्ष 2002 में सहित्य अकादमी पुरस्कार और वर्ष 2004 में पद्म भूषण से सम्मानित किया जा चुका है। अपनी लम्बी फ़िल्मी यात्रा के साथ साथ गुलज़ार अदब के मैदान में नई नई मंज़िलें तय करते रहे हैं। नज़्म में इन्होंने एक नई विधा 'त्रिवेणी' का आविष्कार किया है जो तीन पंक्तियों की ग़ैर मुक़फ़्फ़ा नज़्म होती है।

उल्लेखनीय है कि, संस्कृत भाषा को दूसरी बार और उर्दू के लिये पांचवीं बार यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। देश के सर्वोच्च साहित्य सम्मान ज्ञानपीठ पुरस्कार के रूप में विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप रुपये 11 लाख की राशि, वाग्देवी की प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र दिये जाते है।

ताजेवाला हैड से चूरू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आभार प्रकट किया।

शेखावत ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में बनी यह सहमति ऐतिहासिक है। दो दशक से अटके मुद्दे पर ठोस और स्थायी समाधान की दिशा में यह एक मजबूत कदम है और निश्चित ही राजस्थान में जल उपलब्धता के विषय में मील का पत्थर साबित होगा। अपर यमुना बेसिन में तीन जल भंडारण, रेणुकली, लखवार और किशाऊ चिह्नित किए गए हैं, जहां से राजस्थान को हथिनीकुंड से निर्धारित अवधि के लिए जल उपलब्ध कराया जाएगा। यदि संभव हुआ तो शेष समयावधि में भी पेयजल और सिंचाई की जरूरतों को पूरा किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि, यमुना जल पर मई 1994 में संपादित समझौते के अनुसरण में राजस्थान को हरियाणा स्थित ताजेवाला हैड पर मानसून के दौरान 1917 क्यूसेक जल आवंटित है। वर्तमान में ताजेवाला हैड से राजस्थान को जल लाने के लिये कैरियर सिस्टम उपलब्ध नहीं है। राज्य द्वारा वर्ष 2003 में हरियाणा की नहरों को रीमॉडल करके राजस्थान में उक्त जल लाने के लिये व पुन: वर्ष 2017 में भूमिगत प्रवाह प्रणाली के माध्यम से जल लाने हेतु हरियाणा सरकार को एम.ओ.यू. भेजा गया जिस पर हरियाणा राज्य की सहमति प्राप्त नहीं हो सकी थी। पिछले 30 वर्षों के दौरान राजस्थान द्वारा लगातार इस मुद्दे को अपर यमुना रिव्यू कमेटी व अन्य अंतर्राज्यीय बैठकों में निरंतर रखा गया।

अब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री शेखावत के सम्मिलित प्रयासों से शनिवार को इसके लिये एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए हैं। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी, राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार तथा कमिश्नर एवं शासन सचिव जल संसाधन हरियाणा पंकज अग्रवाल द्वारा एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए गए।

वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग के जरिए दिल्ली कोर्ट में उपस्थित हुए केजरीवाल

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 17 फरवरी। ई.डी. (एनर्फोसमेंट डायरेक्टरेट) के सम्मन का पालन न करने पर, दिल्ली के मुख्यमंत्री, अरविंद केजरीवाल शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए और कहा कि, दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है, इस कारण वह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने में असमर्थ हैं।

आबकारी नीति (जो अब रद्द कर दी गई है) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सम्मन का पालन न करने पर ई.डी. ने उनके विरुद्ध शिकायत दर्ज की थी, जिसके कारण उनको व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होना था।

उनके वरिष्ठ अधिवक्ता, रमेश गुप्ता ने अदालत को बताया कि, दिल्ली के मुख्यमंत्री अगली तारीख पर व्यक्तिगत रूप से पेश होंगे। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 16 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। ई.डी. ने अपनी शिकायत में कहाकि, केजरीवाल जानबूझकर, सम्मन का पालन नहीं कर रहे हैं तथा असंतोषजनक बहाने बनाते जा रहे हैं। ई.डी. ने कहा कि अगर उनके जैसे उच्च पदस्थ सार्वजनिक अधिकारी ने कानून की अवज्ञा की तो यह ''आम आदमी'' (कॉमन मैन) के लिए गलत उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

न्यायाधीश ने पहले कहा था कि, शिकायत की विषय वस्तु और रिकॉर्ड पर दी गई जानकारी से आरोपी अरविंद केजरीवाल के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता (आई.पी.सी.) की धारा 174 के तहत प्रथम दृष्टया अपराध बनता है और उनके विरुद्ध कार्यवाही आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त है।

- ई.डी. सम्मनों की अवज्ञा के मामले में दायर केस की सुनवाई में केजरीवाल उपस्थित हुए। उन्होंने विधानसभा सत्र के कारण व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से इन्कार कर दिया था।

आप संयोजक ने पहले ई.डी. को पत्र लिखकर उन्हें जारी किए गए सम्मन को अवैध और राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया था। उन्होंने आरोप लगाया था, कि सम्मन का उद्देश्य उन्हें चुनाव प्रचार करने से रोकना था।

राहुल गांधी ने काशी विश्वनाथ के दर्शन किये, वायनाड से सीधे मंदिर पहुँचे

राहुल गांधी रविवार की दोपहर प्रयागराज से अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिर शुरू करेंगे

नई दिल्ली, 17 फरवरी। हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत की खबर के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी न्याय यात्रा से ब्रेक लेकर अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड रवाना हो गए हैं। कांग्रेस की ओर से बताया गया है कि राहुल गांधी रविवार की दोपहर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिर शुरू करेंगे। गांधी का वायनाड़ दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब एक दिन पहले शुक्रवार सुबह एक जंगली हाथी के हमले में गंभीर रूप से घायल हुए एक व्यक्ति की कोझिकोड मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई थी। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि पीड़ित वन विभाग का एक इको-टूरिज्म गाइड था और यहां कुरुवा द्वीप पर तैनात था, जो एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने ट्वीट किया, ''वायनाड में राहुल गांधी की मौजूदगी की तत्काल जरूरत है। वे आज शाम 5 बजे वाराणसी से रवाना हुए। भारत जोड़ो न्याय यात्रा कल 18 फरवरी को प्रयागराज में दोपहर 3 बजे फिर से शुरू होगी।''

वायनाड में सत्तारूढ एलडीएफ, विपक्षी यूडीएफ और भाजपा ने क्षेत्र में आम लोगों पर पशुओं के हमले की समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग करते हुए जिलाव्यापी हड़ताल का आह्वान किया। जिले में दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे जबकि सड़कों से वाहन नदारद रहे।

कांग्रेस की यात्रा शुक्रवार को उत्तर प्रदेश में प्रवेश कर गई और राजस्थान में प्रवेश करने से पहले राज्य से होकर गुजरेगी। कांग्रेस की पूर्व से पश्चिम (मणिपुर-मुंबई) यात्रा 15 राज्यों से होकर गुजरने वाली है। इस दौरान यह 6,700 किलोमीटर की दूरी तय करेगी और इसका उद्देश्य रास्ते में आम लोगों से मिलते हुए न्याय का संदेश देना है।

इससे पहले राहुल गांधी ने शनिवार सुबह काशी पहुंचकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। कांग्रेस ने अपने एक्स हैंडल पर इस बात की जानकारी दी है लेकिन ये आरोप भी लगाए हैं कि आखिरी मौके पर हमारे कैमरे को मिली अनुमति को निरस्त कर दिया गया। कांग्रेस ने एक्स पर पोस्ट कर बताया, आज सवेरे करीब 10.30 बजे राहुल गांधी ने काशी में बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन और अभिषेक किया। आखिरी क्षण में मंदिर में जाने के लिए हमारे कैमरे को मिली अनुमति निरस्त कर दी गई। जिला प्रशासन ने आश्वस्त किया कि, मंदिर के कैमरापर्सन द्वारा फोटो साझा की जाएगी। साढ़े तीन घंटे तक लगातार प्रयास करने पर भी फोटो उपलब्ध नहीं कराई गई। कांग्रेस ने कहा, फिर कुछ 7 तस्वीरें भेजी गईं, जिनमें से एक भी दर्शन करने की नहीं हैं। जबकि मंदिर के कैमरापर्सन ने फोटो खींची थीं। ऐसा करके वाराणसी के जिला प्रशासन ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि वह दिल्ली में बैठे कैमराजीवी के मुलाजिम से ज़्यादा और कुछ नहीं।

'2256 मामलों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में से छोटी-मोटी त्रुटियां दूर करना और सही तरह से नोटिस जारी करना, हाईकोर्ट रूल्स के अंतर्गत हाईकोर्ट की रजिस्ट्री का दायित्व है। बार के सदस्यों ने दिल्ली हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में चल रही प्रथा के बारे में भी अवगत कराया, जहां रजिस्ट्रार ही नोटिस की सर्विस के लिए प्राथमिक तौर पर जिम्मेदार हैं और केवल अत्यंत विवादित मामलों में ही अदालत नोटिस जारी करने के आदेश स्वयं पारित करने का दायित्व लेती है। बार के सदस्यों ने कहा कि यह प्रथा राजस्थान हाईकोर्ट में भी लागू की जा सकती है। बार के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव पर महाअधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने पूर्णत: सहमति जताई।

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह तथ्य भी पेश किया गया कि पिछले दो हफ्तों में 8666 सूचीबद्ध मामलों में से 2256 मामले ''ऑडर्स '' श्रेणी (जिनमें मामूली तकनीकी त्रुटिया या नोटिस नही जारा हुए थे) में सूचीबद्ध थे, यानि अदालत की 'कॉज लिस्ट' मे से 25 प्रतिशत मामले ''ऑडर्स'' श्रेणी के थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने महाअधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद, के नेतृत्व में समिति गठित की है, जिसमें वरिष्ठ अधिवक्ता ए.के. शर्मा, बार अध्यक्ष व अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा, अधिवक्ता अनिता अग्रवाल और अधिवक्ता सुनील समदड़िया सदस्य हैं।

- इस मामले को गंभीरता से लेते हुए और इन मामलों के सही निस्तारण के लिए अदालत ने महाअधिवक्ता की अध्यक्षता में गठित समिति को छः हफ्तों में सुझाव प्रस्तुत करने को कहा है।

कांग्रेस के कमलनाथ भाजपा में शामिल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा के कई वरिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के सम्पर्क में है।

नाथ और उनके परिजनों के कई व्यवसाय हैं और उनकी स्थिति काफी नाजुक है, उन्हें बहुत आसानी से केन्द्रीय संस्थाओं के जरिए निशाना बनाया जा सकता है। और इससे इंकार नहीं किया जा सकता है कि उन्होंने शायद इसीलिए भाजपा में जाने का निर्णय किया है। विपक्ष के कई नेता केन्द्रीय एजेंसियों के डर से ही भाजपा में शामिल हो रहे है। पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने कहा कि ज्यादा उत्साहित ना हों।

जब एक पत्रकार ने पूछा कि वे इस संभावित दल परिवर्तन का खंडन नहीं कर रहे है, तो कमलनाथ ने कहा, ''यह खंडन की बात नहीं है, आप यह कह रहे हैं, आप लोग उत्तेजित हैं। मैं उत्तेजित नहीं हो रहा हूं, इस तरफ या उस तरफ, पर यदि ऐसी कोई बात होती है, मैं पहले आपको सूचना करूंगा।''

पिछले कुछ दिन से, कमलनाथ अपने प्रभाव क्षेत्र छिंदवाड़ा के दौरे पर थे, जहां से नौ बार सांसद रहे हैं। उनके पुत्र नकुल नाथ ने यह सीट 2019 के लोकसभा चुनाव में जीती थी, वो भी तब जब भाजपा ने राज्य की सभी 28 सीटों पर विजय प्राप्त की थी।

कमलनाथ के भाजपा में जाने की चर्चा के बारे में पूछने पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने दिन में जबलपुर में कहा था, मैंने कल रात 10.30 पर कमलनाथ से बात की थी, वे छिंदवाड़ा में हैं।''

सिंह ने कहा, ''ज़ब इंदिरा गांधी को जनता पार्टी ने जेल भेजा था, उस समय कमलनाथ ने अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की, वे नेहरू-गांधी परिवार के साथ खड़े रहे, क्या आप सोचते हैं कि ऐसा व्यक्ति कभी भी कांग्रेस तथा गांधी परिवार को छोड़ सकता है?''

कहते हैं कि कमलनाथ राज्यसभा का टिकिट नहीं मिलने से नाराज हैं तथा साथ ही राहुल गांधी उनके खिलाफ हैं, जब से कांग्रेस पार्टी ने गत वर्ष के अन्त में मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव बुरी तरह से हारा है।

- कमलनाथ के गत कुछ समय से कांग्रेस छोड़ कर भाजपा में जाने की चर्चा चल रही थी। बताया जाता है कि कमलनाथ और उनका परिवार कई तरह के व्यवसाय करता है, इसलिये उन्हें आसानी से ई.डी. व अन्य एजेन्सियों द्वारा टारगैट किया जा सकता है, और हो सकता है ऐसा किया भी जा रहा हो।

विधानसभा चुनाव में सफाया होने के बद, जब भाजपा के विधानसभा की 230 सीटों में से 163 जीती थी और कांग्रेस मात्र 66 सीटों जीत पाई थी, तब कमलनाथ को मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के पद से हटा दिया गया था।

कमलनाथ की अन्तत: होने वाली राजनीतिक यात्रा की चर्चाओं के बावजूद के अलावा भी, भाजपा काफी लंबे समय से राजनीतिक परिवारों को विभाजित करते रहे हैं और इसके लिये वे भाईयों तथा बहनों तथा अन्य रिश्तेदारों में मतभेदों का फायदा उठाते रहे है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा पार्टी अध्यक्ष लालकृष्ण आडवाणी के समय में गैर आर.एस.एस. पृष्ठभूमि के अनेक विराधी दल नेताओं को भाजपा में शामिल किया गया था, ताकि पार्टी के परम्परागत हिन्दू समर्थकों के आधार को व्यापक बनाया जा सके।

एक उत्कृष्ट मामला पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के परिवार का है, जिनके दूसरे बेटे, सुनील शास्त्री को भाजपा में लाया गया और फिर उनको महासचिव बनाया गया ताकि, कांग्रेस अनुयायी और कार्यकर्ता, भाजपा को स्वीकार कर लें। यद्यपि, सुनील शास्त्री ने बाद में भाजपा छोड़ दी और पुन: कांग्रेस में शामिल हो गए थे। लेकिन जब गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी (जो परंपरागत रूप से शास्त्री परिवार का घरेलू मैदान रहा है।) से लोकसभा चुनाव लड़ने का निर्णय लिया तो, वह फिर से भाजपा में चल गए। पर मोदी युग में, शास्त्री को बदले में कुछ नहीं मिला।

वाजयेपी-अडवाणी युग में, सुस्थापित कांग्रेस परिवार में विभाजन के बीज बोते हुए, कई कांग्रेस नेताओं को भाजपा में शामिल कर लिया था। कांग्रेस छोड़ने वाले नेताओं ने दावा किया था कि, नेहरू-गांधी परिवार द्वारा नियंत्रित कांग्रेस, उन्हें उनका हक नहीं दे रही थी, इससे साबित हुआ कि, तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, मात्र एक दिखावा था, असल कारण सत्ता की लालसा था। फिर भी कुछ नैतिकताएं थी, यद्यपि वास्तव में वह, यह दिखाने का जरिया था कि भाजपा अन्य पार्टियों से अलग है, ''अलग तरह की पार्टी'' है।

भाजपा पर, मोदी-शाह की जोड़ी का नियंत्रण आने के बाद से स्थिति में आमूल-चूल बदलाव आ गया है। यहां नेताओं पर हर संभव तरीके से दबाव डाला जा रहा है, धमकाया जा रहा है एवं लुभाया जा रहा है। मोदी-शाह चुनावी प्रबंधन टीम, सरकारी एजेंसियों की मदद से, लक्षित नेता तथा उनके परिवार के विवादों संबंधित सभी जानकारी एकत्र करती है ताकि, उन्हें उनकी पार्टियों से दूर किया जा सके।

इसका एक उदाहरण, पवार परिवार का है, जहां भतीजे अजीत पवार का इस्तेमाल, वरिष्ठ शरद पवार को नष्ट और बर्बाद करने के लिए किया गया है। अजीत पवार को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है और उन्हें चुनाव आयोग (जिसकी स्वतंत्रता से हाल के वर्षों में समझौता किया गया है) की मदद से नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) का नाम दे दिया गया है।

यह सत्य है कि, अधिकांश भारतीय परिवारों में भाई-बहन, पैसे और सत्ता के लिए लड़ती है, लेकिन इस बात का श्रेय, युगल नेतृत्व वाली भाजपा को जाना चाहिए कि, वह स्वयं को सत्ता में बनाये रखने के लिए, इन विवादों और मतभेदों का ''रचनात्मक'' उपयोग करती है।

राहुल की यात्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अम्बानी के, और उनके बड़े समाचार पत्र, अखबार निकलते हैं। ये टीवी चैनल्स किसानों, श्रमिकों, एवं गरीबों के बारे में कुछ नहीं दिखाएंगे क्योंकि इनके मालिक इन्हें कहते हैं कि ऐश्वर्या का नृत्य दिखाएं। प्रधानमंत्री को टीवी पर 24 घंटे दिखाएं और अमिताभ बच्चन को दिखाएं। परंतु देश से संबंधित मुद्दों पर ये चैनल बात नहीं करते हैं।

छोटे व्यापारियों ने उन्हें बताया कि, उन्हें इस बात का डर है कल क्या होगा। राहुल ने कहा कि उन्हें उनकी यात्रा के दौरान नफरत का माहौल नहीं देखा। यहां तक कि जो लोग भाजपा व आर.एस.एस. के थे उन्होंने भी प्रेम से बात की। उन्होंने कहा कि यह देश प्यार मोहब्बत का देश है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जो कोई भी उनकी यात्रा में शामिल हो रहे है वे सब यह महसूस कर रहे हैं कि वे अपने घर आ रहे हैं और वे मोहब्बत फैला रहे है।

उन्होंने यहां व्यापक बेरोजगारी का उल्लेख किया और कहा कि युवाओं को उच्च शिक्षित होने के बावजूद रोजगार नहीं मिल रहा है।

वरुण गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने किसानों की मांगों पर ध्यान ना देने को लेकर सरकार की भर्त्सना की। उन्होंने कहा कि केन्द्र की राक्षसी ताकत के आगे गरीब अपनी आवाज नहीं उठा पा रहे हैं। ऐसी अटकलें हैं कि आने वाले दिनों में वरुण कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं क्योंकि भाजपा शायद अगले लोकसभा चुनावों में उन्हें तथा सुल्तानपुर से सांसद उनकी मां मेनका गांधी (67) को पार्टी टिकट नहीं देगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908